ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हासन में आयोजित जन कल्याण कार्यक्रम
सिद्धरामैया का शक्ति प्रदर्शन... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 06 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-336

बांग्लादेश में हिंदुओं के बचाव में वकील को पेश होने की इजाजत नहीं

आज के बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए कोई दया और न्याय नहीं

2 दिसंबर 2024 बांग्लादेश का काला दिवस था। उस दिन बांग्लादेश के चटगांव शहर की एक अदालत में सम्मिलितो सनातन जागोरों जोते के नेता और इस्कॉन प्रमुख चिन्मय कृष्ण प्रभु के पक्ष में जमानत याचिका दायर करने के लिए किसी भी वकील को पेश होने की अनुमति नहीं दी गई। चिन्मय कृष्ण को 25 नवंबर को एक फर्जी राजद्रोह मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें उन पर और अन्य हिंदुओं पर बांग्लादेश के झंडे का अपमान करने का आरोप लगाया गया था। इससे पहले, इस्लामिस्ट-जेहादी समूह ने इस्कॉन को आतंकवादी समूह घोषित करके उस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, जबकि उन्होंने जय श्री राम को आतंकवादी नारा घोषित करने की भी मांग की थी। बड़ी संख्या में इस्लाम समर्थक और हिंदू विरोधी व्यक्तियों द्वारा भी ऐसी मांगें की गईं, जिनका स्पष्ट उद्देश्य देश में 160 मिलियन मुस्लिम आबादी के साथ हिंदू विरोधी भावना फैलाना था।

इससे पहले, चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के बाद, हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी हिंदुओं ने जय श्री राम के नारे लगाने शुरू कर दिए और उन्हें अदालत से चटगांव सेंट्रल जेल ले जा रही जेल वैन को रोकने की कोशिश की। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान, कट्टरपंथी इस्लामी समूहों ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों की मौजूदगी में अचानक प्रदर्शनकारियों पर हमला कर दिया। इस अराजकता के बीच, सहायक सरकारी वकील सैफुल इस्लाम की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इसके जवाब में, भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं ने भी मांग की कि इस्कॉन को आतंकवादी संगठन घोषित किया जाए और सैफुल इस्लाम के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की।

शुभ-लाभ चिंता

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से नफरत करने वाले मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की कट्टरवादी इस्लामवादी सरकार इस घटना को सही ठहराने की कोशिश कर रही है, जिसमें कहा गया है कि अदालत जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकी, क्योंकि कोई भी वकील हिंदू भिक्षु चिन्मय के लिए पेश होने को तैयार नहीं था। इस तथ्य के बावजूद, ऐसे दावे सरासर झूठ हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मीडिया लगातार (वीडियो फुटेज के साथ) यह साबित कर रहा है कि हिंदू वकीलों को इस्लामवादियों द्वारा बाधित किया गया और उनके चैंबरों में तोड़फोड़ की गई। कुछ इस्लामवादी वकीलों ने सार्वजनिक रूप से हिंदू वकीलों को धमकियां दी कि अगर वे चिन्मय कृष्ण के साथ-साथ हिंदू समुदाय और इस्कॉन के अन्य नेताओं की ओर से अदालत में पेश हुए तो उन्हें शारीरिक रूप से क्षति पहुंचाई जाएगी। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना के 5 अगस्त 2024 को अचानक बांग्लादेश से चले जाने के बाद, हिंदुओं पर हिंसा और व्यवस्थित उत्पीड़न में वृद्धि शुरू हुई। 8 अगस्त को नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, जिन्हें ट्रम्प-नफरती भी कहा जाता है, ने मुख्य सलाहकार के रूप में एक कट्टर इस्लामी सरकार का गठन किया।

क्लिंटन फाउंडेशन के जाने-माने दानदाता एजेंट मोहम्मद यूनुस को डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख नेताओं का मजबूत समर्थन मिला। विकीलीक्स से लीक हुए राजनयिक केबल के अनुसार, हिलेरी क्लिंटन ने 2007 में बांग्लादेश की सेना पर यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने के लिए दबाव डाला था।

▶10 पर

कांग्रेसियों ने शीतकालीन-सत्र को बनाया शर्मनाक-सत्र

संसद ने देखी राहुल गांधी के नेतृत्व में ओछी हरकतें

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी हरकतों से यह साबित कर रहे हैं कि उनमें भारतीय संसद के प्रति कोई सम्मान नहीं है। राहुल गांधी की हरकतों से भारतीय लोकतंत्र का फूहड़ और घटिया चित्र दुनिया के सामने प्रदर्शित हो रहा है। विडंबना यह है कि राहुल गांधी इसे अपनी क्रांतिकारिता समझने की भ्रांति में घिरे हैं। राहुल गांधी की ये गतिविधियां उनकी मनोवैज्ञानिक विकृति की ओर इंगित कर रही हैं। भारत विरोधी विदेशी तत्वों के साथ मिल कर राहुल गांधी देश को अस्थिर करने की कोशिशें लगातार कर रहे हैं। भारतीय संसद को वे राष्ट्र विरोधी तत्वों का अड्डा बनाने पर आमादा है। गुरुवार को संसद में राहुल गांधी और उनके गिरोह के सदस्यों ने हरकतें कीं, वह अत्यंत ओछी और शर्मनाक हैं।

कांग्रेस के मफैशन-शोफसे सदन की गरिमा गिरी : रिजिजू

जब जब संसद सत्र होता है, विदेशी मोहरा हरकतें करता है

राहुल गांधी को देशद्रोही कहने में कोई हिचक नहीं : पात्रा

भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस के एजेंट हैं राहुल गांधी: त्रिवेदी

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में गुरुवार को विपक्षी सांसदों के आक्षेप भरे स्लोगन लगी जैकेट पहनकर आने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपने फैशन शो से सदन की गरिमा गिराई है। संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने शून्य काल में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अवसर दिया था, लेकिन विपक्षी सदस्य संसद के अंदर जैकेट पहन कर आए। हमने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में नियम बनाया था कि स्लोगन, प्लेकार्ड और अन्य इस तरह का पहनावा नहीं पहनेंगे। इसके बावजूद विपक्ष ने इस तरह के कपड़े पहनकर संसद परिसर में फैशन शो शुरू किया है, यह संसद की गरिमा को गिराता है। विपक्ष को ऐसा दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए।

लोकसभा में गुरुवार को विपक्षी सदस्य एक हैं तो सेफ हैं के स्लोगन के साथ तस्वीर बनी जैकेट पहनकर आए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी ऐसी ही टीशर्ट पहनी थी। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उद्योगपति गौतम अडानी से जोड़ते हुए कटाक्ष किया गया था। लोकसभा अध्यक्ष ने शून्य काल की शुरुआत में इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति में तय हो गया था लेकिन विपक्ष नियम का पालन नहीं कर रहा है। विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष की आपत्ति पर सदन के बीचों बीच आकर नारेबाजी की। विपक्षी नेताओं ने एक हैं तो सेफ हैं के नारे लगाए। विपक्ष के शोर शराबे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई को संभल मुद्दे पर बोलने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि पहले भाजपा नेता निशिकांत दूबे अपना विषय रखेंगे और इसके बाद गौरव गोगोई संभल विषय पर बोलेंगे।

निशिकांत दूबे ने इस दौरान फ्रांसीसी अखबार में स्वतंत्र पत्रकारों के एक समूह के बारे में छपी खबर का हवाला दिया। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि समूह को अमेरिका की ओर से फंडिंग होती है। देश के आर्थिक पक्ष पर हमला करने के लिए यह समूह रिपोर्ट करता आया है। विपक्ष ऐसे लोगों को सपोर्ट करता है। इसके बाद पक्ष-विपक्ष के बीच तकरार शुरू हो गई और सदन में हंगामा हुआ। हंगामा बढ़ता देख कार्यवाही को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। 2 बजे दोबारा सदन शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा। विपक्ष लगातार हंगामा करता रहा।

▶10 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं अन्य मानिंद हस्तियों की मौजूदगी में

देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार सीएम पद की शपथ ली

कई राज्यों के मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में शरीक हुए

उद्योगपतियों और फिल्म अभिनेताओं का भी लगा जमावड़ा

मुंबई, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देशभर से आई महत्वपूर्ण हस्तियों की उपस्थिति में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके बाद शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों नेताओं को मंच पर बधाई दी। पीएम मोदी के अलावा इस कार्यक्रम में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू भी पहुंचे थे।गुरुवार को हुए शपथ ग्रहण कार्यक्रम में इन तीनों नेताओं के अलावा अन्य मंत्रियों ने शपथ नहीं ली है। उनका नाम आपसी सहमति के बाद फाइनल किया जाएगा। कैबिनेट विस्तार में तीनों पार्टियों से मंत्रियों को जोड़ा जाएगा। देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पूर्व मां का आर्शीवाद लिया। गाय की पूजा की और मां दुर्गा के मंदिर और सिद्धि विनायक मंदिर भी गए। महाराष्ट्र की राजनीति में देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा की जबर्दस्त पैठ बनाई। महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार को भी उन्होंने सियासी दाव-पेंच में चित किया। फडणवीस ने पार्षद से लेकर मुख्यमंत्री पद तक का सफर तय किया है। देवेंद्र फडणवीस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से शुरू से जुड़े रहे।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,240/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,800/-
(प्रति किलोग्राम)

असम सरकार ने गोमांस पर लगाया बैन

गुवाहाटी, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। असम सरकार ने गोमांस के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इसकी घोषणा की। सरकारी आदेश के मुताबिक अब राज्य के रेस्तरां और होटलों में गोमांस परोसने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सार्वजनिक जगहों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी इसका इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे।

राज्य कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए सीएम सरमा ने कहा कि गोहत्या को रोकने के लिए हम तीन साल पहले कानून लाए थे। इससे गोहत्या

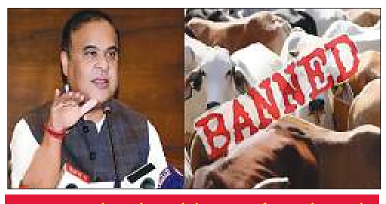

कार्यक्रमों, रेस्टोरेंट और होटलों में नहीं मिलेगा गोमांस

रोकने में काफी कामयाबी मिली है। अब यह निर्णय लिया गया है कि राज्य के होटल, रेस्-तरां और सार्वजनिक जगहों पर गोमांस खाने और परोसने पर पाबंदी लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि पहले यह मंदिर के 5 किलोमीटर के दायरे में गोमांस खाने पर प्रतिबंध लगा गया था। लेकिन अब इसे पूरे राज्य में लागू कर इसका दायरा बढ़ा दिया गया है।

असम सरकार ने गोमांस को प्रतिबंधित करने का यह फैसला ऐसे समय में किया है जब सामागुरी उपचुनाव के नतीजों के बाद इस मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी तकरार चल रही है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा था कि वह समर्थन दे तो उनकी सरकार राज्य में पूर्ण रूप से गोमांस पर पाबंदी लगा देगी।

▶10 पर

प. बंगाल छोड़ कर भाग रहे औद्योगिक/व्यापारिक प्रतिष्ठान

पिछले पांच साल में हजारों कंपनियों ने बंगाल छोड़ा

केंद्रीय मंत्री ने संसद में पेश किए आंकड़े

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन में पश्चिम बंगाल में उद्योगों के बंद होने और कारोबारियों को धमकी देने के आरोप तो पहले से ही लगते रहे हैं। अब केंद्र सरकार ने इस पर आधिकारिक मुहर भी लगाई है, जिसकी वजह से राज्य में राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। केंद्र का दावा है कि पिछले पांच वर्षों में हजारों कंपनियों ने पश्चिम बंगाल छोड़कर अन्य राज्यों में अपना मुख्यालय स्थानांतरित किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे तृणमूल कांग्रेस सरकार की नीतियों की विफलता बताया है।

राज्यसभा में भाजपा सांसद शमीक भट्टाचार्य के सवालों के जवाब में केंद्रीय कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि 2019 से 2024 के बीच पश्चिम बंगाल से हजारों कंपनियां अपना पंजीकृत कार्यालय अन्य राज्यों में स्थानांतरित कर चुकी हैं।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

राष्ट्रपति पुतिन ने की मोदी के मेक इन इंडिया की सराहना

भारत में निवेश करना लाभदायक : पुतिन

मास्को, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मेक इन इंडिया की जमकर तारीफ की है। पुतिन ने ये भी कहा कि भारत में निवेश करना लाभदायक है और रूस भारतवर्ष में जल्दी ही मैनुफैक्चरिंग साइट स्थापित करने जा रहा है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार की लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) के लिए स्थिर परिस्थितियां बनाने के लिए सराहना की और भारत में रूसी मैनुफैक्चरिंग साइट स्थापित करने

की पेशकश की। बुधवार को मास्को में 15वें वीटीबी निवेश फोरम में बोलते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने बाजार से बाहर हो चुके पश्चिमी ब्रांडों की जगह नए रूसी ब्रांडों के उदय का भी उल्लेख किया, उन्होंने उपभोक्ता वस्तुओं, आईटी, उच्च तकनीक और कृषि जैसे क्षेत्रों में स्थानीय रूसी निर्माताओं की सफलता का उल्लेख किया। राष्ट्रपति पुतिन ने यह भी उल्लेख किया कि रूस का आयात प्रतिस्थापन कार्यक्रम भारत की मेक इन इंडिया पहल के समान है और कहा कि भारत का नेतृत्व अपने हितों को प्राथमिकता देने की नीति पर केंद्रित है। उन्होंने भारत में रूसी मैनुफैक्चरिंग साइट स्थापित करने की भी पेशकश की।

पुतिन ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का भी ऐसा ही एक कार्यक्रम मेक इन इंडिया है। यह हमारे कार्यक्रम से काफी मिलता-जुलता है। उन्होंने कहा, और हम भारत में अपना मैनुफैक्चरिंग साइट स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

▶10 पर

आम आदमी पार्टी का एक और आपराधिक कृत्य

पंकज त्रिपाठी के वीडियो से आपराधिक-छेड़छाड़

नई दिल्ली, 05 दिसंबर (एजेंसिया) आम आदमी पार्टी (आपा) अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही। दिल्ली विधानसभा चुनावों की तैयारी के बीच आम आदमी पार्टी ने फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी एक वीडियो एडिट करके उसे भाजपा के खिलाफ वायरल करने की कोशिश की। आपा ने एआई की मदद से यह फर्जीवाड़ा किया और ऐसे दिखाया कि पंकज त्रिपाठी दिल्ली की जनता को भाजपा के खिलाफ वोट करने को कह रहे हैं।

लोगों का ध्यान जाते ही हंगामा मच गया। लोगों ने फौरन फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी से अपील की कि आम आदमी पार्टी के फर्जीवाड़े पर ध्यान दें और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें। मामले को तूल पकड़ता देख कर आम आदमी पार्टी ने अपने मुख्य हैंडल से फर्जीवाड़े वाला वीडियो हटा लिया। हालांकि यह कई अन्य जगहों पर अब भी दिख रहा है। फर्जी वीडियो में देख सकते हैं कि पंकज त्रिपाठी को कहते दिखाया जाता है, हम मूंगफली बेचते हैं, अपनी अक्ल नहीं। मैसेज देखिए भाजपा वालों ने भेजा है। कहते हैं वोट करो, हम विकास करेंगे। हमें मालूम नहीं है क्या। इधर हम वोट करेंगे उधर सरकारी पैसा गायब। मूंगफली वाला हूं मूर्ख नहीं हूं। यदि भाजपा के लोग लालच दें तो कहो मैं मूर्ख नहीं हूं।

जबकि असली वीडियो में साइबर क्राइम से बचने की सलाह देते हुए पंकज त्रिपाठी कहते हैं, हम मूंगफली बेचते हैं अपनी अक्ल नहीं। ये मैसेज देखिए। कहते हैं लॉटरी लगी है, लिंक क्लिक करके यूपीआई पिन डालिए पैसा मिलेगा। हमको मालूम नहीं है क्या, इधर यूपीआई पिन डाला, उधर पैसा गया। याद रहे यूपीआई कहता है कि अगर कोई लालच दे तो कहो मैं मूर्ख नहीं हूं।

सुदर्शन चक्र फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग ने अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में द लीजेंड ऑफ सुदर्शन चक्र फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन ईटा मॉल में किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के साथ हुआ। राष्ट्रीय प्रशिक्षिका रक्षा मांडोत ने सिनेमा को एक रचनात्मक माध्यम बताते हुए कहा कि आध्यात्मिक और धार्मिक फिल्में समाज में बदलाव लाने में सहायक होती हैं। उन्होंने आत्म-परीक्षण, इच्छाशक्ति पर नियंत्रण और दैनिक जीवन में धार्मिक गतिविधियों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उत्तर भारत श्रावक संघ के सचिव रवीन्द्र जैन और सुनील लोढ़ा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और प्रेरक विचार साझा किए। दोपहर 1.30 बजे शुरू हुई सुदर्शन चक्र फिल्म आध्यात्मिक गुरुदेव श्री सुदर्शन जी के जीवन पर आधारित थी।

इसमें उनके सामाजिक सुधारों के प्रयासों और जीवन के अंतिम दिनों को दर्शाया गया। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी को शुभकामनाएं दीं। मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने मुख्य प्रशिक्षिका का परिचय देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। संयोजिका अल्का लोढ़ा और सह संयोजिका रिची कोठारी ने आयोजन की व्यवस्थाएं संभाली। इस आयोजन में जीतो नॉर्थ की रेशमा पुनमिया, सरिता खिवेंसरा, सुमन वेद मुथा, तनूजा मेहता, सुमन रांका, संगीता नागोरी, साधना धोखा, बिंदु नाहर, स्वीटी नाहर, नंदा बाफना, मोना आंचलिया और पुष्पा जैन समेत कुल 150 सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री मीना बडेरा द्वारा किया गया।

वार्षिकोत्सव एवं चरण पादुका उत्सव 4 जनवरी से

सजेगा दादी का भव्य दरबार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में अगामी 4 एवं 5 जनवरी को जेपी नगर स्थित शुभ कन्वेंशन सेंटर में वार्षिकोत्सव व चरण पादुका महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव की तैयारी जोरों से जारी है। सदस्यों ने एक बैठक कर कार्यक्रम की सफलता पर विचार विमर्श किया। दादीजी का कीर्तन एवं भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा। अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने बैठक में आये हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक संजय नोपानी ने बैठक का संचालन करते हुए विभिन्न जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम शुभ कन्वेंशन हॉल, ब्रिगेड मिलियम के सामने पुट्टहल्ली जे.पी.नगर में होना निश्चित हुआ है। संयोजक बिमल जिलोका ने कहा कि 4 जनवरी को सुबह 9 बजे से पूजन शुरू होगा। दोपहर 12.15 से संगीतमय मंगलपाठ का आयोजन होगा। जिसमें प्रियंका गुप्ता हैदराबाद व रिया शर्मा भागलपुर द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। प्रकाश चौधरी ने जानकारी दी कि जया चौधरी के नेतृत्व में समिति परिवार के सदस्यों द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। संजीव खेतान ने बताया कोलकाता के कारीगरों द्वारा दादीजी का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। संजय चौधरी ने जानकारी दी कि बंगाल की तर्ज पर सिंदूर खेला प्रोग्राम रविवार को आयोजित होगा। शिवकुमार टेकड़ीवाल ने बताया भक्तों को चांदी से निर्मित पादुका भेंट की जाएगी। विनय राय, महेश अग्रवाल, शंकर सुल्तानिया, गंगाधर मोर, अजय सिंघानिया, राजेन्द्र बजाज, संजय बजाज ने अपने विचार रखे। संतोष टेकड़ीवाल, जया चौधरी, संतोष डालमिया, इन्दु गुप्ता सहित काफी भक्त उपस्थित रहे। सभा के बाद 3.30 बजे दादीजी की ज्योत नरेन्द्र-ममता जालान द्वारा प्रवज्लित की गई। सिद्धार्थ नोपानी, किशन बगड़िया, बिमल पवार, संजय चौधरी ने दादीजी व अन्य देवी देवताओं के भजनों पर भक्तों को खूब झुमाया।

ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप की साधना जरूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रमण संघीय उप प्रवर्तक पंकजमुनि गुरुवार को राजाजीनगर स्थानक से विहार कर उगमराज लूणावत के निवास स्थान पर पहुंचे। डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप की अधिक से अधिक साधना आपके श्री संघ में निरंतर गतिमान रहे। बड़े बुजुर्गों, युवक युवतियों से लेकर छोटे बच्चों तक सभी धर्म आराधना से जुड़े रहें। राजाजीनगर संघ के समस्त पदाधिकारी, ट्रस्टी, कार्यकारिणी व समस्त सदस्यों की सेवाओं के लिये साधुवाद दिया। चातुर्मास में आप द्वारा उदार भाव से किए गए कार्य एवं आप सभी की सेवाएं सराहनीय रहीं। आप सभी इसी प्रकार सभी साधु साध्वी की सेवा करते रहें। शुक्रवार को प्रातः गुरु भगवंत डबल रोड स्थित गन्ना निवास स्थान पर पधारेंगे। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, महावीरचंद धोका, पारसमल भलगट, उगमराज लुणावत, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, दिलीप खारीवाल, मनोज भंसाली, कमल किशोर लुणावत, चेतन गन्ना, नरेश लुंकड़, पंकज दूनीवाल, प्रणीत जैन व अन्य उपस्थित रहे।

केएसआरटीसी ड्राइविंग टेस्ट 16 दिसंबर से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) 14 फरवरी, 2020 को विज्ञापित ड्राइवर-कम-कंडक्टर के पदों के लिए योग्य पाए गए उम्मीदवारों के लिए ड्राइविंग कौशल परीक्षण शुरू करेगा। परीक्षण 16 दिसंबर को हासन में क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान में शुरू होंगे। उम्मीदवार 10 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से केएसआरटीसी की आधिकारिक वेबसाइट से अपने कॉल लेटर डाउनलोड कर सकते हैं और अपने दस्तावेजों के साथ निर्धारित दिन और समय पर उपस्थित हो सकते हैं। यहां जारी एक बयान में केएसआरटीसी ने जोर देकर कहा कि उक्त भर्ती कंप्यूटराइज्ड टेस्टिंग ट्रैक में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार और मौजूदा आरक्षण नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी। कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा और उम्मीदवारों को किसी भी सिफारिश या दलालों का शिकार नहीं होना चाहिए।

जीतो की अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सभा आयोजित

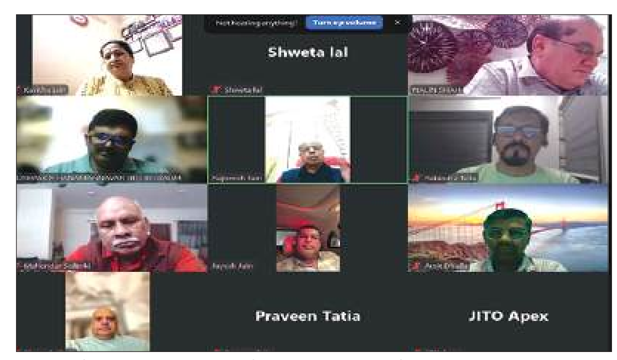

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सरकार की अल्पसंख्यक एवं एमएसएमई योजनाओं के अधिकारों से समाज को सचेत करने के लिए जीतो की अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सभा आयोजित की गई। जिसकी शुरुआत नवकार महामंत्र से हुई। बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय अध्यक्ष नलिन शाह ने की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जैन समुदाय तक पहुंचा कर अंत्योदय परिवार का उत्थान करना ही हमारा लक्ष्य है। एपेक्स के डायरेक्टर और अल्पसंख्यक प्रभारी पुष्पक हनुमान ने सभा को संबोधित कर कहा जोन और चैप्टरों को अच्छे से काम करना है और सभी योजनाओं को अंत्योदय परिवार तक पहुंचाना है। उनके सक्रिय कार्य से यह काम व्यवस्थित हो सकता है। महामंत्री जयेश जैन ने कहा जोन और चैप्टरों के कन्वीनर के चुनाव 15 दिसंबर तक कराने की योजना है। एमएसएमई की योजनाओं के तहत रोड मैप के बारे में भी चर्चा हुई। कार्यकारिणी के प्रत्येक सदस्य को एक एक जोन का प्रभारी बनाया जाए ताकि कार्य व्यवस्थित हो सके। अल्पसंख्यक एक ऐसी योजना है जो साधार्मिक परिवारों को सीधा लाभ पहुंचाती है। उपाध्यक्ष प्रवीण तांटेड जो तमिलनाडु राज्य अल्पसंख्यक कमीशन बोर्ड के सदस्य हैं, ने भी अपने विचार व्यक्त किये। उपाध्यक्ष भावेश शाह ने भी सभा को संबोधित करते हुए विशेष कर रोड मैप और जीतो अल्पसंख्यक वेबसाइट, एमएसएमई और एडब्ल्यूएस की योजनाओं को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का प्रयत्न करने की प्रेरणा दी। सभा में उपाध्यक्ष प्रवीण तातेड, उपाध्यक्ष रजनीश शाह, मंत्री कविता जैन, मंत्री अमित, मंत्री रविंद्र ताटिया और कमेटी के सदस्य महेंद्र सोलंकी ने भी विचार व्यक्त किए।

ईडी कुछ और नहीं बल्कि भाजपा सरकार की असहाय कठपुतली: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने एक बार फिर भाजपा सरकार और ईडी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को 'गुलाम निदेशालय' बताया। साथ ही कहा कि ईडी कुछ और नहीं बल्कि भाजपा सरकार की असहाय कठपुतली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा प्रवर्तन निदेशालय गुलाम निदेशालय बन गया है।

वो और कुछ नहीं बल्कि भाजपा सरकार की असहाय और लाचार कठपुतली है। मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ ईडी की लीक हुई मनगढ़ंत रिपोर्ट ने फिर से भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का राजनीतिक उपकरण के रूप में दुरुपयोग को उजागर किया है। उन्होंने पूछा ईडी अधिकार क्षेत्र के बिना काम करते हुए जानबूझकर लोकायुक्त के लिए बनाई गई एक रिपोर्ट को मीडिया में लीक कर रहा है जो और कुछ नहीं बल्कि अदालत को गुमराह करने का एक शर्मनाक प्रयास है जो सीएम की याचिका पर सुनवाई कर रही है। कर्नाटक के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के धन शोधन मामले का विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? उन्होंने कहा हाईकोर्ट में याचिका की सुनवाई से एक दिन पहले ईडी ने कोर्ट को प्रभावित करने के इरादे से लोकायुक्त को पत्र लिखा था। ईडी जांच कर रही है। उसका जांच करना ठीक नहीं है। फिर भी जांच करने के बाद जांच रिपोर्ट लोकायुक्त को सौंपी जा सकती थी। इसके अलावा लोकायुक्त को पत्र लिखना और उसे मीडिया में लीक करना राजनीतिक द्वेष है।

बीडब्ल्यूएसएसबी में बड़ी समस्या है, अवैध रूप से पानी निकाला जा रहा: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को पानी के टैरिफ के बारे में बात की और बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) के भीतर महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर किया। उन्होंने बकाया राशि का भुगतान न किए जाने और अवैध जल निकासी का हवाला दिया और लोगों से वैध कनेक्शन स्थापित करने और अपने भुगतान का निपटान करने का आग्रह किया। बीडब्ल्यूएसएसबी (बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड) में एक बड़ी समस्या है। बहुत सारे भुगतान किए जाने की आवश्यकता है। अवैध रूप से पानी निकाला जा रहा है। हम उन सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि वे कनेक्शन लें और पैसे का भुगतान करें। सभी विधायकों को इस बारे में वर्तमान स्थिति के बारे में सूचित किया जा रहा है। क्योंकि हमें ऋण लेना है। जब आप छठे चरण पर विचार करते हैं, तो बेंगलूरु में बेहतर पानी होगा। वे सभी कंपनियाँ, बैंकर वे सभी पूछ रहे हैं कि हम कैसे करने जा रहे हैं। इससे पहले 26 अक्टूबर को, बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के अध्यक्ष राम प्रसाद मनोहर ने कावेरी जल कनेक्शन के लिए अवैध रूप से अतिरिक्त शुल्क मांगने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की। उन्होंने जोर देकर कहा कि आवेदकों को सीधे आधिकारिक बीडब्ल्यूएसएसबी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना चाहिए और बिचौलियों से बचना चाहिए। अवैध मौद्रिक मांग करने के लिए बीडब्ल्यूएसएसबी के नाम का दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।

राम प्रसाद मनोहर ने कहा कावेरी जल कनेक्शन प्राप्त करना एक सीधी प्रक्रिया है। एक बार आवेदन ऑनलाइन जमा हो जाने के बाद, बीडब्ल्यूएसएसबी अधिकारी नियमों के अनुसार आवश्यक कदम उठाएंगे। नए कनेक्शनों के लिए विनियमित शुल्क निर्दिष्ट करने वाले डिमांड नोटिस, चाहे वे आवास, अपार्टमेंट या वाणिज्यिक भवनों के लिए हों, आधिकारिक नियमों के अनुसार जारी किए जाते हैं। बीडब्ल्यूएसएसबी बैंक खाते में कानूनी रूप से निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर, नए कनेक्शन परेशानी मुक्त तरीके से प्रदान किए जाएंगे। मनोहर ने निर्देश दिया है कि अधिकृत डिमांड नोटिस शुल्क से अधिक राशि की मांग करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ तुरंत आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा इस मुद्दे को हल करने के लिए, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के अधीन एक विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। यह टीम कावेरी कनेक्शन के लिए अवैध मांगों से संबंधित शिकायतों की जांच करेगी और रिपोर्ट प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर त्वरित कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता के साथ उनका समाधान करेगी।

तटीय कर्नाटक में मानसून के बाद अत्यधिक वर्षा दर्ज की गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में मानसून के बाद सबसे अधिक बारिश हुई है और पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। दक्षिण कन्नड़ जिले में, 28 नवंबर से 4 दिसंबर के बीच की अवधि के लिए अपेक्षित वर्षा 4.8 मिमी है। हालांकि, इस साल, जिले में 82.4 मिमी बारिश हुई, जो 1,617 प्रतिशत की चौंका देने वाली वृद्धि है। उडुपी जिले में, जहां आमतौर पर इसी अवधि के दौरान 5.8 मिमी बारिश होती है, 63.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। तुलनात्मक रूप से, कर्नाटक के अन्य क्षेत्रों में भी मानसून के बाद औसत से अधिक बारिश हुई है। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 813 प्रतिशत की वृद्धि हुई, मलनाड क्षेत्र में 528 प्रतिशत, उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 16 प्रतिशत और तटीय क्षेत्र में उल्लेखनीय 962 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दक्षिण कन्नड़ के भीतर, अलग-अलग तालुकों में मानक की तुलना में वर्षा का रिकॉर्ड-तोड़ प्रतिशत दर्ज किया गया। इस प्रकार बेल्टांगडी (966 प्रतिशत), बंटवाल (1,615 प्रतिशत), मेंगलूरु (3,023 प्रतिशत), पुत्तूर (669 प्रतिशत), सुलिया (2,755 प्रतिशत), मूडबिद्री (1,281 प्रतिशत), कदबा (2,067 प्रतिशत), मुल्की (4,933 प्रतिशत) और उल्लाल में (3,456 प्रतिशत) बारिश दर्ज की गई। उडुपी जिले के करकला तालुक में 726 प्रतिशत, कुंदापुर में 209 प्रतिशत, उडुपी तालुक में 2,641 प्रतिशत, बिंदूर में 31 प्रतिशत, ब्रह्मवर में 1,655 प्रतिशत, कौप में 4,695 प्रतिशत और हेब्री में सामान्य से 504 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई। मानसून के बाद की अवधि, जो 1 अक्टूबर से 4 दिसंबर तक होती है, आमतौर पर तटीय क्षेत्र में 174.1 मिमी बारिश होती है। इस वर्ष, जबकि अभी एक महीना बाकी है, वर्षा पहले ही लक्ष्य से 31 प्रतिशत अधिक हो चुकी है।

मुडा घोटाला मामला : ईडी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करें सीएम सिद्धरामैया: बीएस येदियुरप्पा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को मुडा (मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण) साइट घोटाले की जांच करने का कोई अधिकार नहीं है, भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि सिद्धरामैया को ईडी के अधिकारियों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए और उन्हें जांच करने का पूरा अधिकार है। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ईडी ने मुडा द्वारा साइटों के आवंटन में अनियमितताओं को उजागर किया है और सबूत एकत्र किए हैं। इसलिए, भयभीत मुख्यमंत्री ईडी के खिलाफ बोल रहे हैं। ईडी के खिलाफ ऐसी टिप्पणी करना मुख्यमंत्री के लिए अनुचित है। इसके बजाय, मुख्यमंत्री को राज्य के लोगों के साथ जमीनी हकीकत साझा करनी चाहिए। राज्यपाल की शक्ति को कमजोर करने के सरकार के प्रयास पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे बहुत हताश हो गए हैं। इसलिए, वे ऐसा रुख अपना रहे हैं। इससे राज्य सरकार का सम्मान नहीं होता। भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ की गई टिप्पणी पर येदियुरप्पा ने कहा कि गुटबाजी से किसी को फायदा नहीं होता। अपनी ही पार्टी के नेताओं की खुलेआम आलोचना से किसी को फायदा नहीं होता। इसलिए मैं यतनाल से अपील करता हूं कि वे एकजुट होकर बेलगावी में होने वाले आगामी शीतकालीन सत्र में राज्य सरकार की विफलताओं से जुड़े मुद्दे उठाएं।

वक्फ को लेकर भाजपा का संघर्ष जारी

हासन में आयोजित जन कल्याण कार्यक्रम सिद्धरामैया का शक्ति प्रदर्शन : विजयेन्द्र

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में जिद शुरू हो गई है और अभी और झगड़े होंगे। कलबुर्गी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार द्वारा सत्ता साझेदारी समझौते को लेकर अलग-अलग बयान देने पर यह बात कही। उन्होंने कहा मुडा अवैध मामले को भाजपा-जेडीएस ने गंभीरता से लिया और लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री, जिन्होंने दावा किया था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है, ने 62 करोड़ का मुआवजा मांगा था। बाद में उन्होंने बिना मुआवजे के संपत्ति वापस कर दी। ईडी जांच के दौरान जालसाजी और छेड़छाड़ा की बात सामने आ रही है। वक्फ बोर्ड की ओर से किसानों को नोटिस दिया गया है। चटनल्ली नाम के गांव में पूरे गांव को नोटिस दिया गया है, जिससे चिंता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों की तरफ से लड़ाई लड़नी शुरू कर दी है। उन्होंने कांग्रेस अधिवेशन को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि लोक कल्याण क्या है? उन्होंने कहा जब लोकसभा चुनाव आए तो मतदान से 3 दिन पहले खातों में गारंटी राशि जारी कर दी गई और फिर विधानसभा उपचुनाव आने पर उन्हें गारंटी की याद आई। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेसी गारंटी का अपमान करने, गरीबों का अपमान करने की शैली में काम कर रहे हैं। कौन सा मंत्री युवा फंड की बात कर रहा है?

उन्होंने आलोचना की कि शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र सहित हर जगह स्कूली छात्रों के लिए पर्याप्त सरकारी बसें नहीं हैं। हासन में जनकल्याण कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने पूछा कि राज्य के विकास के लिए क्या नयी योजना दी गयी है। बिना अनुदान क्षेत्र का विकास नहीं होने से विधायक परेशान हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि सब कुछ पाखंड है। उन्होंने कहा कि हासन में आयोजित जन कल्याण कार्यक्रम सिद्धरामैया का शक्ति प्रदर्शन है। 3 चुनाव जीतने के बाद वह यह धमकी देने की कोशिश कर रहे हैं कि जन कल्याण के नाम पर वह मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री बनने का इंतजार कर रहे डीके शिवकुमार का विश्लेषण करते हुए कहा कि सरकार के सत्ता में आने में उनकी भी 50 फीसदी भूमिका है। कांग्रेस में सीएम पद के लिए होड़ मच गई है।

उन्होंने मांग की कि आंतरिक समझौते के बारे में सिद्धरामैया खुद बताएं। इस हिस्से में 2 से 3 लाख एकड़ फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है और लोग 25,000 से 30,000 प्रति एकड़ मुआवजे की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इसे पूरा करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस हिस्से में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से खराब हो गई है और ऐसी स्थिति है कि हत्याओं पर पर्दा डाला जा रहा है। यह समझाने के अलावा कि मंत्री जमीर अहमद खान ने मुख्यमंत्री के आदेश पर किसानों की जमीन को वक्फ के नाम करने का निर्देश दिया था, उन्होंने पूछा कि क्या सिद्धरामैया किसानों और हिंदुओं से नाराज हैं। हजारों साल के इतिहास वाले एक मंदिर को ऐसा नोटिस मिला है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वे गांव-गांव को एक करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे पीढ़ी दर पीढ़ी खेती करने वाले किसानों को परेशान कर रहे हैं। देश और प्रदेश की जनता को चावल उपलब्ध कराने वाले किसानों को कांग्रेस सरकार सड़क पर ला रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर मैं और हमारे सभी नेता प्रदेशभर में आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं।

हमारी जमीन हमारा अधिकार

यह सरकार, जो सत्ता का स्तंभ है, पैसे से भरपूर है और किसानों की आंखों में आंसू लाती है। किसानों के पक्ष में नहीं है। भाजपा आपके लिए लड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि वह किसानों के लिए लड़ेंगे और सिद्धरामैया को सबक सिखाएंगे। शक्ति शाश्वत नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा भले ही मुख्यमंत्री नहीं हैं, लेकिन किसानों के लिए काम कर रहे हैं। वक्फ कानून को लेकर किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा आपके पक्ष में है। उन्होंने ऐलान किया कि वह जिलाधिकारी कार्यालय जाकर याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी जमीन हमारा अधिकार है।

5 साल ही नहीं, अगले 15 साल तक सिद्धरामैया रहें सीएम: मंत्री राजन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन जिले के प्रभारी और सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि सिर्फ 5 साल नहीं, बल्कि हमारी इच्छा है कि सिद्धरामैया अगले 15 साल तक मुख्यमंत्री रहें। हासन में एक जन कल्याण सम्मेलन के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा सिद्धरामैया शक्तिहीन नहीं हैं। वह अब शक्ति से भरपूर है। इसलिए, यह अवास्तविक है कि सम्मेलन उन्हें सशक्त बनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। कांग्रेस में सत्ता देने या छीनने का फैसला हाईकमान पर छोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि हमारी राय के मुताबिक सिद्धरामैया को अगले 15 साल तक मुख्यमंत्री रहना चाहिए। यह सम्मेलन कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सत्ता के दुरुपयोग का कोई सवाल ही नहीं है। हासन जेडीएस का गढ़ नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का नतीजा क्या है, बेवजह गढ़ का भ्रम मत पालिए। सत्ता में रहते हुए सभी अपने-अपने तरीके से विकास कार्य करते हैं। ऐसा नहीं है कि जो लोग राजनीति में आते हैं उन्हें काम नहीं करना चाहिए। समय के अनुसार योग्यता के अनुसार कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि कोई किसी के योगदान को छुपा नहीं सकता। इससे पहले पूर्व मंत्री और विधायक एचडी रेवन्ना ने कहा था कि कांग्रेस के हासन में होने वाले सम्मेलन को लेकर हमें कोई चिंता नहीं है। अगर जेडीएस को निशाना बनाकर कोई सम्मेलन करना है तो करने दीजिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा जेडीएस को लक्ष्य बनाकर वह जो करना चाहते हैं उन्हें करने दीजिए। हम इसके लिए भी तैयार हैं। हालांकि हम 2028 के विधानसभा चुनाव में उचित जवाब देंगे। हम जानते हैं कि 2018 के विधानसभा चुनाव में क्या हुआ था जब कांग्रेस निशाने पर आई थी, तब कांग्रेस को जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के पास आना पड़ा था, है ना? देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और में 2028 तक जेडीएस पार्टी को सत्ता में लाएंगे। कांग्रेस को एक सम्मेलन आयोजित करने दीजिए और हासन जिले को और विकसित करने दीजिए। हमारे खिलाफ कुछ भी नहीं है। हालांकि, कांग्रेस ने पिछले 50 वर्षों में हासन के लिए कुछ नहीं किया। हम पहले भी कई बार जीत-हार देख चुके हैं। हम सम्मेलन आयोजित करने के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करते। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की थी और हासन आउटर रिंग रोड और रेलवे ब्रिज समेत विभिन्न विकास कार्यों के लिए सहायता मांगी थी। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि विधानसभा चुनाव के साथ ही उसी साल हुए लोकसभा चुनाव में क्या हुआ।

कांग्रेस सरकार ने वक्फ बोर्ड को सर्वोच्च शक्ति दी : चलवाडी नारायणस्वामी

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने सवाल उठाया कि कई पीढ़ियों से जोत रहे किसानों की जमीन, 10वीं और 11वीं सदी के मठों की जमीन को वक्फ में कैसे शामिल किया जा सकता है।

चित्रदुर्ग में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड का गठन 1954 में हुआ था। 10वीं शताब्दी में वक्फ कहाँ था? उन्होंने बताया कि इस्लाम 7वीं शताब्दी में इस दुनिया में आया था। उन्होंने कहा कि 10वीं सदी में शायद भारत में इस्लाम नहीं था। वक्फ सिर्फ हिंदुस्तान में है। पाकिस्तान और बांग्लादेश में क्यों नहीं? उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस ने किसकी जान लेने के लिए इसे बनाया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि अनुच्छेद 370 को भी इसी मॉडल में रखा गया था।

लेकिन अब बाबा साहब का संविधान लागू हो गया है, धारा 370 खत्म हो गई है और वहां दलितों को भी आरक्षण मिल गया है। इसे 1974 में राजपत्रित किया गया था और उसमें दर्ज सर्वेक्षण संख्या बता रही है कि यह वक्फ संपत्ति है। उन्होंने इसे कहां दान किया? उन्होंने पूछा कि क्या दस्तावेज की जरूरत नहीं है। उन्होंने आलोचना की कि कांग्रेस सरकार ने वक्फ बोर्ड को सर्वोच्च शक्ति दे दी है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि यह किसानों और भिक्षुओं के लिए एक कांटा होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा वर्चस्व अब तानाशाही में बदल गया है और हमें इसका जवाब देना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पिहानी के 11वें कॉलम में उल्लिखित वक्फ को वापस लेंगे। उन्होंने पूछा कि इसे क्यों शामिल किया गया। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश महासचिव सुनील कुमार, पूर्व मंत्री बीसी पाटिल, पूर्व सांसद मुनीस्वामी, पूर्व विधान परिषद सदस्य वाईए नारायणस्वामी, केएस नवीन, विधायक चंद्रप्पा, जिला अध्यक्ष मुरली समेत पार्टी नेता थे।

मुडा मामले में सिद्धरामैया बच नहीं सकते: एचडी कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि मुडा मामले में सिद्धरामैया के बचने का कोई रास्ता नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुडा में जो हुआ उसकी चर्चा हर जगत हो रही है। यह सरकार और मंत्री अलीबाबा 40 चोरों की तरह हैं। मुडा की अवैधता को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने लोकायुक्त को पत्र लिखा है। ईडी की चिट्ठी और केंद्र सरकार के बीच क्या रिश्ता है? हाईकोर्ट ने मुडा घोटाले की जांच का आदेश दिया है। इसकी जांच चल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईडी को कोई केंद्रीय निर्देश नहीं दिया गया था। मुडा मामले में राज्यपाल से शिकायत करने वालों ने ईडी से भी शिकायत की। मुडा में वित्तीय लेनदेन की पृष्ठभूमि के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। इस पर ईडी ने जांच कर जानकारी दी है। इसमें केंद्र को दोष देने से क्या फायदा? सीएम-डीसीएम के बीच सत्ता साझेदारी को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कुमारस्वामी ने कहा देखिए, ये सब राष्ट्रीय पार्टी में हो रहा है। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने खुद बयान दिया है कि सत्ता साझेदारी समझौता है।

अब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बयान दे रहे हैं कि ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। आइए देखें कि यह कहां रुकता है। हमारे बारे में बात करने के लिए सिद्धरामैया ने कौन सी नैतिकता रखी है? मुआवजे के रूप में 14 साइटों को प्राप्त करना अवैध है। इस मामले में सिद्धरामैया के बचने का कोई कारण नहीं है। कानून सबके लिए समान है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर वह कानून के दायरे में गलती करते हैं तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

जिन लोगों ने कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से 17 से 18 एसआईटी बनाई हैं और राजनीतिक दुश्मनी दिखा रहे हैं, उन्हें क्या कहा जाए? मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने ईडी पर गद्दार होने का आरोप लगाया है। मैंने उनके बयान पर गौर किया है। लोकायुक्त अधिकारी कौन हैं? सरकार के अधीन कौन आएगा? उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि वह हताशा में गाली दे रहे हैं। वकील देवराज गौड़ा ने हासन के मामले से जुड़ा एक ऑडियो जारी किया था।

ऑडियो में डीके शिवकुमार ने जो कहा उसे पूरे देश ने सुना है। ऐसा लग रहा है मानों वे हासन में मीटिंग कर रहे हों। मानो सांत्वना देने जा रहा हो। आप किसे सांत्वना देते हैं? इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुडा साइट आवंटन से संबंधित जांच पर कर्नाटक उच्च न्यायालय में सीएम की याचिका पर सुनवाई से एक दिन पहले न्यायालय को प्रभावित करने के इरादे से लोकायुक्त को पत्र लिखा था। मांड्या जिले के के आर पेट तालुक के पास हेलीपैड पर पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि इस मामले में ईडी की जांच कानून के अनुसार नहीं चल रही है। उन्होंने कहा उन्हें रिपोर्ट लोकायुक्त को सौंप देनी चाहिए थी। इसके बजाय, लोकायुक्त को पत्र लिखना और उसे मीडिया में लीक करना राजनीतिक मकसद है। उन्होंने कहा हमारी याचिका पर गुरुवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई होनी है। न्यायालय को प्रभावित करने के लिए सुनवाई से एक दिन पहले इसे मीडिया में प्रचारित करने के पीछे दुर्भावना-पूर्ण इरादा और राजनीतिक मकसद है। सीएम ने कहा कि कोर्ट ने लोकायुक्त को 24 दिसंबर से पहले रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। ईडी को लोकायुक्त के साथ रिपोर्ट की समीक्षा करने का प्रावधान है। राज्य के लोग इसके पीछे की मंशा समझ सकते हैं। कैबिनेट फेरबदल पर पूछे गए सवाल पर सिद्धरामैया ने पूछा क्या मैंने कहा कि कैबिनेट में फेरबदल होगा? यह सब मीडिया की अटकलें हैं। हाईकमान ने इस पर कोई निर्देश नहीं दिया है। हासन में कांग्रेस सम्मेलन पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा यह पार्टी का कार्यक्रम है। इस मौके पर मंत्री एन चालुवरायस्वामी और के एन राजन्ना मौजूद थे।

सीएम को राहत : एकल पीठ के आदेश के खिलाफ अपील पर हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अपील पर गुरुवार को राज्य सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। दरअसल, सिद्धरामैया ने मुडा साइट आवंटन घोटाले में उनके खिलाफ जांच को मंजूरी देने के राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखने के एकल न्यायाधीश पीठ के आदेश को चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश एन वी अंजारिया और न्यायमूर्ति के वी अरविंद की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 जनवरी की तारीख तय की। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री ने 24 अक्टूबर को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के समक्ष अपील दायर की, जिसमें एकल न्यायाधीश की पीठ के फैसले को चुनौती दी गई। सिद्धरामैया मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा अपनी पत्नी पार्वती बीएम को 14 साइटों के आवंटन में अनियमितताओं के आरोपों का सामना कर रहे हैं। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया था। पीठ ने फैसला सुनाया कि राज्यपाल स्वतंत्र निर्णय ले सकते हैं। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने पूरी तरह से अपने दिमाग का इस्तेमाल किया है। जहां तक मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने का आदेश का सवाल है, राज्यपाल के कार्यों में कोई गलती नहीं है। इसी फैसले के खिलाफ सीएम ने एक याचिका दी थी। मगर एकल पीठ ने 24 सितंबर को खारिज कर दी थी। सिद्धरामैया ने तब एक प्रमुख इलाके में मुडा द्वारा 14 स्थलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं में उनके खिलाफ जांच के लिए गहलोत की मंजूरी की वैधता को चुनौती दी थी, जो टीजे अब्राहम, प्रदीप कुमार और स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर तीन याचिकाओं पर आधारित थी। हाईकोर्ट की एकल पीठ के आदेश के बाद एक विशेष अदालत ने अगले ही दिन सिद्धरामैया के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस जांच का आदेश दिया था और 24 दिसंबर तक जांच रिपोर्ट दायर करने का निर्देश दिया था। विशेष अदालत के आदेश के बाद मैसूरु स्थित लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें सिद्धरामैया, उनकी पत्नी, साला मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू (जिनसे स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी) तथा अन्य का नाम है। ईडी ने 30 सितंबर को लोकायुक्त प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए, मुख्यमंत्री और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दायर की थी और मामले की जांच भी कर रही है। मुडा साइट आवंटन मामले में, यह आरोप लगाया गया है कि सिद्धरामैया की पत्नी को मैसूरु (विजयनगर लेआउट तीसरे और चौथे चरण) के एक पॉश क्षेत्र में 14 साइटें आवंटित की गई थीं, जिनकी संपत्ति का मूल्य उनकी भूमि के स्थान की तुलना में अधिक था, जिसे मुडा द्वारा अधिग्रहित किया गया था। मुडा ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले में 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां उन्होंने एक आवासीय लेआउट विकसित किया था। आरोप है कि मैसूरु के बाहरी इलाके में कसारे गांव के सर्वे नंबर 464 पर पार्वती का इस 3.16 एकड़ जमीन पर कोई कानूनी मालिकाना हक नहीं था। हालांकि, साइट आवंटन के विवाद के बाद, पार्वती ने मुडा को लिखा कि वह उन्हें आवंटित 14 साइटों को रद्द कर दे और मुडा ने इसे स्वीकार कर लिया था।

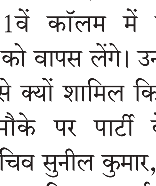

उडुपी पुलिस ने मृतक के पास मिले 10,620 रुपये परिवार को लौटाए

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी शहर पुलिस ने एक मृतक के पास मिले 10,620 रुपये मृतक के परिवार को सौंप दिए। सहायक उपनिरीक्षक सुभाष कामथ और हैड कांस्टेबल मलिंगा ने परिवार को थाने बुलाया और मृतक के कब्जे से बरामद की गई रकम लौटा दी। कुछ दिन पहले उडुपी शहर के बस स्टॉप पर एक अज्ञात व्यक्ति बेहोश और असहाय अवस्था में मिला था। सामाजिक कार्यकर्ता नित्यानंद वोलाकाडू और तारानाथ मेस्ता शिरूर ने व्यक्ति को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि की। मृतक की पहचान करने के प्रयास में, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उसकी जेबों की तलाशी ली और उसमें से 10,620 रुपये नकद के साथ एक पता पर्ची मिली, जिसे उन्होंने तुरंत पुलिस को सौंप दिया। बाद में मृतक की पहचान करवार के सोमनाथ के रूप में हुई। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता नित्यानंद वोलाकाडू मौजूद थे।

सत्ता साझेदारी मुद्दे पर कांग्रेस हाईकमान का फैसला अंतिम : गृह मंत्री

राजनीतिक रूप से जवाब भी देंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच सत्ता साझेदारी समझौते की अटकलों पर टिप्पणी करते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि इस मामले में कांग्रेस हाईकमान का फैसला अंतिम होगा। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा ऐसा समझौता होना असंभव है। आखिरकार, हाईकमान जो भी फैसला करेगा, वह अंतिम होगा और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। परमेश्वर ने जोर देकर कहा हममें से कोई भी हाईकमान के फैसले के खिलाफ नहीं गया है और वे जो भी फैसला करेंगे, हम उसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने आगे कहा मुझे ऐसे किसी समझौते के बारे में जानकारी नहीं है। मैंने नई दिल्ली और राज्य में कई लोगों से पूछा है और किसी ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है।

उन्होंने कहा यहां तक कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी स्पष्ट कर दिया है कि ऐसा कोई समझौता नहीं है। उन्हें (डी. के. शिवकुमार और सिद्धरामैया) सब कुछ खुद ही संभालने दें। शिवकुमार के समर्थकों का दावा है कि सीएम सिद्धरामैया और डिप्टी सीएम के बीच 2.5-2.5 साल के लिए सीएम पद साझा करने का समझौता हुआ है। सिद्धरामैया की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जो भी कहा है, वह अंतिम है। इस घटनाक्रम ने कर्नाटक कांग्रेस सरकार में सत्ता परिवर्तन के मुद्दे को फिर से सामने ला दिया है। हासन में पार्टी द्वारा आयोजित विशाल रैली के बारे में बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) और स्वाभिमानी महासंघ संयुक्त रूप से एक सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं और इस बारे में कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भ्रम की स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। परमेश्वर ने कहा जबकि कुछ विषयों पर सरकारी कार्यक्रमों में चर्चा नहीं की जा सकती है, यह सम्मेलन राजनीतिक मामलों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा लोगों को सच्चाई बताना जरूरी है। हम विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों का राजनीतिक रूप से जवाब भी देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा यह कांग्रेस पार्टी का सम्मेलन है और हमारी पार्टी में कोई गुट नहीं है। भाजपा के विपरीत, जिसके तीन अलग-अलग समूह हैं, हम एकजुट हैं और शासन करने के लिए सामूहिक रूप से काम कर रहे हैं। भाजपा और जेडी(एस) हमें लोगों से अलग करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन ऐसा संभव नहीं है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार बनने से पहले उनके और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच कोई शक्ति-साझा करने का समझौता नहीं हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। वहीं, सिद्धरामैया के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री जो भी कहेंगे वह अंतिम होगा। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कोई समझौता नहीं था। मैं आलाकमान के फैसले का पालन करूंगा। सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद काफी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस ने शिवकुमार को समझा-बुझाकर उपमुख्यमंत्री बनाया। इस दौरान खबरें आई थीं कि दोनों के बीच रोटेशन मुख्ममंत्री फॉमूर्ला पर समझौता हुआ है, जिसमें दो साल शिवकुमार भी मुख्यमंत्री रहेंगे। हालांकि पार्टी ने इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की थी। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी इच्छा को कभी छिपाया नहीं है। सिद्धरामैया ने मंत्रिमंडल के पुनर्गठन को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा अभी नहीं। लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद से मंत्रियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन और मंत्रिमंडल की अटकलें तेज हो गई हैं। कई विधायक मंत्री बनने की इच्छा जता चुके हैं।

ईडी ने पूरी जांच के बाद कर्नाटक के लोगों के सामने तथ्य पेश किए: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच पर सवाल उठाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर पलटवार करते हुए कहा कि ईडी ने पूरी जांच के बाद कर्नाटक के लोगों के सामने तथ्य पेश किए हैं। विजयेंद्र ने दावा किया कि सिद्धरामैया इस बात से परेशान हैं कि सच्चाई सामने आ गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया परेशान हैं क्योंकि ईडी जांच के माध्यम से तथ्य सामने आए हैं। हम (भाजपा) शिकायत कर रहे हैं कि लोकायुक्त जैसी जांच एजेंसियों का सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार द्वारा शोषण और दुरुपयोग किया गया है। हम शिकायत कर रहे हैं कि मैसूर मुडा घोटाले में जालसाजी हुई है और अवैध रूप से रिश्वत ली गई है। सीएम के परिवार को मिली सभी 14 साइटें पूरी तरह से अवैध हैं। उन्होंने कहा प्रवर्तन निदेशालय ने पूरी जांच के बाद कर्नाटक के लोगों के सामने तथ्य रखे हैं। सीएम सिद्धरामैया इस बात से परेशान हैं कि सच्चाई सामने आ गई है। विजयेंद्र की टिप्पणी सिद्धरामैया के बुधवार के बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय में एक याचिका पर सुनवाई से ठीक पहले लोकायुक्त को पत्र लिखने के लिए ईडी की निंदा की थी और मुडा घोटाला मामले में ईडी की जांच पर सवाल उठाया था। ईडी ने अपने मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों को लागू किया है, जिससे एजेंसी को पूछताछ के लिए व्यक्तियों को बुलाने और जांच के दौरान संपत्ति जब्त करने की अनुमति मिलती है। बढ़ते आरोपों के बावजूद, सिद्धरामैया ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है और मामले को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने भाजपा के लगातार दबाव के बावजूद इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है।

बेंगलूरु में पीने के पानी की समस्या गंभीर: एचडी देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने राज्यसभा में चिंता जताई है कि बेंगलूरु में पीने के पानी की समस्या गंभीर है और टैंकर माफिया लोगों से जबरन वसूली कर रहे हैं। उन्होंने राज्यसभा में पीने के पानी की समस्या पर बोलते हुए कहा कि देश के प्रमुख शहरों में से एक बेंगलूरु में ऐसी समस्या से लोग परेशान हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार का ध्यान बेंगलूरु, जो भारत की आईटी राजधानी भी है, की पेयजल समस्या की ओर आकर्षित किया। यदि बेंगलूरु का जल संकट हल करना है तो मेकेदातु परियोजना की अनुमति लेनी होगी। उन्होंने अनुरोध किया कि सभी राजनीतिक मुद्दों को छोड़कर इस परियोजना के लिए समर्थन दिया जाना चाहिए। कर्नाटक राज्य में शासन करने वाली सभी सरकारों ने मेकेदातु योजना को लागू करने का प्रयास किया है। लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। कर्नाटक सरकार ने परियोजना को मंजूरी देने के लिए केंद्र को एक प्रस्ताव सौंपा है। उन्होंने अनुरोध किया कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द इस पर सहमति जताए। बेंगलूरु शहर का जबरदस्त विकास हो रहा है। देश के कोने-कोने से लोग रोजगार की तलाश में वहां जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी को आश्रय देने वाले बेंगलूरु शहर में पीने के पानी की समस्या बेहद गंभीर है। फिलहाल करीब 1.45 करोड़ की आबादी वाले बेंगलूरु को 16 टीएमसी फीट कावेरी जल की आपूर्ति की जा रही है।

हालांकि, शहर की मांग की तुलना में यह पानी काफी कम है। यही हथियारबंद टैंकर माफिया लोगों से जबरन वसूली कर रहे हैं। पानी के एक टैंकर के लिए 3000 तक वूसल किए जा रहे हैं। यह कितना अनुचित है कि सिर्फ चार लोगों के परिवार को हर महीने पानी के लिए 20,000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। उन्होंने चिंता जताई है कि इस पृष्ठभूमि में सभी को राजनीति छोड़कर मेकेदातु परियोजना का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि यह परियोजना क्रियान्वित हो गयी तो पानी की समस्या दूर हो जायेगी।

मैं अंतिम सांस तक मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ खड़ा रहूंगा : शिवकुमार

किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने गुरुवार को दावा किया कि वह अंतिम सांस तक मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ खड़े रहेंगे।

दोस्तों, आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैंने मैसूरु में कहा था कि शिवकुमार सिद्धरामैया के साथ रहेंगे। मैं अभी घोषणा कर रहा हूं, मैं अभी, कल और मरते दम तक सिद्धरामैया के साथ रहूंगा। यह इस कनकपुरा बंदे का इतिहास है। मैं जहां भी रहूं, ईमानदारी से काम करना मेरा धर्म है। उपमुख्यमंत्री ने हासन में जन कल्याण सम्मेलन में एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हासन में विशाल जन कल्याण रैली को सफल बनाने के लिए स्वाभिमानी गठबंधन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

भाजपा और जद (एस) की आलोचना करते हुए सिद्धरामैया ने उन पर कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों का अपमान करने के लिए जनविरोधी होने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा हम किसी भी परिस्थिति में पांच गारंटियों को लागू करना बंद नहीं करेंगे।

चन्नपट्टना में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी और पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई की हार पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस पार्टी को उनके ऊपर चुना है और कांग्रेस पर लोगों के भरोसे के लिए आभार व्यक्त किया। भाजपा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, वादों के बावजूद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जरूरतमंदों को चावल उपलब्ध नहीं कराया। भाजपा विश्वासघात की सरकार है। सिद्धरामैया ने मेकेदातु परियोजना और केंद्र सरकार द्वारा किसानों के लिए फंड में कटौती जैसे मुद्दों पर कुमारस्वामी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने भाजपा और जेडी(एस) नेताओं को इन अन्यायों को संबोधित करने की चुनौती दी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने देवेगौड़ा को मुख्यमंत्री बनाने में भूमिका निभाई थी, लेकिन बाद में उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया। सिद्धरामैया ने वादा किया कि कांग्रेस अगले विधानसभा चुनावों में हासन जिले के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेगी।

32 जिला अध्यक्षों ने यतनाल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा में अंदरूनी कलह और बढ़ गई है, क्योंकि 32 जिला अध्यक्षों ने विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने राज्य अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की सार्वजनिक आलोचना की है और पार्टी के निर्देशों की अवहेलना की है। कर्नाटक भाजपा के भीतर तनाव और बढ़ गया है। 32 जिला अध्यक्षों ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उनकी मांग यतनाल द्वारा राज्य भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की लगातार सार्वजनिक आलोचना करने से उपजी है, जिससे पार्टी के भीतर अशांति पैदा हो रही है। जवाब में, भाजपा केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक ने यतनाल को 4 दिसंबर को बैठक के लिए बुलाया है। यह समन 1 दिसंबर को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के बाद भेजा गया है, जिसमें यतनाल द्वारा राज्य नेतृत्व पर बार-बार हमला करने, पार्टी के निर्देशों की अवहेलना करने और भाजपा के आधिकारिक रुख से अलग बयान देने का हवाला दिया गया है। पार्टी विधायक रमेश जारकीहोली ने घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि यतनाल को नोटिस का औपचारिक रूप से जवाब देने के लिए दस दिन का समय दिया गया है। जारकीहोली ने यह भी खुलासा किया कि यतनाल अकेले बैठक में भाग लेंगे और सत्र के दौरान सीधे अपना जवाब देंगे। यतनाल पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और उनके परिवार के मुखर आलोचक रहे हैं, खासकर बीवाई विजयेंद्र पर निशाना साधते हुए। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है और केंद्रीय नेतृत्व से कांग्रेस के खिलाफ इसी तरह के आरोपों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए इस मुद्दे को संबोधित करने का आग्रह किया है।

भाजपा नेता प्रवीण नेट्टारू हत्या मामला

एनआईए का एक्शन, 16 जगहों पर छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को कर्नाटक में 16 जगहों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि एजेंसी की तरफ से यह जांच भाजपा नेता प्रवीण नेट्टारू की हत्या से जुड़े मामले में की जा रही है। भाजपा युवा मोर्चा के सदस्य प्रवीण नेट्टारू की बेल्लारी में 26 जुलाई 2022 में उनकी दुकान के सामने एक वाहन में सवार तीन लोगों ने हत्या कर दी थी। सुलिया तालुक के बेल्लारे गांव में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के 'किलर स्क्वॉड' या सर्विस टीम्स ने कथित तौर पर उनकी हत्या कर दी थी। कर्नाटक सरकार की सिफारिश के बाद तीन अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनआईए को इस मामले की जांच सौंपने का आदेश दिया था। मामले में पहले 27 जुलाई को दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारे पुलिस थाने में पहला मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद चार अगस्त को एनआईए ने फिर से मामला दर्ज किया था। भाजपा नेता प्रवीण नेट्टारू की हत्या के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के दो कार्यकर्ताओं के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। एनआईए के एक प्रवक्ता ने इसके बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि पीएफआई के मास्टर आर्म्स ट्रेनर थुफैल एमएच और मोहम्मद जाबिर के खिलाफ एक विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया है। दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराएं लगाई गई हैं। एनआईए के प्रवक्ता ने आगे बताया था कि फरार चल रहे थुफैल को हाल ही में बेंगलूरु में एनआईए की एक टीम ने ट्रैक किया था। जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी की गई थी। इस मामले में अब तक कुल 21 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है।

जेल में प्रतिबंधित सामान रखने के आरोप में जेल अधीक्षक निलंबित

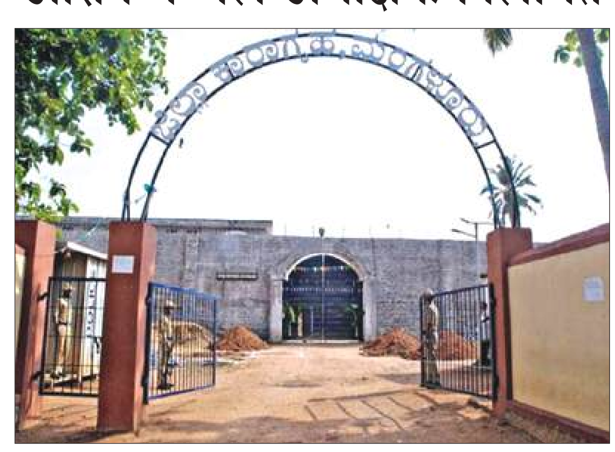

मेंगलुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ जिला जेल के अधीक्षक को बुधवार से अगले आदेश तक कर्तव्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है।

निलंबित अधिकारी बी टी ओबलेशप्पा हैं। यह निलंबन हाल ही में जिला जेल पर की गई छापेमारी के बाद किया गया है, जिसमें प्रतिबंधित सामान बरामद किया गया था। जेल एवं सुधार सेवाओं के महानिदेशक देवज्योति रे के अनुसार मैसूरु सेंट्रल जेल के सहायक अधीक्षक के एन मोहन कुमार को दक्षिण कन्नड़ जिला जेल का कार्यवाहक अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ भोपाल और कोरबा में विराट प्रदर्शन

भोपाल, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।
बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में भोपाल के भारत माता चौराहे पर सकल हिंदू समाज द्वारा विराट प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग और संत शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कट्टरपंथियों के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाना था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत में हिंदू बहुसंख्यक होने के कारण लोकतंत्र सुरक्षित है, लेकिन बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अत्याचार गंभीर समस्या है। अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू डॉक्टर, शिक्षक, जज, पुलिस अधिकारी, और अन्य पदाधिकारियों को जबरन इस्तीफा देने पर मजबूर किया जा रहा है। वहां उनकी सम्पत्तियों को लूटा जा रहा है, महिलाओं पर अमानवीय अत्याचार किए जा रहे हैं और धर्मांतरण की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, आज बांग्लादेश में जो नफरत की आग जल रही है, उसे बुझाना जरूरी है। मैंने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है, जिसमें हेट स्पीच पर सख्त कानून बनाने और मजहबी किताबों की समीक्षा की मांग की है।

अश्विनी उपाध्याय ने भारत में चल रहे कन्वर्जन, लव जेहाद, लैंड जेहाद और ड्रग जेहाद पर भी चिंता व्यक्त की और सरकार से इस पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा- भारत में 6 करोड़ घुसपैठिए हमारी एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं। देश के 9 राज्यों की डेमोग्राफी बदल चुकी है, और यह गंभीर समस्या है। प्रदर्शन के बाद सकल हिंदू समाज ने भारत माता चौराहे से रोशनपुरा चौराहे तक तीन किमी लंबी रैली निकाली। रैली में हजारों लोग शामिल हुए, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, व्यापारी, और समाज के विभिन्न वर्ग के लोग मौजूद रहे।

रैली के समापन पर भोपाल कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बांग्लादेश सरकार से यह सुनिश्चित करने की मांग की गई कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद हो। इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास को जेल से रिहा किया जाए।

भारत सरकार बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन जुटाए। प्रदर्शन के दौरान भोपाल के व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने बाजार आधे दिन तक बंद रखे। कृषि उपज मंडी में भी अनाज की खरीदारी पूरी तरह से बंद रही। यह विरोध प्रदर्शन भोपाल में एकजुटता का प्रतीक बना और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ बड़ी संख्या में समर्थन जुटा।

मंच पर मौजूद प्रमुख संत और गणमान्य लोग शामिल हुए। इनमें महामंडलेश्वर रामप्रवेश दास जी महाराज, स्वामी अलीनानंद जी महाराज, महंत राधा मोहनदास जी महाराज, महायोगी महंत श्री लोकनाथ जी महाराज, महामंडलेश्वर रामभूषण दास जी महाराज, महंत तुलसीदास जी महाराज (खतलापुरा सरकार), स्वामी पुरषोत्तम आनंद जी महाराज, महंत सुरेंद्र गिरी जी महाराज शामिल हैं।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों के क्रम में विश्व सनातन संस्कृति रक्षा मंच, कोरबा के नेतृत्व में सर्व समाज ने भी अपना विरोध जताया। बांग्लादेश में हो रही हिंसा के खिलाफ निहारिका के सुभाष चौक पर धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसके बाद एक आक्रोश रैली निकाली गई, जो कोसाबाड़ी तक गई। प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

मंच पर उपस्थित मुख्य वक्ता साध्वी गिरिजेश नंदिनी ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अमानवीय कृत्यों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में महिलाओं पर अत्याचार, अल्पसंख्यकों की सम्पत्तियों की लूट, और सरकारी नौकरियों से जबरन निकाले जाने जैसी घटनाएं अत्यंत निंदनीय हैं। कन्वर्जन कराने और धार्मिक स्थलों को ध्वस्त करने की घटनाएं मानवता के खिलाफ अपराध हैं। साध्वी गिरिजेश नंदिनी ने कहा कि बांग्लादेश सरकार और अन्य एजेंसियां इस बढ़ते अत्याचार को रोकने में असफल रही हैं। उनके अनुसार, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार मूकदर्शक बनी हुई है और समय रहते यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हालात और भी भयावह हो सकते हैं। इस स्थिति के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सर्व समाज ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए ज्ञापन सौंपा।

निहारिका के सुभाष चौक पर सर्व समाज ने एकत्रित होकर धरना दिया। प्रदर्शन के बाद आक्रोश रैली कोसाबाड़ी तक निकाली गई। अंत में जिला प्रशासन को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्यक विरोधी अत्याचारों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की मांग की गई। कोरबा में आयोजित यह धरना प्रदर्शन सर्व समाज की एकता और मानवता की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बांग्लादेश में हो रहे अमानवीय अत्याचारों के खिलाफ यह विरोध केवल भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जागरूकता लाने का प्रयास है।

सुखबीर बादल पर हमले में आईएसआई और बीकेआई का हाथ

चंडीगढ़, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।
पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल पर श्री हरिमंदिर साहिब में हुए जानलेवा हमले के पीछे प्राथमिक जांच के दौरान पुलिस को बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े इनपुट मिले हैं। मामले की जांच में जुटे एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अलगाववाद के मंसूबे को बढ़ावा देने के लिए सुखबीर पर यह हमला हुआ है, ताकि प्रदेश की न केवल शांति को भंग किया जा सके, बल्कि इस हमले के जरिये कट्टरपंथी, खालिस्तानी और अलगाववाद की विचारधारा को हावी दिखाया जा सके।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से इस मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित कर दी है। अमृतसर पुलिस कमिश्नर सहित पांच वरिष्ठ अधिकारी इस जांच टीम में शामिल हैं। सीएम मान ने डीजीपी गौरव यादव से इस घटना पर शाम तक रिपोर्ट मांगी थी। प्राथमिक रिपोर्ट में अकाली सरकार में हुई बेअदबी की घटनाओं के अलावा युवाओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कर उन्हें सलाखों के पीछे डालने की घटनाओं का बदला लेने से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

पुलिस के बड़े अधिकारी ने बताया कि श्री अकाल तख्त साहिब से सुखबीर बादल और अन्य अकाली नेताओं को जब से सजा सुनाई गई थी और वह तनखाहिया के रूप में वहां

अकाल तख्त साहिब के आदेश का पालन कर रहे थे, तब से स्वर्ण मंदिर में कुछ गड़बड़ी होने के लगातार इनपुट मिल रहे थे। इसी के चलते स्वर्ण मंदिर में 175 जवान जिसमें आईजी, एसपी व अन्य रैंक के पुलिस अधिकारी सिविल ड्रेस में तैनात किए गए थे, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो सके।

खालिस्तानी आतंकी नारायण सिंह चौड़ा को पुलिस ने पिछले दो दिनों से हरिमंदिर साहिब के आसपास ही घूमते हुए देखा था। इस दौरान चौड़ा लगातार सुखबीर सिंह बादल की रेकी करता आ रहा है।

इसकी फुटेज भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। पुलिस हरिमंदिर साहिब के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। चौड़ा से बरामद नौ एमएम के पिस्टल की भी जांच की जा रही है। मौके पर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने बताया कि सुखबीर सिंह बादल को गोली मारने की कोशिश के बाद पुलिस ने जब आतंकी को पकड़ा तो वह हंसता हुआ दिखा। वह कुछ बोलना भी चाह रहा था, लेकिन सुर-क्षाकर्मियों ने उसका मुंह हाथ रख बंद कर दिया।

थाना मजीठा के अंदर फेंका गया हैंड ग्रेनेड

अमृतसर, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।
अमृतसर में बुधवार देर रात करीब 11 बजे जिला देहाती में पड़ते थाना मजीठा के अंदर एक अज्ञात शख्स ने हैंड ग्रेनेड फेंक दिया। ग्रेनेड थाने के बिल्कुल अंदर खुली जगह पर फेंका गया, जिसके बाद जबरदस्त धमाका हुआ। हरकत में आई पुलिस ने तुरंत थाने के गेट बंद कर लिए।

धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर एकत्रित हो गए। सूचना मिलने पर एसपी चरणजीत सिंह, डीआईजी सतिंदर सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक बुधवार रात करीब 11 बजे थाना मजीठा में पुलिस अपनी ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान बाहर से अज्ञात शख्स ने एक हैंड ग्रेनेड फेंका।

छह दिन पहले जिला शहरी इलाके में पड़ती बंद पड़ी चौकी गुरबख्श नगर पर भी इसी तरह हैंड ग्रेनेड फेंककर धमाका किया गया था। इससे पहले 23-24 नवंबर की रात को थाना अजनाला के बाहर आईडी लगाकर उड़ने की योजना का खुलासा हुआ था। पिछले 15 दिनों में तीन घटनाएं हो चुकी हैं। अभी तक पुलिस इन घटनाओं के पीछे कौन आरोपी है, ना तो उनका

पता लगा पाई है ना ही किसी को गिरफ्तार किया जा सका है।

बुधवार सुबह श्री हरमंदिर साहिब में सेवा निभा रहे शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल पर खालिस्तानी आतंकी नारायण चौड़ा ने गोली चलाने का प्रयास किया था। सुरक्षाकर्मियों की तत्परता से हमला नाकाम रहा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सुखबीर बादल पर हमले के बाद पूरे जिले में पुलिस अलर्ट थी, इसके बावजूद देर रात थाने में हैंड ग्रेनेड से धमाका किया गया।

इसरो ने फिर रचा कीर्तिमान

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन का सफल प्रक्षेपण

श्रीहरिकोटा, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी59 रॉकेट लॉन्च किया। यूर-ोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को लेकर इसने शाम 4.04 बजे उड़ान भरी। इसरो इस मिशन को बुधवार की शाम 4 बजकर 8 मिनट पर लॉन्च करने वाला था, लेकिन प्रोपल्शन सिस्टम में आई खराबी के कारण इसकी लॉन्चिंग को एक दिन के लिए टाल दिया गया था।

स्पेस एजेंसी ने कहा, पीएसएलवी- सी59 सफलता-पूर्वक आसमान में उड़ गया। यह यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अभूतपूर्व प्रोबा-3 उपग्रहों को तैनात करने के लिए इसरो की

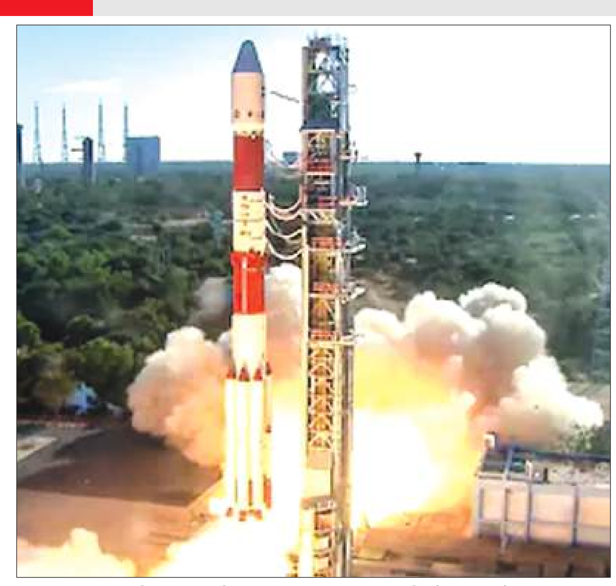

तकनीकी विशेषज्ञता के साथ एमएसआईएल के नेतृत्व में एक वैश्विक मिशन की शुरुआत का प्रतीक है। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों के तालमेल का जश्न मनाने वाला पल है। प्रोबा-3, यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसओ) के प्रोबा सीरीज का तीसरा सोलर मिशन है। खास बात ये है कि प्रोबा सीरीज के पहले मिशन को भी इसरो ने ही 2001 में लॉन्च किया था। प्रोबा-3 मिशन के लिए स्पेन, बेल्जियम, पोलैंड, इटली और स्विट्जरलैंड की टीमों ने काम किया है। इस पर करीब 20 करोड़ यूरो (करीब 1,778 करोड़ रुपए) का खर्च आया है।

प्रोबा-3 (प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड आटोनॉमी) यान में एक डबल-सैटेलाइट शामिल है, जिसमें दो अंतरिक्ष यान सूर्य के बाहरी वायुमंडल के अध्ययन के लिए एक यान की तरह उड़ान भरेंगे। इसरो ने कहा कि प्रोबास एक लातिन शब्द है, जिसका अर्थ है चलो प्रयास करें। इसरो ने कहा कि मिशन का उद्देश्य सटीक संरचना उड़ान का प्रदर्शन करना है और दो अंतरिक्ष यान कोरोनाग्राफ और ऑकुल्टर को एकसाथ प्रक्षेपित किया जाएगा

प्रोबा-3 मिशन के जरिए वैज्ञानिक सूर्य के अंदरूनी और बाहरी कोरोना के बीच बने काले घेरे का अध्ययन करेंगे। सूर्य के कोरोना का तापमान 20 लाख डिग्री फेरनहाइट तक जाता है। किसी उपकरण की मदद से इसका अध्ययन करना मुमकिन नहीं होता है। प्रोबा-3 के दो सैटेलाइट कोरोनाग्राफ (310 किग्रा) और ऑकल्टर (240 किग्रा) मिलकर सूर्यग्रहण की नकल बनाएंगे। इससे सूर्य से निकलने वाली तीव्र रोशनी को रोका जा सकेगा और ऐसा करने से सूर्य के कोरोना का अध्ययन करना भी आसान हो जाएगा। वैज्ञानिक पता लगाएंगे कि आखिर सूर्य के कोरोना का तापमान उसकी सतह से इतना अधिक क्यों होता है।

झारखंड कैबिनेट में मुख्यमंत्री के इलाके का दबदबा

रांची, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।
झारखंड में गुरुवार को हेमंत सोरेन सरकार की नई कैबिनेट का शपथ ग्रहण हुआ। इसमें 11 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इससे पहले 28 नवंबर को हेमंत सोरेन ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। नए मंत्रिमंडल में झारखंड मुक्ति मोर्चा के छह, कांग्रेस के चार और राष्ट्रीय जनता दल के एक चेहरे को जगह मिली है। इस तरह से झारखंड की सरकार में अब हेमंत सोरेन समेत कुल 12 मंत्री हो गए हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हैं। वे राज्य के तीन बार के मुख्यमंत्री रहे शिबू सोरेन के बेटे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन साहेबगंज जिले की बरहेट विधानसभा सीट से चुनाव जीते हैं। हेमंत ने बरहेट सीट पर भाजपा के गमलील हेम्ब्रोम को 39,791 मतों के अंतर से हराया। उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने भी गांडेय विधानसभा सीट से जीत हासिल की। 28 नवंबर को शपथ लेने के साथ ही उनकी चौथी पारी शुरू हो गई। झारखंड के इतिहास में ऐसा पहली बार है। इस नए नवेले राज्य के 24 साल के इतिहास में तीन चेहरे तीन-तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इनमें हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन, भाजपा नेता अर्जुन मुंडा और खुद हेमंत सोरेन शामिल हैं। चौथी बार शपथ लेते ही हेमंत इस श्रेणी से आगे निकल गए हैं।

मंत्रिमंडल बंटवारे को क्षेत्रवार देखें तो इसमें सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व संथाल परगना को मिला है। आदिवासी बाहुल्य संथाल परगना से पांच मंत्री हैं जिनमें खुद मुख्यमंत्री हेमंत भी हैं। संथाल परगना से आने वाले झामुमो और कांग्रेस के दो-दो और राजद के एक विधायक को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। संथाल परगना के साहेबगंज जिले

से हेमंत सोरेन (झामुमो), गोड्डा जिले से संजय प्रसाद यादव (राजद) और दीपिका पांडेय सिंह (कांग्रेस), देवघर से हफीजुल हसन (झामुमो) और जामताड़ा से इरफान अंसारी (कांग्रेस) को कैबिनेट में जगह मिली है।

इसके बाद उत्तर छोटानागपुर, दक्षिण छोटानागपुर और कोल्हान इलाके से दो-दो मंत्री बनाए गए हैं।उत्तर छोटानागपुर के गिरिडीह जिले से सुदिव्य कुमार (झामुमो) और बोकारो से योगेंद्र प्रसाद (झामुमो) को मंत्री पद मिला है। इसी तरह दक्षिण छोटानागपुर में लोहरदगा जिले से चमरा लिंडा (झामुमो) और रांची से शिल्पी नेहा तिर्की (कांग्रेस) को मंत्री बनाया गया है। कोल्हान से दो विधायक मंत्री बनाए गए हैं और दोनों ही पश्चिमी सिंहभूमि से जीते हैं। कोल्हान से घाटशिला विधायक रामदास सोरेन (झामुमो) और चाइबासा विधायक दीपक बरुआ (झामुमो) को मंत्री बनाया गया है। कोल्हान से ही पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन आते हैं जो अब झामुमो छोड़कर भाजपा के साथ आ चुके हैं। वहीं पलामू क्षेत्र को एक ही मंत्री पद मिला है। पलामू जिले की छतरपुर सीट से कांग्रेस विधायक राधा कृष्ण किशोर मंत्री बनाए गए हैं।

झारखंड मंत्रिमंडल की औसत उम्र 52 साल है। 31 साल की शिल्पी नेहा तिर्की कैबिनेट में सबसे कम उम्र की हैं। मांदर सीट से जीतीं शिल्पी कांग्रेस की नेता हैं। शिल्पी के पिता और विधायक रहे बंधु तिर्की को आय से अधिक सम्पत्ति मामले में तीन साल की सजा हुई और उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त हो गई थी। इसके बाद शिल्पी ने फ्लिपकार्ट में लाखों की छोड़कर पिता की राजनीतिक विरासत को संभाला। शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने ग्रेजुएशन की पढ़ाई क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बेंगलुरू से की। बाद में मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से मार्केटिंग कम्युनिकेशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा किया है। कैबिनेट के सबसे उम्रदराज चेहरे राधा कृष्ण किशोर हैं। 66 साल के राधा कृष्ण भी कांग्रेस के टिकट पर जीते हैं। खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत चार मंत्रियों की उम्र 49 साल है।

राजद के टिकट पर जीते संजय प्रसाद यादव कैबिनेट के सबसे अमीर मंत्री हैं। संजय ने अपनी कुल सम्पत्ति 29.59 करोड़ रुपए बताई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कैबिनेट के दूसरे सबसे अमीर सदस्य हैं। उन्होंने चुनावी हलफनामे में अपनी कुल सम्पत्ति 25.33 करोड़ रुपए बताई है।

श्रीनगर सेंट्रल जेल से नेटवर्क चला रहे थे आतंकी

कई मोबाइल, सिम और डिजिटल उपकरण जब्त

श्रीनगर, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।
सेंट्रल जेल श्रीनगर में बंद आतंकी अपने मददगारों के जरिये जेल से नेटवर्क चला रहे थे। सीमा पार बैठे आकांओं के निर्देश पर जम्मू-कश्मीर में हमलों की साजिश रची जा रही थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग और राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मामले की जांच के लिए बुधवार को सेंट्रल जेल में दबिश दी। सुबह की गई कार्रवाई में जेल के अंदर बैरकों और ब्लॉकों से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य कई डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं।

सीआईके के एक प्रवक्ता ने बताया कि जेल परिसर में तकनीकी हस्तक्षेपों का पता लगाने के लिए छापे मारे गए। 2023 में दर्ज एक मामले में विशेष न्यायाधीश श्रीनगर की अदालत से जारी वारंट के अनु-सरण में जेल की तलाशी ली गई। जांच में सामने आया कि जेल में बंद आतंकियों और पाकिस्तान में बैठे उनके आकांओं के बीच संवाद कराने के लिए मददगारों के जरिये मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरण पहुंचाए जा रहे हैं।

सीमा पार से आतंकी संगठनों के आका जेल में बंद आतंकियों से संपर्क में थे। उनके जरिये वे कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकियों को हमले करने के निर्देश देते थे।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकी संगठन लगातार नए आतंकी मॉड्यूल बनाने में सक्रिय हैं। इसमें विभिन्न सोशल मीडिया अनुप्रयोगों का दुरुपयोग करके कश्मीर के युवाओं को कट्टरपंथ और भड़काने सहित विभिन्न तरीकों व साधनों का प्रलोभन दिया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को गैरकानूनी और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करना है।

जांच एजेंसियां सेंट्रल जेल परिसर की सुरक्षा में चूक के पहलू की भी जांच कर रही हैं कि आखिर ये डिजिटल संचार उपकरण जेल के अंदर कैसे पहुंचे। अधिकारियों ने कहा कि इस कृत्य में सहायक/मददगार भी जांच का विषय बनेंगे।

इस अभियान का उद्देश्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को उजागर करना, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना, जेलों सहित सुरक्षा क्षेत्रों में मोबाइल जैसे संचार उपकरणों के दुरुपयोग को रोकना और प्रदेश में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करना है। जेल में मोबाइल का दुरुपयोग करके आतंकवाद का समर्थन और बढ़ावा देने वाले आतंकी मददग-ारों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश है तो धर्म है, धर्म है तो हम सब : योगी

जानकी महल में आयोजित श्रीरामजानकी विवाह उत्सव में शामिल हुए सीएम

अयोध्या, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामर्थ्य के अनुसार देश व धर्म के लिए कुछ करने के साथ ही समाज और हर एक को जोड़ने की आवश्यकता है। देश है तो धर्म है, धर्म है तो हम सब हैं। हमारा ध्येय सनातन धर्म की रक्षा और भारत को विकास के परम वैभव तक पहुंचाने का होना चाहिए। सीएम ने जाति के नाम पर बांटने वालों से बचने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को जानकी महल में आयोजित श्रीरामजानकी विवाह उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार का भव्य आयोजन आज जनकपुर धाम में भी हो रहा है। छह वर्ष पूर्व भारत व यूपी सरकार के योजनान्तर्गत विवाह पंचमी पर जनकपुर धाम में जाने और मां जानकी के भव्य मंदिर के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। आज जानकी महल में विवाह पंचमी कार्यक्रम में फिर से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहाकि श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान इसे नई ऊंचाई तक पहुंचाने में यह महत्व-पूर्ण केंद्र बिंदु था। मेरे पूज्य गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी महाराज रामजन्मभूमि आंदोलन से संबंधित किसी महत्वपूर्ण बैठक या आंदोलन के लिए आते थे तो अक्सर वे रात्रि विश्राम जानकी महल में ही करते थे। यह अनेक पूज्य संतों व आयोजनों का केंद्र बिंदु रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि यह वर्ष बहुत महत्वपूर्ण रहा। जब 22 जनवरी 2024 को पीएम मोदी के करकमलों से अयोध्या धाम में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम लला के रूप में विराजमान हो चुके हैं। भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया में कोई भी ऐसा सनातन धर्मावलंबी नहीं था, जो उस क्षण से वंचित हुआ हो। कोई यहां उपस्थित हुआ तो किसी ने श्रव्य-दृश्य माध्यम से उस पल को देखा-सुना। 500 वर्ष तक चले संघर्षों का सामना करते-करते कई पीढ़ियां चली गईं, लेकिन यह सौभाग्य हमारे भाग्य में था कि फिर से भव्य मंदिर में रामलला को विराजमान होते हमने देखा है। 22 जनवरी को हर सनातन धर्मावलंबी उत्साहित और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा था।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले की अयोध्या में बमुश्किल चार से पांच घंटे बिजली मिलती थी। यहां साफ-सफाई की उचित व्यवस्था नहीं थी। राम की पैड़ी में सरयू जी का जल सड़ता था। लोग उसी में स्नान कर पाते थे। एयर, रेल, सड़क कनेक्टिविटी अच्छी नहीं थी। अब तो न केवल सड़क, बल्कि रेल व वायुमार्ग से अयोध्या का अच्छा जुड़ाव हो चुका है। जल मार्ग पर भी हमारा सर्वे का कार्य चल रहा है। व्यवसाय और प्रोडक्ट को दुनिया के मार्केट तक पहुंचाने के लिए जल मार्ग आसान हो सकता है। संकरी गलियां चौड़ी हो रही हैं। अब राम की पैड़ी स्वच्छ हो गई है। हर स्तर पर विकास कार्य निरंतर बढ़ते दिख रहे हैं। श्रीराम ने महाराजा दशरथ से कहा कि आपका वचन मेरी प्रतिज्ञा है। अपने लिए नहीं, बल्कि सनातन धर्म व देश के लिए जो अच्छा है, वह करूंगा। श्रीराम ने14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया। उन्होंने निषादराज को गले से लगाया, चित्रकूट में कोल, वनवासी, गिरवासी से जुड़े। 12 वर्ष चित्रकूट में रहे, भारत के ज्ञान और विरासत के प्रतिनिधि होने के कारण ऋषि-मुनियों को अभय प्रदान किया। उस समय दंडकारण्य को राक्षस विहीन किया। उन्होंने रामेश्वर में ज्योतिर्लिंग की स्थापना की। आज भी हम रामेश्वर में दर्शन करते हैं। उन्होंने सेतुबंध का निर्माण किया और धरती मां को राक्षस विहीन किया।

सीएम योगी ने कहा कि 14 वर्ष बाद अयोध्या आने से पहले श्रीराम ने हनुमान जी को भेजा कि जाओ, देखो- ऐसा तो नहीं कि भरत को राज्य का मोह हो गया हो, यदि वह राजा रहना चाहते हों तो मैं अयोध्या वापस नहीं जाऊंगा। हनुमान जी ने देखा कि संन्यासी के रूप में भरत श्रीराम जी का इंतजार कर रहे हैं। यह बातें हनुमान जी ने श्रीराम को बताईं, तब भगवान राम ने आकर प्रजा की भावनाओं का सम्मान करते हुए जिस व्यवस्था को आगे बढ़ाया, वह रामराज्य की आदर्श व्यवस्था थी। कहीं दरिद्रता-अव्यवस्था नहीं थी, हर जगह खुशहाली थी।

भारत की परंपरा भी यह कहती है कि हम जिसकी पूजा करते हैं, उसके अनुरूप बनने का प्रयास करना चाहिए, उनके आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए। कार्यक्रम में अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, विधायक रामचंद्र यादव, दिलीप कुमार सुल्तानिया, नारायण अजीतसरिया, विष्णु अजीत सरिया, चंद्रप्रकाश अग्रवाल, बिहारी लाल सर्राफ, मुरारीलाल, सुनील कुमार, आशीष, दिनेश अग्रवाल, राकेश बिहारी आदि मौजूद थे।

संगठन चुनाव के लिए भाजपा ने बनाए 36 पर्यवेक्षक

रमापति त्रिपाठी लखनऊ जिला एवं महानगर तथा उन्नाव देखेंगे

लखनऊ, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने संगठन चुनाव के लिए 36 पर्यवेक्षकों के नाम बुधवार को घोषित कर दिए। प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने नामों की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी को लखनऊ जिला एवं महानगर तथा उन्नाव का पर्यवेक्षक बनाया गया है। इसी तरह मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को गाजियाबाद महानगर, नोएडा महानगर, गौतमबुद्धनगर तथा बुलंदशहर का पर्यवेक्षक बनाया गया है।

इसी तरह मंत्री सूर्य प्रताप शाही को आगरा जिला एवं महानगर, मथुरा जिला एवं मथुरा महानगर, स्वतंत्र देव सिंह को गोरखपुर जिला एवं महानगर व महराजगंज, धर्मपाल सिंह को मेरठ जिला एवं महानगर व बागपत, नरेंद्र कश्यप को बरेली एवं महानगर व आंवला, सोमेंद्र तोमर को बलरामपुर व श्रावस्ती, जसवंत सैनी को अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह को अंबेडकरनगर, अयोध्या जिला एवं महानगर, संतोष सिंह को मुरादाबाद जिला एवं महानगर व रामपुर, सुनीता दयाल को मैनपुरी, फिरोजाबाद जिला एवं महानगर का पर्यवेक्षक बनाया गया है।

प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला को मिर्जापुर, भदोही व

सोनभद्र, अमर पाल मौर्य को जालौन, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, अनूप गुप्ता को प्रयागराज महानगर, गंगापार, यमुनापार एवं कौशांबी, प्रियंका रावत को फतेहपुर व महोबा, संजय राय को बाराबंकी व रायबरेली, सुभाष यदुवंश को लखीमपुर, सीतापुर, हरदोई, रामप्रताप सिंह चौहान को झांसी जिला एवं महानगर व ललितपुर, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि को मुजफ्फरनगर व बिजनौर की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर को हापुड़ व गाजियाबाद, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा रामचंद्र कनौजिया को औरैया व इटावा, राष्ट्रीय परिषद सदस्य प्रभा शंकर पांडेय को सहारनपुर जिला एवं महानगर, डॉ. एमपी सिंह को शाहजहांपुर जिला एवं महानगर व पीलीभीत, विनोद पांडेय को अलीगढ़ जिला एवं महानगर व हाथरस, शेषनाथ आचार्य को बहराइच, गोंडा, राज्यसभा सदस्य दर्शना सिंह को संभल व अमरोहा, चौधरी तेजवीर सिंह को सिद्धार्थनगर व संतकबीरनगर, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी को शामली, अक्षयवर लाल गौंड को लालगंज, आजमगढ़, मऊ का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

संभल हिंसा मामले में पुलिस की ताबड़तोड़ दबिश जारी

संभल, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल दंगे के आरोपियों की धरपकड़ तेज हो गई है। पुलिस कार्रवाई की डर से ज्यादातर लोगों ने इलाके छोड़ दिए हैं। अधिकांश घरों में ताले लटके हैं। एसपी का कहना है कि निर्दोष लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। संभल बवाल में शामिल आरोपियों की धरपकड़ शुरू होते ही बवाल वाले इलाके के लोगों ने घर छोड़ दिया है। जो लोग उपद्रव में शामिल नहीं थे, वह भी कार्रवाई के डर से घर छोड़ गए हैं। ज्यादातर घरों में ताले लटके हैं। जो घर खुले हैं, उनमें सिर्फ बुजुर्ग ही दिख रहे हैं। 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान जामा मस्जिद के पास, नखासा तिराहा और हिंदूपुरा खेड़ा में जमकर बवाल हुआ था।

उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग की थी। जिसमें पांच लोगों की जान गई थी। साथ ही कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। पुलिस ने बवाल वाले इलाके के ज्यादातर लोगों को आरोपी बनाया है। इस कारण जामा मस्जिद के आसपास के ज्यादातर घर पर तालाबंदी है। इसी तरह हिंदूपुरा खेड़ा का हाल है। नखासा तिराहा पर ही कुछ चहल पहल दिख रही है। शाम होने के बाद बवाल के इलाके में इंसान की चहल कदमी नहीं दिख रही है। माना जा रहा है कि पुलिस की धरपकड़ शुरू होने के चलते उन लोगों ने भी घर छोड़ दिया है जो बवाल के बाद घरों को लौट आए थे।

वहीं, दूसरी ओर एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि जो उपद्रव में शामिल नहीं था उसको भयभीत होने की जरूरत नहीं है। जो उपद्रव में शामिल था उसको जेल भेजा जाएगा। विश्नोई ने कहा, उपद्रव के दौरान विदेश कारतूस का इस्तेमाल किया गया है। इसके चलते ही दूसरे दिन भी टीम ने छानबीन की है। हालांकि दूसरे दिन कुछ मिला नहीं है। यह छानबीन आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस ने बुधवार को कोतवाली क्षेत्र के अंजुमन निवासी वसीम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया है। आरोपी नखासा तिराहा पर हुए उपद्रव में शामिल था। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि नखासा थाने से जेल भेजे गए आरोपी ने कई उपद्रवियों की पहचान बताई है। उनकी तलाश में पुलिस की टीम लगी है। बताया कि तीन महिला समेत 34 आर-ोपी जेल भेजे जा चुके हैं। अन्य की तलाश की जा रही है। जो उपद्रवी फोटो और वीडियो में दिख रहे हैं उनकी पहचान के लिए पांच टीमों को लगाया गया है। बताया कि 300 से ज्यादा उपद्रवी पहच-ाने जा चुके हैं जिनकी गिरफ्तारी की जानी है।

संभल दंगा : चौराहों पर लगाए जाएंगे आरोपियों के पोस्टर

संभल, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा में शामिल आरोपियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के पोस्टर सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जाएंगे। अब तक 400 से अधिक लोगों की पहचान की गई है। इसमें से 32 को गिरफ्तार किया गया है। पोस्टर में गिरफ्तार लोगों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे। डीएम के मुताबिक पोस्टर का डिजाइन तैयार किया जा रहा है। इसे जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा।

शांति समिति की बैठक में तय किया जाएगा कि कितने लोगों के पोस्टर लगाए जाएंगे। 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। हिंसा के दौरान पुलिस पर पथराव और फायरिंग की गई। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी और कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। प्रशासन का कहना है कि यह कदम कानून-व्यवस्था को सख्ती से लागू करने और इलाके में शांति बनाए रखने के लिए उठाया जा रहा है। पुलिस ने संभल में बवाल में शामिल दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें से दोनों आरोपी बवाल के दौरान घायल हो गए थे। दोनों का उपचार चल रहा था। सेहत में सुधार होने पर पुलिस ने पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया है।

400 से अधिक दंगाई चिन्हित, 2750 लोगों के खिलाफ केस

अभी एक और आरोपी का उपचार चल रहा है। उसकी हालत में सुधार होने पर न्यायालय में पेश किया जाएगा। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि संभल कोतवाली पुलिस ने नखासा थाना क्षेत्र के शहबाजपुरा निवासी अजीम और बड़ा बाजार निवासी हसन बवाल में शामिल थे। बताया कि दोनों को पुलिस ने घायल अवस्था में गिरफ्तार कर किया था। जिसके बाद से उनका अस्पताल में उपचार चल रहा था। सेहत में सुधार होने पर पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेज दिया है। बवाल में पांच एफआईआर संभल कोतवाली में दर्ज की गई और दो एफआईआर नखासा थाने में दर्ज हुईं। इसमें 40 नामजद और 2750 अज्ञात आरोपी बनाए गए हैं। इसमें 32 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। इन आरोपियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं।

संभल हिंसा में विदेशी फंडिंग का सुराग मिला

संभल, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के मोहल्ला कोटगर्वी में टंकी रोड पर मंगलवार को कूड़े में पाकिस्तान और अमेरिका निर्मित खोखा और कारतूस मिलने के बाद पुलिस प्रशासन के साथ ही खुफिया तंत्र भी अलर्ट हो गया हैं। गुरुवार को एलआईयू ने दिनभर जामा मस्जिद के पीछे वाली सड़क पर मेटल डिटेक्टर की मदद से नाले-नालियों में और विदेशी कारतूसों की तलाश की, लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा। मंगलवार को पुलिस की टीमों को छानबीन के दौरान जामा मस्जिद के पीछे टंकी रोड पर पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी में बने 9 एमएम का एक खोखा, एक कारतूस और अमेरिका में निर्मित कारतूस के दो खोखे मिले थे। इसके अलावा .32 बोर के भी दो अन्य खोखे मिले थे। विदेशी कारतूस और खोखे मिलने के बाद पुलिस विदेशी फंडिंग के एंगल से भी जांच में जुट गई है। हिंसा में विदेशी हाथ होने की आशंका के चलते खुफिया तंत्र और भी अलर्ट हो गया है। बुधवार को भी पुलिस और एलआईयू की टीमों ने बवाल वाले इलाके में पहुंचकर नाले और नालियों को खंगाला। पालिका के सफाईकर्मियों से नालियों से कीचड़ निकलवाने के बाद मेटल डिटेक्टर से और विदेशी कारतूस व खोखों की तलाश की। हालांकि दूसरे दिन कुछ सबूत नहीं मिल सका। दिनभर सर्च अभियान चलाने के बाद शाम को टीम खाली हाथ लौटी। संभल बवाल में विदेशी कारतूसों का इस्तेमाल किया गया। मंगलवार को इसकी पुष्टि तब हुई, जब पुलिस को बवाल वाले इलाकों से पाकिस्तान और अमेरिका में निर्मित कारतूस और खोखे मिले। विदेश कारतूस मिलना चिंता का विषय है। विदेशी कारतूस जिस हथियार में इस्तेमाल किए गए उसकी भी तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हैं। 9एमएम कारतूस और खोखा भी मिला है। इसलिए इस हथियार को लेकर भी पुलिस चिंतित है। 9एमएम बोर का हथियार फोर्स द्वारा ही इस्तेमाल किया जाता है। आम लोगों के लिए इस बोर के हथियार पर प्रतिबंध है। ऐसे में यह भी अंदेशा है कि हथियार विदेश से आया है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि जांच एजेंसी तो कोई नहीं आई है लेकिन संभवतः जांच के लिए कोई एजेंसी आ सकती है। आला अधिकारियों को इस मामले से अवगत करा दिया गया है। बताया कि जिन हथियारों में विदेशी कारतूस का इस्तेमाल किया गया है उनकी तलाश की जा रही है।

सीएम योगी ने फिर से चेताया : बांटने वाले काटने और कटवाने का कर रहे इंतजाम

योगी ने रामकथा पार्क में किया 43वें रामायण मेला का शुभारंभ

अयोध्या, 05 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाकि कि 500 वर्ष पहले बाबर के सिपहसालार ने अयोध्या, संभल में जो कृत्य किया था और जो काम आज बांग्लादेश में हो रहा है, तीनों की प्रकृति-डीएनए एक जैसा है। कोई मानता है कि यह बांग्लादेश में हो रहा है तो गलतफहमी में न रहे। यहां भी बांटने वाले तत्व पहले से खड़े हैं। वे सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न और सामाजिक एकता को तोड़कर, आपको बांटकर फिर काटने व कटवाने का इंतजाम भी कर रहे हैं। बांटने वाले बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिन्होंने दुनिया के कई देशों में प्रॉपर्टी खरीद रखी है। य़हां संकट आएगा तो वे वहां भाग जाएंगे और मरने वाले मरते रहेंगे, लेकिन हम प्रभु के आदर्शों से प्रेरणा लेकर उसके अनुरूप खुद को तैयार करते हुए पीएम मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के निर्माण में योगदान देंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण मेला समिति द्वारा आयोजित 43वें रामायण मेला का गुरुवार को रामकथा पार्क में शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम ने पुस्तिका का विमोचन भी किया। सीएम ने रामायण मेला

समिति को आश्वस्त किया कि अयोध्या में कुछ नया लेकर आइए, सरकार सदा आपके साथ है। उन्होंने रामायण पर शोध की आवश्यकता पर बल दिया। सीएम ने कहा कि अयोध्या धाम को पुरातन गौरव प्राप्त हो। इसके लिए सरकार नित कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि भगवान राम ने पूरे भारत व समाज को जोड़ने का कार्य किया। जोड़ने के कार्य को हमने महत्व दिया होता और सामाजिक विद्वेष-समाज को तोड़ने की दुश्मनों की रणनीति को सफल नहीं होने देते तो देश कभी गुलाम नहीं होता और न ही तीर्थ अपवित्र होते। मुट्ठी भर आक्रांताओं को भारत के वीर योद्धा रौंद डालते, लेकिन आपसी एकता में बाधा पैदा करने वाले सफल रहे। उन्हीं के जींस आज भी जाति के नाम पर राजनीति करने वाले सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या ने हजारों वर्षों से विश्व कल्याण की मानवता का मार्ग प्रशस्त किया है। अयोध्या दुनिया के लिए मार्गदर्शक है। यहां कोई युद्ध करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। राग-द्वेष से मुक्त अयोध्या दुनिया में चल रहे द्वंद्व के समाधान की भूमि है। प्रभु कृपा से अयोध्या धाम आज आध्यात्मिक व सांस्कृतिक रूप से वैश्विक नगरी के रूप में फिर से नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। जनवरी में पीएम नरेंद्र मोदी के करकमलों से 500 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद प्रभु फिर से राम मंदिर में विराजमान हुए हैं। 22 जनवरी को आयोजन अयोध्या में था, लेकिन उत्सव पूरा देश-दुनिया में मनाया जा रहा था।

सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम के प्रति भारत का भाव क्या है, इसका अनुभव करना हो तो गांव-गांव में संत तुलसीदास द्वारा प्रारंभ किए गए रामलीलाओं का आयोजन देखिए। प्रभु राम के प्रति सनातन धर्मावलंबियों के भाव का अनुभव करना है तो 1990 के दशक को याद कीजिए, जब हर घर में टीवी नहीं थी, लेकिन लोग सूदूर जाकर दूरदर्शन पर रामायण सीरियल देखते थे। यह प्रभु राम के प्रति भारत की सनातन श्रद्धा का प्रतीक है।

संपादकीय

संसद में 'इंडिया' विभाजित

संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इस पर स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में सभी दलों में सहमति तो बनी थी, लेकिन वह सहमति कारगर कब होगी? मंगलवार को भी दोनों सदनों में हंगामा हुआ, विपक्ष नारेबाजी करता हुआ अध्यक्ष के आसन तक भी पहुंचा, लिहाजा वह सर्वदलीय सहमति फर्जी लगी। विपक्ष ने संसद से बहिर्गमन तक किया, लेकिन लौट कर कार्यवाही में भी शिरकत की। 'प्रश्नकाल' के दौरान सांसदों ने सवाल भी पूछे। 'शून्यकाल' की भी संभावनाएं जगीं, लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि संसद की कार्यवाही बाधित क्यों की जाए? क्या 'अदाणी कांड' वाकई राष्ट्रीय और संसदीय मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे हैं? यदि अदाणी समूह ने कुछ गलत किया है, तो वह अमरीकी अदालत तय करेगी और दंडित करेगी। भारत में यह कांड 'आपराधिक' नहीं है और न ही ऐसा कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने आया है। 'अदाणी कांड' पर ही विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में दरारें उभरी हैं। 'इंडिया' में सर्वसम्मति कभी नहीं रही। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के आवास पर 'इंडिया' के सहयोगी दलों की जो बैठक हुई थी, उसमें तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भाग नहीं लिया। वे लगातार मानते रहे हैं कि संसद की कार्यवाही सुचारू चलनी चाहिए। अदाणी ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर संसद की कार्यवाही स्थगित करने को बाध्य होना पड़े। सपा नेता अखिलेश यादव के साथ 37 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए संभल क्षेत्र की सांप्रदायिक हिंसा और आम नागरिकों की मौत 'नरसंहार' से कम नहीं है। आखिर हरेक जामा मस्जिद के नीचे हिंदू मंदिर दफन के ऐतिहासिक अतीत को क्यों खोदा जाए? ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, विपक्ष द्वारा शासित राज्य सरकारों के प्रति केंद्र सरकार का सौतेला और भेदभाव वाला रवैया, केंद्र द्वारा पूंजी का अपर्याप्त आवंटन आदि बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर संसद में बहस होनी चाहिए। तृणमूल के लिए 'अदाणी कांड' बेमानी, फिजूल है। सपा और तृणमूल इस राजनीति के भी पक्षधर नहीं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी परस्पर पूरक हैं। हालांकि कांग्रेस, 'आप', राजद, शिवसेना (उद्धव), द्रमुक और वामदलों के सांसदों ने संसद भवन के 'मकर द्वार' की सीढियों पर विरोध-प्रदर्शन किया, लेकिन सपा और तृणमूल कांग्रेस उसमें शामिल नहीं हुए। सवाल यह है कि क्या संसद में 'इंडिया' गठबंधन विभाजित हो चुका है? क्या 'इंडिया' निर्णायक तौर पर खंड-खंड हो चुका है और अब मोदी सरकार के लिए कड़ी चुनौती नहीं है? चूंकि चुनावों के दौरान 'इंडिया' के कई घटक दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़े, लिहाजा सवाल है कि क्या अब 'इंडिया' भीतरी तौर पर भी एक बंटा हुआ गठबंधन है? संसद की कार्यवाही बेशकीमती है, क्योंकि वह देश के निर्वाचित सांसदों का सबसे बड़ा, महत्वपूर्ण सदन है। संसद में कानून बनाए जाते हैं तथा सांसद अपने क्षेत्र की समस्याओं को आवाज दे सकते हैं। संसद की कार्यवाही स्थगन से कितना पैसा बर्बाद होता है, अब यह उतना संवेदनशील मुद्दा नहीं रहा, क्योंकि इसकी चर्चा बार-बार की जाती है, लेकिन यह चिंतित स्थिति है कि 5 दिन में लोकसभा सिर्फ 69 मिनट और राज्यसभा 94 मिनट ही काम कर पाई। औसतन 4-5 फीसदी ही काम हो पाया। क्या संसद नारों और हंगामे का ही सदन बन गया है? बेशक भाजपा जब विपक्ष में थी, तो उसने भी कई-कई दिन तक संसद नहीं चलने दी थी। क्या अब कांग्रेस नेतृत्व वाला 'इंडिया' भी उसका प्रतिशोध लेगा? यह देशहित में नहीं है। यदि सार रूप में देखें, तो साल भर में 35-40 दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं चल पाती है, जबकि अपेक्षाएं की जाती रही हैं कि कमोबेश 65-70 दिन संसद चले।

> विपक्ष नारेबाजी करता हुआ अध्यक्ष के आसन तक भी पहुंचा, लिहाजा वह सर्वदलीय सहमति फर्जी लगी। विपक्ष ने संसद से बहिर्गमन तक किया, लेकिन लौट कर कार्यवाही में भी शिरकत की। 'प्रश्नकाल' के दौरान सांसदों ने सवाल भी पूछे। 'शून्यकाल' की भी संभावनाएं जगीं, लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि संसद की कार्यवाही बाधित क्यों की जाए? क्या 'अदाणी कांड' वाकई राष्ट्रीय और संसदीय मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे हैं? यदि अदाणी समूह ने कुछ गलत किया है, तो वह अमरीकी अदालत तय करेगी और दंडित करेगी। भारत में यह कांड 'आपराधिक' नहीं है और न ही ऐसा कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने आया है। 'अदाणी कांड' पर ही विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में दरारें उभरी हैं। 'इंडिया' में सर्वसम्मति कभी नहीं रही।

फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

ललित गर्ग

> राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती।

तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को

जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है।

यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा।

दृष्टि कोण

कम नहीं हैं दुश्वारियां, नई दिशा की जरूरत

हिमाचल प्रदेश को प्रकृति ने भरपूर प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ जल, जंगल, पहाड़, नदियों और स्वच्छ परिवेश से नवाजा है। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन से रोजगार की अपार संभावनाएं हैं जिसके लिए प्रदेश में पिछले 50 वर्षों से इस दिशा में सभी सरकारें प्रयासरत रहती आई हैं। हिमाचल के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का 7.5 फीसदी योगदान है, इसमें बढ़ोतरी की दरकार है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग के पास इस समय कुल 4662 होटल और 4146 होमस्टे पंजीकृत हैं। पंजीकृत गाइड्स की संख्या 1314 और ट्रैवल एजेंसियों की संख्या 3297 है। वर्तमान समय में हिमाचल के होटलों में 154448 बिस्तरों की व्यवस्था है। वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में 15942118 भारतीय पर्यटक आए थे, जबकि 62806 विदेशी पर्यटकों ने भी हिमाचल की प्रकृति एवं वादियों को निहारा। इस प्रकार 2023 में हिमाचल प्रदेश में कुल 16004924 पर्यटक आए थे। इस साल दिसंबर 2024 तक हिमाचल प्रदेश में 1.16 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आ चुके हैं। इनमें से 49523 पर्यटक विदेश से आए हैं। इस हिसाब से, साल 2024 में हिमाचल आने वाले पर्यटकों का आंकड़ा मार्च 2025 तक दो करोड़ पार करने की उम्मीद है। सुक्खू सरकार ने पर्यटकों के आंकड़े को पांच करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। पिछले दो महीनों से हिमाचल प्रदेश में पर्यटन विस्तार के दृष्टिकोण से कुछ अच्छी खबरें सुनने को नहीं मिल रही हैं। एक तो हिमाचल प्रदेश को टूरिज्म सेक्टर में बड़ा झटका लगा है। केंद्र ने स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत 23 राज्यों को 3296 करोड़ जारी किए हैं, लेकिन इसमें हिमाचल प्रदेश का नाम ही नहीं है। इस पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने फेसबुक वॉल पर लिखा है कि केंद्र सरकार की भेदभावपूर्ण राजनीति ने हिमाचल की जनता को एक बार फिर शिकार बनाया है। उनके अनुसार केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के विकास की यात्रा को अवरुद्ध करने की कोशिशें कर रही है। दूसरे हिमाचल सरकार ने पर्यटन निगम के घाटे में चल रहे कुछ होटलों को लेकर पूर्व आईएएस अधिकारी तरुण श्रीधर की एक सदस्यीय कमेटी गठित की थी, ताकि निगम के होटलों को लेकर छह महीनों में कमेटी की सिफारिशों की रोशनी में कुछ सुधार किया जा सके, परंतु तरुण श्रीधर ने मात्र एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंप दी है। पर्यटन विकास निगम के कुल 56 होटल चल रहे हैं, लेकिन ज्यादातर होटल घाटे में हैं। इससे निगम अपने कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनर को पेंशन नहीं दे पा रहा है। पेंशनर के सेवा लाभ का मामला भी कोर्ट में विचाराधीन है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने घाटे के होटल बंद करने का फैसला सुनाया था और वहां के स्टाफ को दूसरे होटलों में शिफ्ट करने के लिए आदेश दिए थे। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल हाईकोर्ट की डबल बेंच में पुनर्विचार याचिका दायर करने के बाद अब सभी होटलों को 31 मार्च तक चलाने की समय सीमा निर्धारित की गई है। भारतवर्ष के लगभग सभी राज्यों में टूरिज्म विभाग के अधीन पर्यटन होटल चलाए जा रहे हैं। आम तौर पर पर्यटन निगम के होटलों के पास पर्याप्त खुली जमीन होती है, सेवाएं अच्छी और स्टाफ विनम्र होता है। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन निगम को सिर्फ ऑक्यूपेंसी से ही होटलों की कमाई नहीं हो रही है, बल्कि बैंक्वेट हॉल, कैफे, रेस्टोरेंट और एंट्री फीस से भी करोड़ों की कमाई होती है। इतना ही नहीं, हिमाचल में रेड डी हिमालया, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग और बीड़ बिलिंग में पैराग्लाइडिंग जैसे साहसिक खेल पर्यटन से यहां के युवाओं को स्थायी रोजगार के विकल्प भी मिले हैं। आधुनिक युग में जबसे आवागमन के संसाधनों और लोगों के आर्थिक स्तर में वृद्धि हुई है, तो पर्यटन के आयाम ही बदल गए हैं। गैलप इंटरनेशनल की ताजा सर्वे रिपोर्ट में बताया गया है कि सुरक्षित देशों की सालाना सूची में भारत 29वें नंबर पर है, जबकि पिछले साल भारत की रैंकिंग 63वीं थी, यानी सुरक्षा मानकों के लिहाज से हमारे देश ने 34 पायदानों की लम्बी छलांग लगाई है। सिंगापुर लगातार दूसरे साल भी सबसे सुरक्षित देश है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा प्रकाशित यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) 2024 रिपोर्ट के अनुसार भारत पसंदीदा पर्यटन गंतव्य यात्राओं की 119 देशों की सूची में 39वें स्थान पर है। हिमाचल प्रदेश पर्वतीय प्रदेश है और यहां की भौगोलिक परिस्थितियां औद्योगिक विस्तार एवं प्रगति की राह में कहीं न कहीं आड़े आती हैं, लेकिन पर्यटन एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो न केवल हिमाचल की आर्थिकी को सम्बल देता है, बल्कि हमारे युवाओं के लिए रोजगार के रास्ते भी खोलता है। पर्यटन की राह में कुछ दुश्वारियां भी हैं, मसलन अतिक्रमण की मार के कारण तंग गलियां एवं सडक़ें जहां नियमित रूप से लगने वाले ट्रैफिक जाम को आमंत्रित करते हैं, तो वहीं पार्किंग की सुविधाएं न होना भी खलता है। कई बार बाहरी सैलानियों की हुड़दंगबाजी के किस्से कहानियां अखबारों की सुर्खियां बनती हैं तो कई दफा शरारती एवं शराबी तत्वों द्वारा पर्यटक वाहनों के साथ तोडफ़ोड़ की घटनाएं पर्यटकों के दिलों में भय उत्पन्न करती हैं। ऐसे में पर्यटक स्थलों पर सैलानियों और स्थानीय लोगों के मन में सुरक्षा की भावना का संचार करने के लिए हथियारबंद पुलिस कर्मियों एवं पुलिस की नियमित गश्त की व्यवस्था होनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश सरकार में पिछले कई वर्षों से किसी पर्यटन मंत्री का न होना भी आश्चर्य का विषय है।

कुछ अलग

कार्य संस्कृति की तलाश

देश के नवनिर्माण के लिए मेहनत का कोई अर्थ नहीं रह गया है। यह बात पिछले दिनों कुछ इस प्रकार स्पष्ट हो गई, कि निरंतर मेहनत करने वालों के माथे का पसीना भी शर्मिन्दा हो गया। जब नए चुनावों की दुंदुभि बजती है, तो लगता है वक्त बदलने या युग पलटने का मौसम आ गया। सत्ता के शहसवार कभी रुखसत लेने के लिए तैयार नहीं होते। उन्हें लगता है उनके बाप-दादा जब अपनी राजनीतिक विरासत उन्हें सौंप गए, तो उसे अपनी तिजोरी में बंद करके रखना ही उनका परम धर्म है। धीरे-धीरे यह विरासत देश के उन दस प्रतिशत लोगों के पास सिमट गई, जिनके पास देश की सम्पदा पर अधिकार का हुक्मनामा है। चुनाव लडऩा अमीर करोड़पतियों का महंगा शौक हो गया, इसलिए देश की 90 प्रतिशत जनता चुनावी अखाड़े से छिटक कर दर्शक दीर्घा तक सिमट गई। उन्हें तो अब मेहनती नारे लगाने की आदत भी हो गई है। मेहनत का यही अर्थ मिला उन्हें। नारा लगता है 'नेता जी संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं।' भला कैसा है यह संघर्ष, कि जिसकी मेहनत का संदेश इन चुनावी योद्धाओं को मिला है। पहला संदेश तो यही है कि भाई जान, अब सडक़ों पर आकर वोटरों से उनके वोट मांगने का समय आ गया। पिछले पांच बरस के अपने शासन में उन्हें 'परसू परसा और परसराम' बनने की इच्छा तो होती रही। वे लखपति से करोड़पति और करोड़पति से अरबपति हो जाने के चक्रव्यूह तोड़ते रहे। जब राजनीति के अखाड़े में उतरे थे तो साइकिलपति थे, अब मर्सिडीज से कम पर चलते हुए उनकी तबीयत बिगड़ जाती है। पहले सडक़ पर जीते हुए अपने बिना दीवारों के घर पर छत डालने का असंभव सपना वह देखते थे, आज अपने भव्य प्रसाद में उन्हें घुटन महसूस होती है । चांद पर घर बसाने के बारे में वह गम्भीरता से सोच रहे हैं। लेकिन मखमली बिस्तर पर ऊंघती नींद में यह व्यवधान कैसे आ गया। केवल भाषण से, जुमलों से बात चलाने, काम होते जाने का एहसास देने की आदत हो गई है उन्हें। अब कुर्सी से उतर पैरों को जुम्बिश देनी होगी। वोटरों को कृपानिधान कह कर उनकी भूली गलियों का चेहरा पहचानने की मेहनत करनी होगी। 'भय्या' कह कर इस तंग उतरी चौखटों को फिर अपना मान माथे से लगाना होगा। चार दिन की चांदनी जो अब मतदान दिवस तक यहां रचती है, उन्हें अपने स्वप्नजीवी शिलान्यासों से अलंकृत करना होगा। समस्या को सुलझने दो, परेशान लोग दो धुरवों में बंट कर वोट कर देंगे। लेकिन लोग अब इन बातों से आलोड़ित नहीं होते। सीधा रास्ता पकडऩे से पहले जरूरी है जिंदगी को जीना, पेट को भरना, खाली हाथों को काम देना। भुगतान के बोझ से चरमराते अपने बजट के नख-शिख को संवारना। इसलिए इस उलझे मामले पर सफाई से पहले जरूरी लगा, पेट में दो रोटी का जुगाड़। सही बात थी। यह मांग तो बहुत पहले हो जानी चाहिए थी कि रोटी-रोजी दे न सके तो वह सरकार निकम्मी है, जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है। लेकिन इससे पहले कि यह आत्म ज्ञान शिद्दत से वोट देने वालों में उभरता, चुनाव सिद्धहस्त मार्गदर्शकों ने स्वयं एक नया नारा दे दिया, 'वोट देना है तो हमारा काम देख कर दो, उम्मीदवारों की चिकनी चुपड़ी बातें सुन कर नहीं।' अब काम तो भई काम होता है। चाहे हजारों यूनिट बिजली के बिलों में कुछ सैंकड़े यूनिट बिजली की माफ करो। स्कूलों के द्वार खुलने और बच्चों के पहाड़े रटने की आवाज पैदा कर दो। महंगी दवा-दारू के माहौल में बंद सरकारी डिस्पैंसरियां खोल मुफ्त दवाएं बांटने का शुबहा पैदा कर दो। काम होते-होते, रियायतों के भंवरजाल में उलझ गया। लोगों के लिए राहत देने के अंबार खड़े करने के वायदों की बारात निकलने लगी।

देश दुनिया से

ईमानदार कोशिश हो बांग्लादेश संकट समाधान की

अगरतला स्थित बांग्लादेश वाणिज्य दूतावास पर तोड़फोड़ की घटना ने तूल पकड़ लिया है। दूतावास परिसर में प्रदर्शन, गेट तोड़ने, और झंडे का अपमान कोई भी सभ्य समाज नहीं सराहेगा। पीटीआई के अनुसार, '2 दिसंबर को अगरतला में बांग्लादेश मिशन के परिसर में कथित तौर पर 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश किया, जिससे परिसर में मौजूद लोगों में चिंता पैदा हो गई। यह रैली विश्व हिंदू परिषद से संबद्ध हिंदू संघर्ष समिति के बैनर तले निकाली गई। चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी की रिहाई, और हिन्दुओं की सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त आरिफ मोहम्मद को एक ज्ञापन सौंपा गया।' पीटीआई की रिपोर्ट से लगा नहीं, कि तोड़फोड़ की कोई घटना हुई। जब ऐसा कुछ हुआ नहीं, तो 13 लोगों की गिरफ्तारी, असिस्टेंट कमांडेंट और तीन सब इंस्पेक्टर सस्पेंड क्यों हुए, और इसके प्रकारांतर भारतीय विदेश मंत्रालय को खेद क्यों प्रकट करना पड़ा? विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की घटना बेहद खेदजनक है। भारत सरकार नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और देश के अन्य मिशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है।' बांग्लादेश इस खेद प्रकाश से शांत नहीं हुआ है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को बुलाकर विरोध जताना और अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन को बंद कर, इस चिंगारी को भड़काने की कवायद शुरू हो गई है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने अंतरिम सरकार से आग्रह किया कि वह अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सेना से सहायता मांगे। ऐसा लगता है, मानो उन्हें हमारी ओर से एक ग़लती होने का इंतज़ार था। लेकिन कोलकाता में जो कुछ हो रहा है, उससे दोनों मुल्कों में डैमेज कंट्रोल की बात बेमानी हो गई। क्या बांग्लादेशी मरीज़ों का इलाज रोकना मानवाधिकार हनन की श्रेणी में नहीं आता है? बांग्लादेश में सूचना-प्रसारण प्रभार एक ऐसे छात्र नेता के हाथों में है, जो शेख हसीना को देश से भगाने की श्लाघा को पचा नहीं पा रहा है। नाहिद इस्लाम लगातार भारत पर निशाना साधते रहे हैं, कि वह 'विभाजनकारी राजनीति और बांग्लादेश विरोधी बयानबाजी में लगा हुआ है। भारत का सत्तारूढ़ वर्ग अल्पसंख्यक विरोधी है।' नाहिद में नकारात्मकता इतनी ज्यादा है, कि ऐसे शख्स से डैमेज कंट्रोल की आशा नहीं की जा सकती। लेकिन, क्या बांग्लादेश का मीडिया सहनशील, और संयमित है? क्या फ़र्जी ख़बरें वहां प्लांट नहीं की जा रहीं? पत्रकार यदि बहुसंख्यक की तानाशाही के विरुद्ध रिपोर्ट लिखें, देखिये उनका क्या हाल होता है। ग़ुलाम रब्बानी नदीम इस साल बांग्लादेश में मारे जाने वाले दूसरे पत्रकार हैं। बांग्लादेश में ब्लॉगर्स की हत्या तो अनगिनत है। पत्रकारों को चुप कराने के लिए 'डिजिटल सुरक्षा कानून-2018' है, जिसके तहत 14 साल तक की जेल हो सकती है। इसलिए, संपादक कारावास या अपने मीडिया आउटलेट के बंद होने का जोखिम उठाने से हिचकते हैं। बांग्लादेश में सिस्टम के खिलाफ कितनी रिपोर्टें छपती हैं? आप डेली स्टार, और दूसरे अख़बारों की रिपोर्टिंग का आकलन कर लीजिये। यही अखबार भारतीय मीडिया पर सवाल उठाकर अपना 'नंबर' बना रहे हैं। बांग्लादेश में प्रेस की आज़ादी, 'रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर' की हालिया रिपोर्ट में देख सकते हैं। 2024 के सूचकांक में 165वें पोज़शिन पर है बांग्लादेश। भारत उससे छह क़दम पीछे, 159वें पायदान पर है। श्रीलंका 150वें, दक्षिण एशिया में सबसे बदतर अफ़ग़ानिस्तान 178वें स्थान पर, नेपाल सबसे बेहतर 74वें स्थान पर दिखता है। 'द डेली स्टार' लगातार भारतीय मीडिया पर सवाल उठा रहा है। सही है, उठाना भी चाहिए। लेकिन, खुद के बहत्तर छेद भी पहले बांग्लादेशी मीडिया को देख लेना चाहिए। इससे हो यही रहा है, कि दोनों देश एक अघोषित मीडिया वॉर में फंस चुके हैं। आगे यह कितना विकृत रूप लेगा, कहना कठिन है। अगस्त, 2020 में अमेरिका के मेरीलैंड यूनिवर्सिटी ने बांग्लादेश में फ़र्जी सूचना देने वाले मीडिया पर एक शोध कराया। शोध पत्र दिलचस्प है। लिखा है, 'सरकार के खिलाफ इन्वेस्टिगेशन करने की हिम्मत पत्रकार नहीं करते। नेता गलत सूचना और नफरत भरे भाषणों को फैलाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर रहे हैं। भारत और म्यांमार, बांग्लादेश के बीच एक सामान्य आयाम, धर्म है। बांग्लादेश : इस्लाम 90 फीसद, भारत : हिंदू धर्म 80 प्रतिशत, म्यांमार : बौद्ध धर्म 88 प्रतिशत। इन सभी देशों में, धार्मिक अल्पसंख्यक अक्सर गलत सूचनाओं की वजह से टारगेट किये जाते हैं।' चार साल में वो स्थिति बदली नहीं है। बल्कि, और बदतर हुई है। 2017 में 'फैक्ट वॉच' की शुरुआत बांग्लादेश के लिबरल आर्ट्स विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन और पत्रकारिता विभाग की पहल के रूप में हुई, जिसे ढाका स्थित अमेरिकन सेंटर से अनुदान मिला। बांग्लादेश का मीडिया कहां ठहरता है, केवल फैक्ट वाच द्वारा दी जानकारी को ही देख लें। इस संस्था ने पाया कि बांग्लादेश में पुरानी सामग्री (फोटो/वीडियो/टेक्स्ट) का दुरुपयोग होता है। झूठे और भ्रामक दावे, चरित्र हनन, एंटीवैक्सीन अभियान, स्रोतों की पुष्टि किए बिना कॉपी-पेस्ट पत्रकारिता, सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने वाले काम सबसे अधिक किए जाते हैं। देश को संभाले हुए मोहम्मद यूनुस के 120 दिन पूरे हो रहे हैं। अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है। ये लोग जून, 2025 तक विश्व बैंक, आईएमएफ, ओपेक फंड से कुल 6 अरब डॉलर पाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अंतरिम सरकार ने कहा है कि विदेशी मुद्रा भंडार पर मौजूदा दबाव को कम करने के लिए आईएमएफ से अतिरिक्त 3 बिलियन डॉलर का ऋण भी हमें चाहिए। बांग्लादेश से एफडीआई वाले हाथ खींच रहे हैं। 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, लिये कटोरा हाथ' वाली स्थिति जारी रही, तो बांग्लादेश एक 'फेल्ड स्टेट' घोषित हो जायेगा।

आप का नजरिया

बौद्ध एवं तिब्बती सर्किट

जनजातीय विकास के महाकुंभ हर साल लगते हैं, मगर योजनाओं के घाट पर आशाएं कपड़े धोती मिलती हैं। अतीत में कई करिश्मे ऐसे भी हुए कि पांगी में जिम्नेजियम तैयार हो गया या हर साल बर्फ में दबी सिंचाई योजनाओं का सीजन विलुप्त हो गया, यानी कि उपयोगिता के इतर भी व्यय होता रहा। मानव संसाधन की दृष्टि से हिमाचल का जनजातीय समाज आज एक बेहतरीन जिंदगी, समृद्ध पृष्ठभूमि, प्रभावशाली व्यक्तित्व और अनुकरणीय ऊर्जा से सराबोर है, लेकिन ऐसी कुछ समानांतर रेखाओं पर भौगोलिक व आर्थिक असमानताओं के बीच खड़े अन्य कई लोग ट्राइबल अधिकारों को तरस रहे हैं। कांगड़ा का बड़ा भंगाल, शिमला का डोडराक्वार और घोषित सिरमौर का गिरिपार क्षेत्र अपनी विडंबनाओं के बावजूद जनजातीय अधिकारों का अलाव नहीं जला पा रहे हैं। खैर बजट आबंटन व आरक्षण के विशेषाधिकार के सूत्र से लिपटे कबायली इलाके हिमाचल की आभा में खासा आकर्षण इसलिए भी पैदा करते हैं, क्योंकि संस्कृति के कई स्रोत आज भी अक्षुण्ण हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अगर ट्राइबल एरिया में बौद्ध सर्किट चलाने का इरादा रखते हैं, तो यह हाई एंड पर्यटन का एक पक्का ठौर और हिमाचल के आकर्षण का सांगोपांग वर्णन भी होगा। हमने इस संदर्भ में इन्हीं कालमों में बार-बार तिब्बती-बौद्ध पर्यटन तथा कबायली पर्यटन के अंतरराष्ट्रीय महत्त्व व हाई एंड टूरिज्म की संभावना में सर्किट बनाने व बसाने की दलीलें दीं, लेकिन पर्यटन के घाट पर राजनीतिक फरमाइशें कहां सोचने का अवसर देती हैं। ऐसे में अगर मुख्यमंत्री सुक्खू सोच रहे हैं, तो यह हिमाचल के पर्यटन का एक और क्षमतावान दरवाजा खुल रहा है। इससे पूर्व पर्यटन की क्षमता में कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार, झीलों की जल क्षमता पर आधारित पर्यटन और अब ट्राइबल व बौद्ध पर्यटन की दिशा में पल्लवित होते इरादे पूरे उद्योग को एक नई दिशा दे सकते हैं। हमें बौद्ध पर्यटन को समझने के लिए दो स्रोत मिलते हैं और इसकी पूर्णता के लिए पारंपरिक मठों व आधुनिक तिब्बती मठों को जोडऩा पड़ेगा, यानी महामहिम दलाई लामा की उपस्थिति से अगर बौद्ध गया व लेह तक काल चक्र व आध्यात्मिक सवेरा हो सकता है, तो यही किरणें धर्मशाला से निकल कर मनाली व उससे आगे लाहुल-स्पीति के ऐतिहासिक महत्त्व में प्रकाशमान हो सकती हैं। कहना न होगा कि दलाई लामा के कारण अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने बौद्ध धर्म की जीवंतता और जीवन की शरण भारत में देखी, लेकिन हिमाचल इस आभा के केंद्र में खुद का संबल नहीं खोज पाया। हम किसी शहर की तंग गलियों में तिब्बती मार्किट या तिब्बती-चाइनीज व्यंजनों की परिभाषा में चंद सिक्के उछालते रहे, जबकि महामहिम की अंतरराष्ट्रीय ख्याति के साक्षी बनकर धर्मशाला से मनाली तक कई तोरणद्वार सजाकर पर्यटन का स्तर ऊंचा कर सकते थे। बेशक 'मोमो' नामकरण ने मकलोडगंज में जन्म लिया और पहली बार भारत का ऐसे व्यंजनों से साक्षात्कार यहीं हुआ, लेकिन न हमारी सरकारों और न ही योजनाओं ने अंदाजा लगाया कि मकलोडगंज में आए बौद्ध संप्रदाय के पुण्य को ट्राइबल बौद्ध संस्कृति के संगम से जोड़ दिया जाए।

पाकिस्तान में छात्र संघ चुनाव पर प्रतिबंध को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, कानून मंत्रालय, उच्च शिक्षा आयोग, प्रांतीय सरकारों को नोटिस

इस्लामाबाद, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में छात्र संघ चुनाव पर लगे प्रतिबंध को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की छह जजों की संवैधानिक पीठ ने दशकों पुराने प्रतिबंध को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया।

पीठ ने कानून मंत्रालय, उच्च शिक्षा आयोग (एचईसी) और प्रांतीय सरकारों को नोटिस जारी कर उन्हें अगली सुनवाई में अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

बैरिस्टर जफरुल्लाह खान और बैरिस्टर उमर इजाज गिलानी के माध्यम से आईजेटी ने दोनों याचिका दायर की हैं। इनमें एक याचिका एलयूएमएस के छात्र नेता हमजा ख्वाजा की है। याचिकाओं में कैंपस हिंसा पर अंकुश लगाने के बहाने छात्र राजनीति पर प्रतिबंध लगाने वाले 1993 के फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया गया।

याचिकाओं में दावा किया कि छात्र राजनीति पर प्रतिबंध अनुच्छेद 17 के जरिए गारंटीकृत संघ बनाने के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। तर्क दिया गया है कि 1993 के फैसले के बाद से संवैधानिक संशोधनों ने मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष कर दी है।

एक छात्र, जो कानूनी रूप से वोट देने का हकदार है, को संघ बनाने या राजनीतिक संघ के अन्य रूपों में हिस्सा लेने से कैसे रोका जा सकता है। यह भी कहा गया है कि कैंपस राजनीति लोकतांत्रिक मूल्यों के पोषण और भविष्य के नेतृत्व को विकसित करने का माध्यम है।

दलील दी गई है कि यह मामला सार्वजनिक महत्व का है, क्योंकि प्रतिबंध पूरे देश में छात्रों को प्रभावित करता है। इस बीच, संवैधानिक पीठ ने चुनाव अधिनियम 2017 में संशोधनों के पूर्वव्यापी कार्यान्वयन के लिए पीटीआई की चुनौतियों पर सुनवाई स्थगित कर दी।

न्यूज ब्रीफ

चीन में जमीन धंसी, 13 मजदूर लापता

बीजिंग। चीन के एक शहर में जमीन का बड़ा हिस्सा धंस जाने से 13 मजदूर लापता हो गए। यह हादसा दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के शेनझेन में हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने आज कहा कि रात लगभग 11 बजे शेनझेन में रेलवे परियोजना के एक निर्माण स्थल पर अचानक जमीन का बड़ा हिस्सा धंस गया। इस हादसे में 13 लोग लापता हो गए। यह सभी मजदूर हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बाओआन जिले के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो के हवाले से कहा कि यह हादसा शेनझेन-जियांगमेन रेलवे के एक खंड के निर्माण स्थल पर हुआ। राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। आसपास के निवासियों को हटा दिया गया है। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

पाकिस्तान के कई शहरों में 5.1 तीव्रता का भूकंप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर, गुजरात और पंजाब के कई अन्य शहरों में आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.1 दर्ज की गई। लोग घबराकर अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए।भूकंप के झटके झेलम, कमालिया, खानेवाल के साथ चिचावतनी, भलवाल, चिनिओट और हफीजाबाद सहित क्षेत्रों में महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र खारियन के पास 15 किलोमीटर की गहराई में मापा गया। पाकिस्तान मौसम विज्ञान केंद्र के महानिदेशक ने कहा, पंजाब के प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप से किसी भी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई है। प्रशासन सक्रिय रूप से इमारतों का निरीक्षण कर रहा है।

ट्रंप की धमकी का दिखने लगा असर रिहा होंगे इजराइली बंधक, मिस्र से होगी चर्चा

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी का असर दिखाई देने लगा है। उम्मीद की

जा रही है कि इजराइली बंधकों को हमास जल्द ही रिहा कर सकता है इसके लिए मिस्र से भी बातचीत की जाएगी,इसके बाद रिहाई की तारीख बताई जाएगी। हिज़्बुल्लाह जो कि दुनिया की सबसे अत्याधुनिक हथियारों से लेस एक आतंकी संगठन है उसने इजराइली सेना को जंग में कड़ी टक्कर दी। और अमेरिका को बीच बचाव करा कर सीजफायर कराना पड़ा लेकिन ये जंग शुरू जिस वजह से हुई थी वो अब भी जस के तस है यानी कि गाजा में हमास के खिलाफ जंग जारी है। अब ट्रंप की धमकी के बाद बातचीत की कोशिश फिर से शुरू हो रही है। इज़राइली मीडिया ने क़तर की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि इजरायली सुरक्षा एजेंसी के निदेशक रोनेन बार की अगुवाई में एक इजरायली प्रतिनिधिमंडल हमास के साथ नए सिरे से बंधक वार्ता के लिए गुरुवार को मिस्र की जाएगा। और बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत करेगा। इससे पहले कई बार मिस्र ,कतर, अमेरिका ने इज़रायल और हमास के बीच भी सीजफायर को लेकर कई दौर की बातचीत भी की, लेकिन बात नहीं बनी। हिज़्बुल्लाह के साथ सीजफायर एग्रीमेंट के बाद से हमास भी इस फ़िराक़ में था कि इज़राइल के साथ उसका भी सीजफायर हो जाए और इसके संकेत भी दिए गए थे । इज़राइली मीडिया के मुताबिक़ फ़िलिस्तीनी टेरर ग्रुप ने मिस्र,कतर,तुर्की को संदेश भेजकर हमास के क़ब्ज़े में इज़राइली बंधकों की वापसी के बदले सीज फायर पर सहमति की बात कही गई है। हांलकि हमास को भी पता है कि जब तक बंधक उसके कब्जे में है तक तक इजरायल की गर्दन उसके हाथ में एसे में वो अपनी सभी डिमांड पूरी करवा लेना चाहता है। जिसमें बंधकों की रिहाई के बदले युद्ध खत्म करना, गाजा से इजरायल की पूरी तरह वापसी और इज़राइल की जेल में बंद फ़िलिस्तीनी क़ैदियों को छोड़ा जाना शामिल है। वहीं प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 7 अक्टूबर को हुए हमले के बाद ये साफ़ कहा कि जब तक हमास का पूरी तरह से खात्मा नहीं हो जाता तब तक युद्ध जारी रहेगा। हांलाकि इज़राइल की तरफ़ से हमास के सामने पाँच बार बंधकों की रिहाई के लिए प्रस्ताव रखे गए लेकिन हर प्रस्ताव को ख़ारिज कर दिए गए।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश

रियोल, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर शाम करीब सात बजे मतदान होगा। कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने गुरुवार को कहा कि इसी के साथ प्रथम महिला किम केओन ही की स्वतंत्र जांच शुरू करने के विधेयक पर भी मतदान किया जाएगा। पूर्ण सत्र की अध्यक्षता नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन-शिक ने की।

डेमोक्रेटिक पार्टी और पांच अन्य छोटे विपक्षी दलों ने गुरुवार को लगभग 12: 50 बजे शुरू हुए नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र में राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने का प्रस्ताव पेश किया। इससे पहले नेशनल असेंबली ने बुधवार को लगभग एक बजे सर्वसम्मति से वोट के माध्यम से येओल की आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा को रद्द कर दिया था। महाभियोग प्रस्ताव पर 191 विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी ने पूर्ण बैठक का बहिष्कार किया।उल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने महज छह घंटे बाद कल तड़के आपातकालीन मार्शल लॉ को हटाने की घोषणा की। नेशनल असेंबली में आपातकालीन मार्शल लॉ के खिलाफ हुए मतदान के बाद उन्होंने यह फैसला लिया था। येओल के इस फैसले के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए थे। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा था कि वह राष्ट्रपति यूं सुक येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। इसे गुरुवार को होने वाले पूर्ण सत्र में पेश किया जाएगा।द कोरिया हेराल्ड समाचार पत्र ने देश के इस राजनीतिक घटनाक्रम पर कल विस्तार से खबर दी। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति येओल ने छह घंटे की अराजकता के बाद आपातकालीन मार्शल लॉ समाप्त करने की घोषणा की। राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने मार्शल लॉ हटाने के लिए संसद (नेशनल असेंबली) के अनुरोध को सुबह स्वीकार किया। उन्होंने स्वीकार किया कि मार्शल लॉ की उनकी आश्चर्यजनक घोषणा अल्पकालिक थी। राष्ट्रपति ने सुबह लगभग 4: 20 बजे टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, मैं नेशनल असेंबली के अनुरोध को तुरंत स्वीकार करूंगा और कैबिनेट के माध्यम से मार्शल लॉ हटाऊंगा।

सीरिया में विद्रोह के बीच हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों का हामा के ग्रामीण क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण

दमिश्क। सीरिया में विद्रोह के बीच अब अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने हामा गवर्नरेट के ग्रामीण क्षेत्र के बड़े हिस्से में नियंत्रण कर लिया। इससे पहले लड़ाके सीरिया के महत्वपूर्ण अलेप्पो गवर्नरेट और इदलिब पर नियंत्रण की घोषणा कर चुके हैं।अरबी न्यूज वेबसाइट 963+ के अनुसार, हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों ने कई स्थानों पर सरकारी सुरक्षा बलों को पीछे लौटने पर विवश कर दिया। हामा मध्य सीरिया का रणनीतिक शहर है। यह अलेप्पो को दमिश्क से जोड़ता है। इसका क्षेत्रफल अनुमानित 9,000 वर्ग किलोमीटर है। इसके पतन का मतलब है कि सीरिया एक बड़ा भौगोलिक क्षेत्र हयात तहरीर अल-शाम के नियंत्रण में आ जाएगा। एक स्थानीय सूत्र ने 963+ को बताया कि लड़ाकों और सशस्त्र विपक्षी गुटों ने उत्तरी और पूर्वी हामा ग्रामीण इलाकों के दर्जनों गांवों पर नियंत्रण कर लिया है। अब उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी हामा पर नियंत्रण के लिए संघर्ष चल रहा है। इस बीच, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि सीरिया के सरकारी बलों के जवाबी हमले के बाद हामा शहर के पास माउंट जैन अल-अबिदीन को लड़ाकों से मुक्त करा लिया गया।अम्मान के सैन्य और रणनीतिक विशेषज्ञ निदाल अबू जैद का कहना है कि हामा पर नियंत्रण के बाद राजधानी दमिश्क एक तरह से घिर जाएगी। इस बीच उत्तरी सीरिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए इराक ने सीरिया के साथ अपनी सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी है।

फ्रांस सरकार गिरी : बार्नियर के खिलाफ इतना गुस्सा कि गिराने के लिए 288 वोट की जरुरत थी मिले 331

पेरिस, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

फ्रांस में प्रधानमंत्री बार्नियर सरकार के खिलाफ इतना गुस्सा था कि उनकी सरकार गिराने के लिए महज 288 वोटों की जरुरत थी। जबकि 331 वोट सरकार गिराने के पक्ष में डाले गए। बार्नियर की सरकार बुधवार को संसद में अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद गिर गई। साल 1962 के बाद यह पहला मौका है जब फ्रांस में इस तरह से किसी सरकार को संसद भवन में तमाम विपक्षी दलों ने मिलकर बाहर का रास्ता दिखाया हो।

फ्रांस यूरोपीय यूनियन में दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में जाना जाता है। ऐसे में फ्रांस के इस घटनाक्रम ने दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींचा है। फ्रांस के दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों ने मौजूदा सरकार को बाहर का रास्ता दिखाया। फ्रांस की संसद में अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में कुल 331 सांसदों ने वोट डाला।

वहीं, सरकार को गिराने के लिए महज 288 वोट की जरूरत थी। फ्रांस की संसद के निचले सदन, नेशनल असेंबली में बहुत ज्यादा मतभेद हैं, जिसमें किसी भी एक पार्टी को बहुमत नहीं है। इसमें तीन प्रमुख ब्लॉक शामिल हैं। पहला मैक्रोन के सहयोगी, दूसरा- वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट और तीसरा- फार-राइट नेशनल रैली। दोनों विपक्षी ब्लॉक, जो आमतौर पर एक-दूसरे से असहमत होते हैं, बार्नियर के खिलाफ एकजुट हो गए। वोट के बाद नेशनल रैली की नेता मरीन ले पेन ने कहा कि हमारे पास एक विकल्प था, और हमारा विकल्प फ्रांस को जहरीले बजट से बचाना है। उधर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जोर देकर कहा कि वह 2027 तक अपना बाकी बचा कार्यकाल पूरा करेंगे। हालांकि यह भी एक सच है कि जुलाई के चुनावों के बाद संसद में भारी मतभेद को देखते हुए उन्हें दूसरी बार नया प्रधानमंत्री नियुक्त करना होगा। माना जा रहा है कि बार्नियर तब तक औपचारिक तौर पर इस्तीफा दे देंगे। बार्नियर आधुनिक दौर में फ्रांस के सबसे कम समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। फ्रांस में सरकार गिरने के शुरुआती घटनाक्रम में पहले विपक्षी नेताओं ने बार्नियर सरकार के बजट का विरोध करना शुरू किया। इसी बीच मामला इतना बढ़ गया कि अविश्वास प्रस्ताव लाया गया और जिसके बाद सरकार गिर गई। बार्नियर ने अपने भाषण में कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि फ्रांस और फ्रांस की गरिमा के साथ सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रहेगी।

दक्षिणी गाजा पट्टी में राहत शिविर पर इजराइल का हमला 20 लोगों की मौत, दर्जनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया

गाजा, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस स्थित राहत शिविर पर इजरायल ने हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 20 फिलिस्तीनी मारे गए। इस हमले के परिणामस्वरूप स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली युद्धक विमानों ने मवासी क्षेत्र में राहत शिविर पर मिसाइल से हमला किया। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार गाजा में फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस ने जारी किया एक प्रेस बयान, जिसमें कहा गया कि इजरायली हमले के बाद वहां की टीम आग बुझाने की कार्रवाई कर रही है। चिकित्सकों ने बताया कि बचाव दल ने पांच बच्चों सहित 20 मृतकों के शव निकाले और दर्जनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यह हमला उस इलाके पर किया गया है जिसे इजराइल ने मानवीय तौर पर सुरक्षित घोषित किया था। एक पूर्व विपक्षी मजहबी राजनीतिज्ञ ने इस हमले को अभावनीय बताया, जबकि इजराइली सेना ने अब तक किसी भी आधिकारिक टिप्पणी से इनकार

किया है। यह हमला आतंकवाद और हिंसा को बढ़ावा देने वाला है और राष्ट्रों के बीच एक और विवाद का केंद्र बन गया है। इससे अधिक दुर्भावनाजनक संघर्ष से बचने के लिए अब तक के होनहार दोनों पक्षों को शांति प्रक्रियाओं के संदेश देने की आवश्यकता है।

विरोध प्रदर्शन

सियोल में एक पूर्व नौसैनिक राष्ट्रपति यून सुक योल को हटाये जाने की मांग करते हुए विरोध पदर्शन के दौरान अपने बाल कटाते हुए।

मेनका गांधी ने नेपाल के उपराष्ट्रपति को पत्र लिखा, गढ़ीमाई मेले में शामिल न होने की अपील

काठमांडू, 05 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने नेपाल के उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव को पत्र लिखकर बारा जिले के गढ़ीमाई में हर पांच साल में लगने वाले मेले में न शामिल होने की अपील की है। उन्होंने यह आग्रह इसलिए किया है, क्योंकि इस मेले में पशु बलि का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

भारत में पशु अधिकार के लिए लंबे समय से कार्य कर रही मेनका गांधी के प्रेस सलाहकार दिनेश यादव ने गढ़ीमाई मेले में पशु बलि कार्यक्रम के पूर्व यह पत्र लिखे जाने की जानकारी दी है। गढ़ीमाई में जिस स्थान पर मेला लगेगा, वह उपराष्ट्रपति यादव का गृह क्षेत्र है।

इस मेले के उद्घाटन के लिए 7 दिसंबर को नेपाल के उपराष्ट्रपति बतौर प्रमुख अतिथि जाने वाले हैं। मेनका गांधी की ओर से उपराष्ट्रपति यादव को लिखे पत्र में नेपाल के सर्वोच्च

न्यायालय की ओर से सन 2019 में दिए गए आदेश का हवाला देकर कार्यक्रम में शामिल न होने का अनुरोध किया गया है। गांधी ने पत्र भेज कर कहा कि अगर वह संगठित और दर्दनाक तरीके से जानवरों की सामूहिक बलि देने की परंपरा के दौरान मौजूद रहते हैं तो इससे उन गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है, जो उनके देश के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हैं।

दरअसल, नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में पशु बलि को तुरंत रोकने से इंकार कर दिया था, लेकिन आदेश दिया था कि गढ़ीमाई मेले के दौरान होने वाले पशु बलि को धीरे-धीरे कम किया जाए। हालांकि, कोर्ट का कहना था कि यह धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा मामला है, इसलिए इससे जुड़े लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं किया जा सकता है।

हालांकि, इस आदेश के बाद भी उसी वर्ष लगभग 2.5 लाख पुश पक्षियों की बलि दी गई। गांधी ने पत्र में कहा कि मैं नेपाल की सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करती हूं, लेकिन साथ ही हमें मानव की संवेदनशीलता और करुणा के हमारे मूल सिद्धांत की देखभाल करने की वैश्विक सहमति को भी स्वीकार करना चाहिए, जो हमारी सभ्यता को दर्शाता है।

गढ़ीमाई मेला गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी सबसे अधिक सामूहिक बलि प्रथा के रूप में दर्ज है। यहां सबसे पहले बनारस के डोम राज के यहां से आने वाले 5100 पशुओं की बलि दी जाती है। करीब एक महीने तक चलने वाले इस मेले में नेपाल और भारत से प्रत्येक दिन करीब 5 लाख से अधिक दर्शनार्थी आते हैं। भारत और नेपाल के लोगों की इस मंदिर के प्रति अगाध श्रद्धा है और मान्यता यह है कि अपनी मनोकामना पूरी होने पर लोग यहां पर पशु बलि देते हैं। इस वर्ष 4 से पांच लाख तक पशु बलि होने और दस दिनों तक चलने वाले मेले में प्रत्येक दिन 10 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में भारतीय महिला टीम को हराया,मेगन स्कट ने झटके पांच विकेट

नई दिल्ली, 05 दिसंबर(एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से आसान जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

जीत की नींव ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने रखी, जिन्होंने पहले भारत को सिर्फ़ 100 रन पर ढेर कर दिया और फिर इसके बाद 33 ओवर शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

तेज गेंदबाज मेगन स्कट ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए पहली बार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में पांच विकेट चटकाए, जिससे भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में केवल 100 रनों पर ढेर हो गई। भारत के लिए जेमिमा रौड्रिग्स ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। जेमिमा के अलावा हरलीन देओल ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 17 रन बनाए। 101 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से ओपनर फोबे लिचफील्ड ने 29 गेंदों में 35 रनों की पारी खेली। उनकी पारी में दो ओवरों में लगातार छह चौके शामिल थे, जिससे घरेलू टीम लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही थी। हालांकि रेणुका ठाकुर ने तीन विकेट लेकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की, लेकिन डेब्यू कर रही ओपनर जॉर्जिया वोल ने दबाव का सामना करते हुए 42 गेंदों में नाबाद 46 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को आसान जीत दिलाई।

अभ्यास सत्र में शॉर्टपिच गेंदों को बैकफुट पर खेलते नजर आये रोहित

एडीलेड। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से दूसरे टेस्ट से वापसी करेंगे। इसी को देखते हुए रोहित ने अभ्यास सत्र में भी काफी समय बिताया। रोहित पिछले कुछ समय से फार्म में नहीं हैं। प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मैच में भी वह रन नहीं बना पाये। इससे उनपर दबाव साफ देखा जा सकता है। रोहित ने नई और पुरानी दोनों ही गेंदों से अभ्यास किया। इस दौरान वह ज्यादातर शॉर्टपिच गेंदों को बैकफुट पर खेलने की प्रैक्टिस कर रहे थे। सब जानते हैं कि रोहित बैकफुट पर अच्छे पुल और हुक शॉट लगाते हैं। इसके बाद भी वह छोटी गेंदों पर रक्षात्मक शॉट खेलते नजर आए क्योंकि वे जानते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज उन्हें बाउंसरों से निशाना बना सकते हैं।

न्यूज़ब्रीफ

राशिद और नबी ने की अफगानिस्तान में महिला शिक्षा अधिकार के बहाली की अपील

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट के सबसे बड़े नाम राशिद खान और मोहम्मद नबी ने तालिबान द्वारा नर्स और दाइयों के रूप में प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं के लिए संस्थानों को बंद करने की कथित रूप से कड़ी आलोचना की है। अगस्त 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों के लिए ये बंदिशें एक नया झटका हैं। तालिबान ने लड़कियों और महिलाओं के लिए माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगा दिया है, हालाँकि अब तक चिकित्सा क्षेत्र में छूट मौजूद थी। लड़कियों और महिलाओं के खेल में भाग लेने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिससे आईसीसी के पूर्ण सदस्य के रूप में अफगानिस्तान की स्थिति लगातार जांच के दायरे में आ गई है। राशिद ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, इस्लाम में शिक्षा का केंद्रीय स्थान है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ज्ञान की खोज पर जोर देती है। कुरान सीखने के महत्व पर प्रकाश डालता है और दोनों लिंगों के समान आध्यात्मिक मूल्य को स्वीकार करता है। अफगानिस्तान की बहनों और माताओं के लिए हाल ही में शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों के बंद होने पर मैं बहुत दुख और निराशा के साथ विचार करता हूं। इस निर्णय ने न केवल उनके भविष्य को बल्कि हमारे समाज के व्यापक ताने-बाने को भी गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से वे जो दर्द और दुख व्यक्त करते हैं, वह उनके सामने आने वाले संघर्षों की मार्मिक याद दिलाता है। उन्होंने आगे कहा, अफगानिस्तान, हमारी प्यारी मातृभूमि, एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। देश को हर क्षेत्र में पेशेवरों की सख्त जरूरत है, खासकर चिकित्सा क्षेत्र में। महिला डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि यह सीधे तौर पर महिलाओं की स्वास्थ्य सेवा और सम्मान को प्रभावित करती है। हमारी बहनों और माताओं के लिए यह ज़रूरी है कि उन्हें ऐसे चिकित्सा पेशेवरों द्वारा प्रदान की जाने वाली देखभाल तक पहुँच मिले जो वास्तव में उनकी जरूरतों को समझते हों। मैं ईमानदारी से इस फ़ैसले पर पुनर्विचार करने की अपील करता हूँ ताकि अफगान लड़कियाँ शिक्षा के अपने अधिकार को पुनः प्राप्त कर सकें और देश के विकास में योगदान दे सकें।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: बड़ौदा ने टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाया, सिक्किम के खिलाफ बनाए 349 रन

नई दिल्ली। बड़ौदा ने गुरुवार को इंदौर में सिक्किम के खिलाफ़ 20 ओवर में पांच विकेट पर 349 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर हासिल किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ ही वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 300 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम भी बन गई। इससे पहले, जिम्बाब्वे के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक (344 रन) टीम स्कोर का रिकॉर्ड दर्ज था, जो उन्होंने इस साल अक्टूबर में गाम्बिया के खिलाफ बनाए थे। बड़ौदा टीम की अगुआई बल्लेबाज भानु पनिया ने की, जो सिर्फ 51 गेंदों पर 134 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिमन्यु सिंह, विष्णु सोलंकी और शिवालिक शर्मा ने भी अर्धशतकों के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हॉकी इंडिया ने की जूनियर एशिया कप जीतने पर भारतीय टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को मस्कट, ओमान में पुरुष जूनियर एशिया कप के

उच्च स्कोर वाले फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। की इंडिया ने पुरुष जूनियर एशिया कप में खिताब की रक्षा और शानदार प्रदर्शन के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। भारत के लिए अराजित सिंह हुंदल (4, 18, 47, 54) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और चार गोल किये, जबकि दिलराज सिंह (19) ने भी एक गोल का योगदान दिया। दूसरी ओर, पाकिस्तान के कप्तान शाहिद हन्नान (3) और सुफयान खान (30, 39) ने गोल किया। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड पांच बार ट्रॉफी उठाई है, जिसमें 2023, 2015, 2008 और 2004 में उनकी पिछली जीत शामिल है।

एडिलेड टेस्ट

गुलाबी गेंद पर अपना वर्चस्व कायम रखना चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

एडिलेड, 05 दिसंबर(एजेंसियां)।

एडिलेड में गुरुवार को दिन के अधिकांश समय तेज धूप और शुष्क गर्मी रही, लेकिन उसके बाद बादल छा गए। हवा शांत थी और पब्लिक-एड्रेस सिस्टम के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान बजाए गए, जो शुक्रवार दोपहर से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन-रात के टेस्ट की तैयारियों का हिस्सा था।

पहले दिन कुछ स्थानों पर आंधी-तूफान आने का पूर्वानुमान है, लेकिन इससे कोई खास असर नहीं पड़ेगा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में भारत 1-0 से आगे है, रोहित शर्मा की टीम इस बढ़त को बरकरार रखना चाहती है, क्योंकि इस मैदान पर पहले से ही मिश्रित संकेत मिल रहे हैं।

सुनील गावस्कर, संदीप पाटिल, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, अजीत अगरकर और विराट कोहली यहां अलग-अलग मौकों पर हीरो रहे हैं। हालांकि पिछली बार भारतीय टीम यहां केवल 36 रनों पर सिमट गई थी।

इस हालिया मुकाबले से पहले, इस बात पर गहन चर्चा हुई है कि गुलाबी गेंद रोशनी में कैसे चलेगी और गोधूलि के समय में क्या मुश्किल होगा। भारत ने अपने चार दिन-रात के टेस्ट मैचों में से तीन जीते हैं और ये सभी जीत घरेलू परिस्थितियों में आए थे।

2020 में एडिलेड में एकमात्र विदेशी मुकाबला हारने के बाद, मेहमान टीम के पास अपनी गलतियों को सुधारने का मौका है।

रोहित और शुभमन गिल की वापसी से भारतीय टीम मजबूत दिख रही है। रोहित ने यह पुष्टि कर दी है कि केएल राहुल यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करेंगे। भारतीय कप्तान ने कहा कि दोनों ने पर्थ में शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया और टीम के हित में, यह बेहतर है कि वह खुद मध्य क्रम में खेलें।

पर्थ की तरह भारत आर. अश्विन और रवींद्र जडेजा के बिना मैदान में उतरेगा या नहीं, यह देखना अभी बाकी है। भारत के लिए पहले टेस्ट में कोहली की नाबाद 100 रन की पारी, जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी और दो डेब्यू करने वाले हर्षित राणा और नितीश कुमार का प्रदर्शन, ये सभी मनोवैज्ञानिक रूप से फायदेमंद हैं।

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर दबदबा बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, भले ही भारत ने पिछले दो दौरों पर सीरीज जीतकर इस धारणा को तोड़ दिया हो, लेकिन इस बार पैट कमिंस और उनकी टीम जीत के लिए बेताब है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने मैच के पहले कहा, पहले टेस्ट के बाद हमें लंबा ब्रेक मिला था और अब यह दूसरा टेस्ट हमारे लिए पहला टेस्ट जैसा लग रहा है।

पर्थ में 295 रनों की हार ने ऑस्ट्रेलिया में बाहरी आलोचनाओं को बढ़ावा दिया, लेकिन मेजबान टीम इन बातों को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहती। हालांकि, चिंता बनी हुई है क्योंकि मध्यक्रम के मजबूत बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

गेंदबाजों में, स्कॉट बोलैंड, जो चोटिल जोश हेजलवुड की जगह लेंगे, के पास अपेक्षित कौशल है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास एक शक्तिशाली सीम अटैक है जबकि ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भी योगदान देंगे।

हैमिल्टन और मर्सिडीज: उपलब्धियों और यादों के 12 साल का सफर हुआ समाप्त

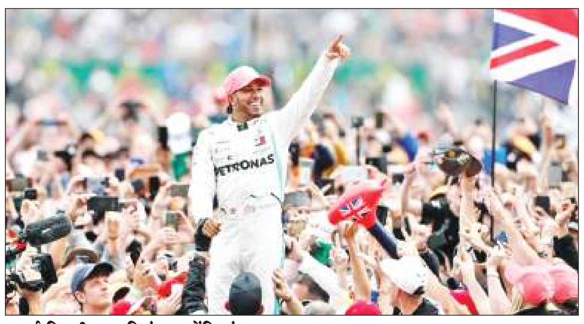

नई दिल्ली, 05 दिसंबर(एजेंसियां)।

लुईस हैमिल्टन इस सप्ताहांत अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स में मर्सिडीज के लिए अपनी अंतिम रेस में भाग लेंगे, क्योंकि वह 2025 सीज़न के लिए फेरारी में स्थानांतरित हो रहे हैं।

सात बार के विश्व चैंपियन ने 12 साल के कार्यकाल के बाद सिल्वर एरो को अलविदा कहेंगे, जिसके दौरान टीम ने आठ कंस्ट्रक्टर्स टाइटल (2014-21) जीते, और हैमिल्टन ने छह ड्राइवर्स क्राउन (2014, 2015, 2017, 2018, 2019, 2020) जीते।

मर्सिडीज ने 2014 में अपनी पहली कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीती और 50 से अधिक वर्षों के अंतराल के बाद ग्रिड में फिर से प्रवेश किया।

हैमिल्टन ने उसी वर्ष मर्सिडीज के साथ अपना पहला ड्राइवर खिताब जीता, 2008 में मैक्लेरेन के साथ अपना पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका दूसरा खिताब था। उनके टीम के साथी निको रोसबर्ग ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, और दूसरे स्थान पर रहे।

ब्रिटिश ड्राइवर ने 2016 में भी जीत हासिल की, जबकि रोसबर्ग एक बार फिर उनसे पीछे रहे। हालांकि, 2016 में खिताब की लड़ाई टीम के साथियों के बीच काफी संघर्षपूर्ण रही, जिसमें जर्मन ने हैमिल्टन को पांच अंकों से हराया।

रोसबर्ग अपनी शानदार उपलब्धि के बाद हैमिल्टन के साथ वाल्टेरी बोटास शामिल हुए, इस जोड़ी ने मैदान पर अपना दबदबा बनाया और 2017-2021 तक टीम को लगातार पांच खिताब दिलाए, एक ऐसा दौर जिसमें हैमिल्टन ने माइकल शूमाकर के सात चैंपियनशिप के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए लगातार चार ड्राइवर खिताब (2017-2020) जीते। 2021 में, वह एक बार फिर आगे चल रहे थे, लेकिन उनका सामना रेड बुल के कट्टर प्रतियोगी और अंततः चार बार के विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन से हुआ। इस सीज़न के आखिरी मुक़ाबले में एक विवादास्पद अंत हुआ जिसमें वेरस्टैपेन ने हैमिल्टन को एक अंक से हराया जबकि मर्सिडीज ने अपना खिताब बरकरार रखा। इसके बाद, मर्सिडीज रैंकिंग में नीचे गिर गई और हैमिल्टन का फ़ॉर्म भी उसके साथ ही गिर गया। यह शीर्ष टीमों के साथ बने रहने में विफल रही है और तीन सालों में सिर्फ़ पाँच रेस जीत पाई है, जिसमें 2023 में एक भी जीत दर्ज नहीं की गई। 39 वर्षीय हैमिल्टन ने अपने डब्ल्यू 15 के साथ एक भूलने वाला सीज़न बिताया है, वह अक्सर अपनी निराशा व्यक्त करते रहे हैं।

गोवा ने लगाई जीत की हैट्रिक, हैदराबाद एफसी के खिलाफ बटोरे पूरे तीन अंक

हैदराबाद, 05 दिसंबर(एजेंसियां)।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में हैदराबाद एफसी का अपने घरेलू मैदान जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में हारने का सिलसिला जारी है। मेजबान टीम को अपने घर पर खेले चौथे मैच में भी हार मिली, जब एफसी गोवा ने बुधवार रात आईएसएल 2024-25 में जीत की हैट्रिक पूरी करते हुए मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

एफसी गोवा की जीत में राइट विंगर उदांता सिंह ने 33वें और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने 44वें मिनट में गोल किए। स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना को दूसरा गोल करने और मिडफील्ड में दमदार खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

एफसी गोवा 10 मैचों में पांच जीत, तीन ड्रा और दो हार से 18 अंक लेकर तालिका में छठे से तीसरे स्थान पर आ गई है।

वहीं, अपनी टीम की लगातार तीसरी हार से हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो जरूर निराश होंगे। हैदराबाद एफसी 10 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और सात हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर बनी हुई है।

यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11वां मुकाबला था और आज एफसी गोवा ने छठी बार

जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद ने तीन मैच जीते हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।

मैच का पहला गोल 33वें मिनट में आया, जब राइट विंगर उदांता सिंह ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया।

44वें मिनट में स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने गोल करके एफसी गोवा की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। पहले हाफ में दबदबा एफसी गोवा का रहा क्योंकि राइट विंगर उदांता सिंह और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना के गोल की बदौलत बढ़त बनाई और उसे बरकरार रखा। लिहाजा, एफसी गोवा 2-0 की बढ़त के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गई। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण एफसी गोवा का 62 फीसदी रहा। गोवा ने छह प्रयास किए और दो शॉट टारगेट पर रखे, जिन पर गोल आए।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया

वेलिंगटन, 05 दिसंबर(एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड ने गुरुवार को वेलिंगटन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आगामी दूसरे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन घोषित कर दी है। टीम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है और उसी टीम को बरकरार रखा गया है, जिसने पहला टेस्ट मैच खेला था।

इससे पहले क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट में, इंग्लैंड ने आठ विकेट से जीत हासिल की, जिससे उन्हें कीवी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने में मदद मिली।

आईसीसी के अनुसार, अपने पिछले 47 टेस्ट मैचों में, कीवी टीम ने आगामी वेलिंगटन टेस्ट सहित केवल तीन बार अपरिवर्तित टेस्ट एकादश की घोषणा की है।

इस बीच, इंग्लैंड ने भी एक अपरिवर्तित प्लेइंग इलेवन की घोषणा की है।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने पहले टेस्ट में अपनी टीम के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्होंने फील्डिंग पर अतिरिक्त ध्यान नहीं दिया।

लैथम ने कहा, हमने इस पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया है। हम समझते हैं कि हम पिछले गेम में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हम चीजों को यथासंभव बराबर रखने की

कोशिश करते हैं। हम हमेशा पर्दे के पीछे से काम करते हैं, भले ही चीजें हमारे पक्ष में हों या नहीं। पिछले कुछ दिन अलग नहीं रहे हैं, और खिलाड़ी इस खेल के लिए तैयार होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन: टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, टिम साउथी, मैट हेनरी, विल ओरुरके।

ऐतिहासिक अबू धाबी टी10 के सबसे बड़े सीजन का हुआ समापन, 140 अंतरराष्ट्रीय सितारों ने बिखेरा जलवा

अबू धाबी, 05 दिसंबर(एजेंसियां)।

डेक्कन ग्लेडियेटर्स के चैंपियन बनने के साथ ही 2 दिसंबर को अबू धाबी टी10 लीग 2024 का समापन हो गया, खिताबी मुकाबले में डेक्कन ग्लेडियेटर्स ने मॉरिसविले सैंप आर्मी को आठ विकेट से हराकर खिताब जीता।

आठवें सीजन में टूर्नामेंट की लोकप्रियता काफी बढ़ गई, जिसमें जोस बटलर, निकोलस पूरन, ट्रेंट बोल्ट और कीरोन पोलार्ड जैसे कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और दुनिया भर के प्रशंसकों ने वैश्विक प्रसारण के माध्यम से सबसे छोटे प्रारूप का आनंद लिया।

ग्लेडियेटर्स अब टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम है क्योंकि उन्होंने इस सीज़न में अपना रिकॉर्ड तीसरा खिताब जीता है। उनके तीन खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के अंत में महत्वपूर्ण पुरस्कार भी जीते, जिसमें उनके स्टार बल्लेबाज और इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने 224.07 की स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता।

सलामी बल्लेबाज टॉम कोहलर-कैडमोर को 222 रन

बनाने के लिए टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया, जबकि रिचर्ड ग्लीसन को 10.07 की इकॉनमी से 14 विकेट लेने के लिए टूर्नामेंट का गेंदबाज चुना गया। स्थानीय खिलाड़ी शाहिद भुट्टा, जिन्होंने 10.93 की इकॉनमी से 10 विकेट लिए, को यूएई प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

इस सीज़न में टूर्नामेंट के इतिहास में टीमों का सबसे बड़ा पूल भी देखा गया जिसमें दो नई टीमों- यूपी नवाब और अजमान बोल्ट को रोस्टर में जोड़ा गया। टूर्नामेंट के इतिहास में पहला शतक भी इसी सीज़न में लगा जब शेरफेन रदरफोर्ड ने नॉर्दर्न वॉरियर्स के खिलाफ 40 गेंदों में नाबाद 103 रन बनाए।

वैश्विक प्रसारकों के सहयोग से टूर्नामेंट का प्रसारण कई देशों में किया गया। इसमें डिज़्नी स्टार के साथ दो साल का करार भी शामिल था, जिसने भारतीय आबादी के लिए अंग्रेजी, हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में टूर्नामेंट का प्रसारण किया।

इस टूर्नामेंट में अपने इतिहास में सबसे बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी देखी गई क्योंकि इस सीज़न में विभिन्न देशों के करीब 140 खिलाड़ी एक्शन में थे।

यूएई क्रिकेट खिलाड़ी रोहान मुस्तफा, जो अबू धाबी में एक फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने वाले पहले स्थानीय खिलाड़ी बने, ने कहा, बेशक, टी10 एक प्रमुख टूर्नामेंट है और आयोजकों ने इसे काफी अच्छे से प्रबंधित किया है। मैंने भी इसे शुरू से खेला है और यह पहली लीग है जिसमें यूएई के स्थानीय खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसी लीग, जो एक्शन से भरपूर भी होती हैं, हमें खुश और अधिक भावुक बनाती हैं। ऐसे टूर्नामेंट देखने के बाद युवा इस खेल के प्रति और अधिक शौकीन हो जाते हैं।

समापन समारोह में टी टेन ग्लोबल के अध्यक्ष शाजी उल मलिक ने कहा, टूर्नामेंट अब पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के सबसे बड़े पूल के साथ समाप्त हो गया है। 12 दिनों के पावर-पैक एक्शन में 40 मैचों में 140 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया और उन अंतरराष्ट्रीय सितारों के कौशल से बेहतर कुछ भी नहीं, जो उन्होंने इस लीग में प्रदर्शित किया।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, सोने-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,05 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना बुधवार के भाव पर ही कारोबार कर रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

सिग्नेचर ग्लोबल का बड़ा कदमः नोएडा और ग्रेटर नोएडा में नई उत्थान योजना कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ की बिक्री बुकिंग का अनुमान लगाया

नई दिल्ली। रियल एस्टेट उद्योग में एक बड़ी खबर सामने आई है। भारत की चुनौतीपूर्ण बाजार में अपनी अपूर्व क्षमताओं के साथ पहचान बनाने वाली कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्रवेश करने की तैयारी में है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिग्नेचर ग्लोबल ने यह निर्णय लिया है कि वे नोएडा, ग्रेटर नोएडा, और यमुना एक्सप्रेसवे में जमीन के तलाश करेंगे। उन्होंने इस योजना को गुरुग्राम के बाजार से परे जमीन में अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बताई। अधिकारी ने हाल ही में एक उद्घाटन समारोह में कहा कि हमारा लक्ष्य इस वर्ष बिक्री बुकिंग में 25 प्रतिशत की वृद्धि करना है। हम आशा करते हैं कि हम नोएडा में अपनी पहली कदम रखेंगे और उससे उत्थानी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमने चालू वित्त वर्ष के लिए 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का अनुमान लगाया है। हमने इस वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 5,900 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल कर ली है।' पहले छह महीनों में मजबूत प्रदर्शन को देखते हुए हमें अपने वार्षिक लक्ष्य से अधिक हासिल करने की पूरी उम्मीद है।' सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में तीन गुना होकर 5,900 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में 1,860 करोड़ रुपये थी। इस समाचार ने रियल एस्टेट बाजार में एक नया उत्साह भर दिया है और सिग्नेचर ग्लोबल की नैतिकता और उद्दीपन की दिशा में प्रस्थान किया है। यह कदम उम्मीदवार है कि उद्यमियों को और भी सफलता की ओर ले जाएगा।

विशाल मेगा मार्ट का आईपीओ 11 दिसंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। भारत के सुपरमार्केट सेगमेंट की अग्रणी कंपनी विशाल मेगा मार्ट ने घोषित किया है कि वह 8,000 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का आयोजन 11 दिसंबर को करेगी। यह आईपीओ 13 दिसंबर तक खुला रहेगा और बड़े निवेशक 10 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के दस्तावेजों के अनुसार इसमें कोई नया निर्गम शामिल नहीं है और इसे पूरी तरह से प्रवर्तक समयत सर्विसेज एलएलपी के द्वारा शेयरों की बिक्री पेशकश की जा रही है। विशाल मेगा मार्ट की वर्तमान मालिकी में समयत सर्विसेज एलएलपी की 96.55 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विशाल मेगा मार्ट के संयोजकों ने बताया कि साल 2024 तक उनके पास भारत में 626 सक्रिय स्टोर होंगे, जिनमें उनकी एक मोबाइल ऐप और वेबसाइट भी शामिल होगी। विशाल मेगा मार्ट के इस आईपीओ का अवलोकन वित्तीय बाजार में बड़े ही उत्साह से किया जा रहा है और उम्मीद है कि यह अच्छे सम्पत्ति चयन का माध्यम बन सकता है ।

भारतीय एडटेक सेक्टर में सुधार के संकेत, साल 2024 में अभी तक 68 सौदों में 60.88 करोड़ डॉलर की रकम जुट चुकी है

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष 23-24 में भारतीय एडटेक क्षेत्र में आंकड़ों में एक निरंतर सुधार का संकेत मिल रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन ने पिछले वर्ष की तुलना में एडटेक सेक्टर में रकम जुटाने में 153 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस सुधार के परिणामस्वरूप साल 2024 में अभी तक 68 सौदों में 60.88 करोड़ डॉलर की रकम जुट चुकी है। इसके पूर्व वित्त वर्ष में 106 सौदों में सिर्फ 24.09 करोड़ डॉलर ही जुटाई गई थी। इस सुधार का मुख्य कारण है निवेशकों की रुचि जोर देने में। उन्हें वहां निवेश करने के लिए कंपनियों की खोज हो रही है जो अच्छे प्रदर्शन और दमदार संभावनाओं के साथ निकासी कर रही हैं। फिजिक्स वाला ने भी अपने मूल्यांकन में दोगुना कायम किया है। इसे 21 करोड़ डॉलर की राशि जुटा कर अब 2.8 अरब डॉलर का मूल्यांकन मिला है। एकौरेडटिक्स की तरफ से भी एक बड़ा उत्साह नजर आ रहा है। उन्होंने टीपीजी के द राइज फंड में 15 करोड़ डॉलर की रकम जुटाई और अब उनका मूल्यांकन 3.2 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि इस सुधार के साथ कुछ कंपनियों का संघर्ष भी जारी है। वित्त वर्ष 23 में वेदांतु का घाटा 46 प्रतिशत तक कम हो गया है, जबकि अनएकेडमी का राजस्व 5 प्रतिशत घटकर रह गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आज के बांग्लादेश...

अगस्त 2024 से बांग्लादेश में हिंदुओं को उनके घरों, व्यवसायों और मंदिरों पर लगातार हमलों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय मीडिया को इन घटनाओं को कवर करने से रोक दिया गया है, और कुछ भारतीय मीडिया आउटलेट को छोड़कर अधिकांश अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट इन भयावह घटनाओं पर रिपोर्टिंग करने से बचते रहे हैं। बांग्लादेश में फंसे हुए पाकिस्तानी समुदाय के बिहारी मुसलमानों ने हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के भीषण कृत्यों को अंजाम दिया। यूनुस की सरकार ने अल-कायदा से जुड़े अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (जिसे बाद में अंसार अल इस्लाम के रूप में पुनः ब्रांड किया गया) के नेता जशीमुद्दीन रहमानी सहित दोषी ठहराए गए आतंकवादियों को भी रिहा कर दिया, जिसे 2013 में एक धर्मनिरपेक्ष ब्लॉगर अविजित रॉय की हत्या का दोषी ठहराया गया था। 20 दिसंबर, 2021 को, अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्लोमैटिक सिक्योरिटी सर्विस ने अपने रिवार्ड्स फॉर जस्टिस (आरएफजे) कार्यालय के माध्यम से, बांग्लादेश के ढाका में हुए आतंकवादी हमले की जानकारी देने वाले को इनाम देने की घोषणा की, जिसमें अमेरिकी नागरिक अविजित रॉय की मौत हो गई थी और उनकी पत्नी राफिदा बोन्या अहमद गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। रहमानी के संगठन ने हत्या और हमले की जिम्मेदारी ली थी।बांग्लादेश के भविष्य के बारे में ऐसी अनिश्चितता और देश के किसी अन्य इस्लामवादी राष्ट्र या खिलाफत की ओर बढ़ने की संभावना के बारे में कई लोगों द्वारा उठाए गए सवालों के बीच, यूनाइटेड किंगडम ने एक सख्त यात्रा परामर्श (एडवाइजरी) जारी किया है, जिसमें बढ़ती हिंसा और आतंकवादी हमलों के बढ़ते जोखिम के कारण अपने नागरिकों को बांग्लादेश की यात्रा न करने की चेतावनी दी गई है। यात्रा एडवाइजरी में यूके सरकार ने कहा, एफसीडीओ (विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय) चटगांव हिल ट्रैक्ट्स की सभी यात्राओं के खिलाफ सलाह देता है, क्योंकि वहां नियमित रूप से हिंसा और अन्य आपराधिक गतिविधियों की रिपोर्टें आती रहती हैं, खासकर अधिक दूरदराज के इलाकों में। यह क्षेत्र रंगमती, खगराछारी और बंदरबन जिलों से बना है।

इसी तरह की यात्रा सलाह ऑस्ट्रेलियाई, कनाडाई, यूरोपीय संघ के देशों और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भी जारी की जाने वाली है। आगामी ट्रम्प प्रशासन के प्रमुख व्यक्ति भी बांग्लादेश की स्थिति पर बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। विशेष रूप से हिंदुओं पर चल रहे नरसंहार और अल कायदा, इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) और अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक आतंकवादी समूहों के सदस्यों की स्पष्ट उपस्थिति के साथ-साथ इस्लामवादी और जेहादी ताकतों के हिंसक रूप से उभरने पर ध्यान रखा जा रहा है। चूंकि यूनुस प्रशासन हिंदुओं, ईसाइयों, बौद्धों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों और जातीय समूहों को लक्षित करके होने वाले हमलों और उत्पीड़न को रोकने में बुरी तरह विफल रहा है, राष्ट्रपति डोनाल्ड अंततः कई कड़े कदम उठा सकते हैं, जिसमें बांग्लादेश से निर्यात पर दंडात्मक शुल्क शामिल हो सकता है। डोनाल्ड ट्रम्प विश्व भर में मानवाधिकारों, प्रेस स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों के उल्लंघन के प्रति शून्य सहिष्णुता दिखाएंगे, जहां बांग्लादेश उनके रडार पर है।

संसद ने...

इसी बीच रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने रेलवे संशोधन विधेयक पर जवाब देना चाहा। हालांकि हंगामे के बीच ऐसा नहीं हो पाया और कार्यवाही को एक बार फिर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब भी भारतीय संसद का सत्र चल रहा होता है, तभी विदेशों में कोई न कोई ऐसी रिपोर्ट सामने आती है, जिससे देश की छवि खराब होती है। भाजपा सांसद ने भारत को अस्थिर करने के लिए विदेशी हस्तक्षेप का भी आरोप लगाया। फ्रांस के एक अखबार ने हाल ही में ओसीसीआरपी (ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) की रिपोर्ट को लेकर एक खबर प्रकाशित की है। जिसमें दावा किया गया है कि ओसीसीआरपी की रिपोर्ट ईमानदार नहीं है, इसे अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस की ओर से फंडिंग मिलती है। फ्रांस के अखबार की इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा ने विपक्ष को घेर लिया है और विपक्ष पर विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मुद्दे पर राहुल गांधी और पूरे विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। वहीं भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी राज्यसभा में ये मुद्दा उठाया। इस रिपोर्ट को लेकर विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जब भी भारत की संसद का सत्र चल रहा होता है, तभी विदेशों में कोई न कोई ऐसी रिपोर्ट सामने आती है, जिससे देश की छवि खराब होती है। भाजपा सांसद ने भारत को अस्थिर करने के लिए विदेशी हस्तक्षेप का आरोप लगाया।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शून्य काल के दौरान राज्यसभा में कहा कि जब भारत पीएम मोदी के नेतृत्व में सामरिक, आर्थिक और कूटनीतिक शक्ति बनकर उभरा है, तब से विदेश की बहुत सी ऐसी गतिविधियां हैं, जो भारत की व्यवस्था के आर्थिक, नैतिक, सामाजिक पक्ष पर हमला कर रही हैं। फ्रांस के एक प्रकाशन ने ऑर्गनाइज क्राइम करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट पर एक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट को विदेशी सरकारों की फंडिंग है और इसमें जॉर्ज सोरोस का भी कनेक्शन है। इस रिपोर्ट का फोकस भारत पर भी है।भाजपा सांसद ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से ये क्या संयोग है, जब भारत की संसद का सत्र चलता है, तभी ये रिपोर्ट्स आती हैं। पूर्व में भारत के किसानों को लेकर रिपोर्ट सामने आई , तब भी संसद सत्र चल रहा था और इसी तरह पेगासस और हिंडनबर्ग रिपोर्ट भी लगभग उसी समय सामने आईं, जब भारत की संसद का सत्र या तो चल रहा था या शुरू होने वाला था। अब बजट सत्र शुरू होने से पहले भारत के उद्योगों के बारे में अमेरिकी अटॉर्नी की रिपोर्ट आती है। क्या ये महज संयोग है या फिर ये किसी साजिश का हिस्सा है। विगत लोकसभा चुनाव में रूस की सरकार ने भी साफ कहा था कि भारत के चुनाव में हस्तक्षेप की कोशिश हो रही है। ये पहली बार हुआ, जब किसी सरकार ने देश के चुनाव में हस्तक्षेप की बात कही।सुधांशु त्रिवेदी ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों के दिल में ये ख्वाब है कि वो भारत को झुका लेंगे, तो मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से आगे बढ़ रहे हैं। ये मत सोचें कि विदेश की किसी चीज का प्रभाव पड़ने वाला है, भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। विदेश का लाभ लेकर भारत में जो हो रहा है, उनके लिए मैं कहना चाहता हूं।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने भी गुरुवार को कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर विदेशी संगठनों और लोगों के माध्यम से देश की संसद, सरकार और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की कोशिश का आरोप लगाया। दुबे ने लोकसभा में शून्यकाल नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से पूछने के लिए कुछ सवाल उठाए। दुबे ने कहा, विपक्षी दल सरकार को अस्थिर करने के लिए तरह-तरह के मंसूबे पालते रहते हैं। मैं पूरे देश को बताना चाहता हूं कि विदेशी फंडिंग के माध्यम से (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी जी और उनकी सरकार के खिलाफ किस तरह काम होता है। उन्होंने फ्रांस की एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया कि अमेरिका की सरकार और वहां के एक कारोबारी द्वारा संचालित फाउंडेशन की मदद से काम करने वाले एक विदेशी संस्थान का मकसद भारत की संसद को बंधक बनाना और उसकी कार्यवाही को ठप करना है। दुबे ने अमेरिका के एक कारोबारी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि वह पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारना चाहता है। उन्होंने कहा कि जैसे ही उक्त संस्थान कोई रिपोर्ट जारी करता है तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस सदस्य प्रियंका गांधी और विपक्षी दलों के कुछ राज्यसभा सदस्य तुरंत उसे ट्वीट करते हैं। दुबे ने पेगासस रिपोर्ट, हिंडनबर्ग और कुछ अन्य मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी ये मामले सामने आए, विपक्षी सदस्यों ने एक्स पर तुरंत पोस्ट किया और संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी गई। भाजपा सांसद ने कुछ अन्य विदेशी लोगों के नाम लेकर पूछा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता के इन लोगों से क्या संबंध हैं जो अमेरिका में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम का विरोध करते हैं।भाजपा सांसद संबित पात्रा ने राहुल गांधी को देशद्रोही तक कह डाला। उन्होंने भी एक फ्रेंच समाचार पत्र में छपी रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि हम आज एक खतरनाक त्रिकोण के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है और ऐसे में कह सकता हूं कि राहुल देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। संबित पात्रा ने कहा, अगर सदन को छोड़कर सांसद पार्टी कार्यालय में बैठे हैं तो आप गंभीरता को समझ सकते हैं। यह मुद्दा किसी पार्टी का नहीं है, बल्कि देश के संभुप्रता का और एकता का है। हाल ही में खुलासा हुआ कि कुछ ताकतें हैं, जो देश को तोड़ना चाहती हैं। कहीं न कहीं भारत की एकता और संभुप्रता के साथ खिलवाड़ करना चाहती हैं। दो दिसंबर को एक फ्रेंच अखबार ने इसका खुलासा किया है। उन्होंने यह भी कहा, हम इस खतरनाक त्रिकोण के बारे में बात करने जा रहे हैं जो भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। इस त्रिकोण में एक तरफ अमेरिका में बैठे जॉर्ज सोरोस का फाउंडेशन है, अमेरिका की कुछ एजेंसियां हैं, दूसरी तरफ ओसीसीआरपी नाम का बड़ा न्यूज पोर्टल है। त्रिकोण के आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण कोने में राहुल गांधी हैं। वह सबसे बड़े गद्दार हैं। मैं यह शब्द कहने से डरता नहीं हूं। मुझे लोकसभा के नेता को देशद्रोही कहने में कोई हिचक नहीं है।उन्होंने कहा कि सवाल उठता है कि ओसीसीआरपी (ऑर्गनाइज्ड क्राइम करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) क्या है। बता दें यह विश्व की संस्थान है, जो 2007 में शुरू हुई थी और अगर मैं इसे ग्लोबल मीडिया एजेंसी कहता हूं तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी। अगर यह कुछ लिखते हैं तो उससे पूरी दुनिया में अफरा-तफरी का माहौल हो जाता है। अगर इतनी बड़ी एजेंसी काम करती है तो पैसों की आवश्यकता होती है वर्ना इतने सारे कर्मचारी हैं, इतनी इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म की जाएगी तो बहुत सारे रिसोर्सेस की जरूरत है, धन की जरूरत है। उन्होंने कहा, ऐसे में अगर कोई मीडिया संस्थान कुछ खुलासा करता है तो वो आयाम है कि ओसीसीआरपी की जो फंडिंग है उसका एक बड़ा हिस्सा ओपन सोसाइटी फाउंडेशन है। बाकि अमेरिका की बहुत ऐसी संस्थाएं हैं, कुछ सरकारी एजेंसियां भी हैं, जो इस फंड देता है। अब ओपन सोसाइटी फाउंडेशन किसका है तो बता दें, जॉर्ज सोरोस का है सोरोस ओसीसीआरपी को बहुत पैसा देता है। ऐसे में फ्रेंच अखबार का कहना है कि अगर कोई इतना फंड दे रहा तो साफ है कि ओसीसीआरपी तटस्थ नहीं हो सकता है। वो सामान्य रह ही नहीं सकता, जो पैसा देगा उसके हित में बात करेगा। ऐसे में ओसीसीआरपी जॉर्ज सोरोस के हित में बात करता है।भाजपा नेता ने कहा, अगर हम सबसे महत्वपूर्ण कोण के बारे में बात करें तो वो राहुल गांधी है। मैं उनके बारे में कोई मजाक नहीं बनाऊंगा क्योंकि यह गंभीर मामला है। लोकसभा के विपक्षी नेता अपने ही देश के साथ गद्दारी करने की कोशिश कर रहे हैं। जब देश का नेता ही अपनी जमीन से द्रोह कर रहा हो तो स्वाभाविक रूप से यह बहुत गंभीर विषय है। मैं हवा में बात नहीं कर रहा हूं। आप याद करिए जुलाई 2020 का समय। तब कोविड के कारण बहुत बुरा समय चल रहा था। तब पीएम मोदी की वजह से कोविड से बचाव के टीके बन पाए थे। वैक्सीन मैत्री भी चल रहा था। विदेशों से भी ऑर्डर किए गए थे। वहीं, याद करिए 1 जुलाई 2021 तब ओसीसीआरपी ने एक आर्टिकल पब्लिश किया था कि ब्राजील ने 324 मिलियन डॉलर वर्थ जो कोवैक्सीन ऑर्डर किया था, वो कैंसिल कर दिया, इससे भारत की छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई। भारत एक अकेली ऐसी देश थी, जो वैक्सीन मैत्री कर रही थी। उसी के दूसरे दिन 2 जुलाई 2021 को कांग्रेस ने कॉन्फ्रेंस करके भारत की सरकार और कोवैक्सीन को घेरे में ले लिया। इसमें पते की बात यह है कि यह कोई नया विषय नहीं था, यह पहले ही पता था कि ब्राजील ने कैंसिल कर दिया। मगर जब ओसीसीआरपी ने छापा तो राहुल ने सरकार पर हमला बोला।ओसीसीआरपी ने भारत के बड़े-बड़े उद्योगपतियों के खिलाफ हमेशा लिखा है। वह ऐसे दिखाते हैं कि इन लोगों ने पता नहीं कितना घोटाला किया है। इसका मकसद यह था कि भारत की अर्थव्यवस्था को कैसे डगमगाया जाए। भारत के मार्केट में शेयर की कीमत गिराने का प्रयास किया कि शेयर गिरेंगे तो लोग देश की सरकार के खिलाफ हमला बोलेंगे। मगर बिडंवना देखिए कि जब-जब ऐसी रिपोर्ट सामने आई तब-तब राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके हमला बोला। संबित पात्रा ने कहा, 18 जुलाई 2021 को ओसीसीआरपी ने पेगासस रिपोर्ट को उजागर किया। 19 जुलाई 2021 को राहुल ने कॉन्फ्रेंस कर दी। यह सब सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही किया जाता था। इससे सदन स्थगित हो जाती थी। आज भी आप देख रहे कि सदन में क्या हाल है। 26 अगस्त 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। जुलाई 2022 में नेशनल हेराल्ड के केस में मां-बेटे से कुछ घंटे पूछताछ चल रही थी, उसी समय ओसीसीआरपी ने लिखा था कि राहुल गांधी के खिलाफ चलाई जा रही कार्रवाई अवैध हैं। इनके पीछे राजनीतिक साजिश है। इन्हें कैसे पता कि यह गलत है। आप क्या जानते हैं इस मामले के बारे में। आप भारत की सुप्रीम कोर्ट हैं? यहां तक कि इन्होंने यह भी लिखा था कि भारत में आम जनता सड़क पर उतर आई है, अफरा-तफरी मची हुई है, जबकि ऐसा कुछ नहीं था।उन्होंने कहा, मैं पूछता हूं कि ओसीसीआरपी राहुल गांधी के बचाव में आर्टिकल क्यों छाप रही थी। इसका कारण यह है कि जब ओसीसीआरपी के खिलाफ कोई बोलता है तो राहुल खड़े हो जाते हैं। वहीं अगर विपक्ष के नेता के खिलाफ कोई बोलता है तो ओसीसीआरपी को दर्द हो जाता है। यह दो बदन हैं मगर आत्मा एक है। सोरोस और राहुल एक ही हैं। राहुल ही सोरोस हैं। दोनों का एक ही एजेंडा है। दोनों ही भारत का अमंगल चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आखिरी कोण राहुल और सोरोस एक हैं इसका एक सबूत है। पहला यह सबूत है कि राहुल जो भारत तोड़ो यात्रा-जोड़ो यात्रा कर रहे थे उन्होंने सोचा कि वह सब राज्य में चुनाव जीत जाएंगे। उनकी यात्रा में शलील शेट्टी आए थे। यह सोरोस के फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट हैं। सोरोस का ओपन सोसाइटी फाउंडेशन है। इसी के वाइस प्रेसिडेंट हैं। इस तरह से यह दो बदन और एक आत्मा है।उन्होंने कहा कि पता नहीं चलता राहुल गांधी कब विदेश चले जाते हैं। उन्होंने ओसीसीआरपी के एक बांग्लादेशी पत्रकार से मुलाकात की थी। वह भारत का घोर विरोधी है। दोनों की तस्वीर देखने से पता चलता है कि जहां देश का अहित वहीं राहुल चिपक जाते हैं। जो भारत से करे नफरत, वो राहुल से करे प्यार ऐसा क्यों है? उन्होंने कहा, राहुल नहीं चाहते भारत आगे बढ़े। यहां तक संसद भी नहीं चले। यह सब उनका प्रयास है। यह गांधी परिवार ऐसा परिवार है कि अगर इन्हें कुर्सी के लिए देश का बलिदान देना पड़े या बेचना पड़े, तो यह बेच देंगे। राहुल अपने फायदे के लिए मां भारत को बेच सकते हैं। धिक्कार है इनपर।सांसद रवि किशन ने कहा, कांग्रेसियों का संसद में हल्ला-हंगामा चुनाव में उनकी हार की पीड़ा है। ये लोग इसी सदन में उल्टा लटक जाएं, पेड़ पर लटक जाएं। इससे कुछ नहीं होगा। हरियाणा हार चुके हैं, महाराष्ट्र ऐतिहासिक हारे हैं। इसी तरह हर जगह हारते जाएंगे। ये हार की पीड़ा है। हम तो चाह रहे हैं कि ये लोग यहां नाचें, तांडव करें, लेकिन चुनाव हारते जाएं। राहुल गांधी के संभल जाने की कोशिश और उसे लेकर हुए हंगामे पर भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा कि राहुल गांधी कल किसी को बोले बगैर चले गए। अखिलेश यादव को बोला गया, यहां रुकिए, वो यहां बैठे इंतजार कर रहे थे और राहुल गांधी खुद गाड़ी में बैठकर संभल निकल लिए। विपक्ष में एक दूसरे से लंबी लकीर खींचने की कोशिश चल रही है। अब अखिलेश यादव भी समझ गए हैं कि राहुल गांधी की क्या मानसिकता है।

देवेंद्र फडणवीस...

वह नागपुर के सबसे युवा मेयर भी रहे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा को 133 सीटें मिली हैं। इसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि देवेंद्र फडणवीस ही मुख्यमंत्री बनेंगे और आज उन्होंने सीएम पद की शपथ ली।देवेंद्र फडणवीस के शपथ ग्रहण समारोह में कई दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। समारोह में पहुंचने वाली हस्तियों में भारत रत्न सचिन तेंदुलकर, उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी, अनंत अंबानी और उनकी पत्नी राधिका मर्चेंट अंबानी, फिल्म अभिनेता शाहरुख खान, सलमान खान, संजय दत्त, रणवीर कपूर, श्रद्धा कपूर, माधुरी दीक्षित, रणवीर सिंह, मनीष पॉल, शिखर पहाड़िया, जान्हवी कपूर, अर्जुन कपूर, खुशी कपूर, बोनी कपूर और वरुण धवन समेत लोग हैं।

असम सरकार....

असल में सामागुरी में भाजपा की जीत के बाद कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन ने गोमांस बांटने के आरोप लगाए थे। कहा था कि इसी कारण भाजपा को इस सीट पर जीत मिली है। रकीबुल हुसैन पिछले लगभग ढाई दशक से सामागुरी से विधायक थे। लोकसभा चुनाव में वे धुबरी से सांसद बन गए थे। इसके बाद उपचुनावों में इस सीट से कांग्रेस ने उनके बेटे तंजील हुसैन को मैदान में उतारा था। लेकिन करीब 60 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाली इस सीट को कांग्रेस बचा नहीं सकी।रकीबुल हुसैन के आरोपों पर मुख्यमंत्री सरमा ने पूछा था कि क्या कांग्रेस अब तक गोमांस बांट कर सामागुरी में जीत रही थी? उन्होंने कहा था, क्या सामागुरी सीट गोमांस बांट कर जीती जा सकती है। अगर ऐसा है तो क्या कांग्रेस अब तक सामागुरी सीट गोमांस बांट कर जीत रही थी? कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन सामागुरी सीट को अच्छी तरह से जानते हैं, इसलिए उन्हें पता होगा। साथ ही उन्होंने कहा था कि वे राज्य में गोमांस पर बैन लगाने को तैयार हैं, बशर्ते इसके लिए असम कांग्रेस अध्यक्ष रिपुन बोरा सहमत हों। उन्होंने कहा कि अगर रिपुन बोरा सहमत हों तो अगली विधानसभा की बैठक में ही गोमांस पर बैन लगा दिया जाएगा।

पिछले पांच साल ...

इनमें 37 कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। राज्यसभा में भाजपा सांसद शमीक भट्टाचार्य के सवालों के जवाब में केंद्रीय कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि 2019 से 2024 के बीच पश्चिम बंगाल से हजारों कंपनियां अपना पंजीकृत कार्यालय अन्य राज्यों में स्थानांतरित कर चुकी हैं। इनमें 37 कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं।शमीक भट्टाचार्य ने संसद में पूछा था कि 2019 से 2024 के बीच कितनी कंपनियों ने बंगाल छोड़कर अन्य राज्यों में मुख्यालय स्थानांतरित किया? इन कंपनियों में कितनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं और वे किस क्षेत्र से संबंधित हैं? इन कंपनियों के स्थानांतरण के कारण क्या थे? और पश्चिम बंगाल में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने क्या कदम उठाए हैं? मंत्री ने पहले दो सवालों का उत्तर संख्या के रूप में दिया, लेकिन बाकी सवालों पर स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कंपनियां प्रशासनिक, संचालन लागत और संपर्क साधन जैसे कारणों से मुख्यालय स्थानांतरित करती हैं।इस रिपोर्ट के आधार पर शमीक भट्टाचार्य ने बंगाल सरकार द्वारा आयोजित ग्लोबल बिजनेस समिट पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि बंगाल में बड़े धूमधाम से बिजनेस समिट आयोजित किया जाता है, लेकिन कंपनियां टिकती नहीं। केंद्र की रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल में उद्योग के लिए अनुकूल माहौल नहीं है। कंपनियों के पलायन के कारण राज्य में बेरोजगारी बढ़ रही है और नए रोजगार नहीं बन रहे। शमीक ने आरोप लगाया कि जब देश के अन्य हिस्सों में नई-नई निवेश परियोजनाएं आ रही हैं, तब बंगाल में कामकाज का माहौल खराब होने के कारण कंपनियां राज्य छोड़ रही हैं। हालांकि तृणमूल ने उद्योगों के दूसरे राज्यों में जाने के तथ्य को आधारहीन कहा है।

भारत में निवेश...

साथ ही, भारत की अर्थव्यवस्था में रोसनेफ्ट की तरफ से 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सबसे बड़ा निवेश कुछ समय पहले ही हुआ है। रोसनेफ्ट रूसी संघ की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री और भारत सरकार स्थिर स्थितियां बना रहे हैं और ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय नेतृत्व भारत को प्राथमिकता देने की नीति पर चल रहा है और हमारा मानना है कि भारत में निवेश लाभदायक है।

राष्ट्रपति पुतिन ने एसएमई के विकास को समर्थन देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच अधिक सहयोग का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं ब्रिक्स निगम के लिए जिम्मेदार सहयोगियों से सहयोग के मुख्य क्षेत्रों पर स्थिति का विश्लेषण करने के लिए कहूंगा और हम निश्चित रूप से ब्राजील के सहयोगियों का ध्यान आकर्षित करेंगे जो अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता करेंगे।

विवाह पंचमी आज

इस दिन करें राम रक्षा स्तोत्र का पाठ बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

हर वर्ष मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के अगले दिन विवाह पंचमी मनाई जाती है। इस वर्ष 06 दिसंबर को विवाह पंचमी है। यह दिन भगवान श्रीराम और माता जानकी को समर्पित है। इस शुभ अवसर पर राम-जानकी जी की पूजा की जाती है। सनातन शास्त्रों में वर्णित है कि मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर भगवान श्रीराम और माता जानकी परिणय सूत्र में बंधे थे। मिथिला और अयोध्या समेत देश के सभी राज्यों में विवाह पंचमी पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। धर्मिक मत है कि भगवान श्रीराम की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के कष्ट दूर हो जाते हैं। अगर आप भी भगवान श्रीराम और मां सीता की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो विवाह पंचमी पर भक्ति भाव से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और मां जानकी की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें।

राम रक्षा स्तोत्र

चरितं रघुनाथस्य शतकोटि प्रविस्तरम् ।
एकैकमक्षरं पुंसां महापातकनाशनम् ।।
ध्यात्वा नीलोत्पलश्यामं रामं राजीवलोचनम् ।
जानकीलक्ष्मणोपेतं जटामुकुटमण्डितं ।।
सासितूणधनुर्बाणपाणिं नक्तंचरान्तकम् ।
स्वलीलया जगत्त्रातुमाविर्भूतमजं विभुम् ।।
रामरक्षां पठेत प्राज्ञः पापघ्नीं सर्वकामदाम् ।
शिरो मे राघवः पातु भालं दशरथात्मजः ।।
कौसल्येयो दृशो पातु विश्वामित्रप्रियः श्रुति ।
घ्राणं पातु मखत्राता मुखं सौमित्रिवत्सलः ।।
जिह्वां विद्यानिधिः पातु कण्ठं भरतवन्दितः ।
स्कन्धौ दिव्यायुधः पातु भुजौ भग्नेशकार्मुकः ।।
करौ सीतापतिः पातु हृदयं जामदग्न्यजित ।
मध्यं पातु खरध्वंसी नाभिं जाम्बवदाश्रयः ।।
सुग्रीवेशः कटी पातु सक्थिनी हनुमत्प्रभुः ।
उरु रघूत्तमः पातु रक्षःकुलविनाशकृताः ।।
जानुनी सेतुकृत पातु जंघे दशमुखांतकः ।
पादौ विभीषणश्रीदः पातु रामअखिलं वपुः ।।
एतां रामबलोपेतां रक्षां यः सुकृति पठेत ।
स चिरायुः सुखी पुत्री विजयी विनयी भवेत् ।।
पातालभूतल व्योम चारिणश्छद्मचारिणः ।
न द्रष्टुमपि शक्तास्ते रक्षितं रामनामभिः ।।
रामेति रामभद्रेति रामचंद्रेति वा स्मरन ।
नरौ न लिप्यते पापैर्भुक्तिं मुक्तिं च विन्दति ।।
जगज्जैत्रैकमन्त्रेण रामनाम्नाभिरक्षितम् ।
यः कण्ठे धारयेत्तस्य करस्थाः सर्वसिद्धयः ।।
वज्रपञ्जरनामेदं यो रामकवचं स्मरेत ।
अव्याहताज्ञाः सर्वत्र लभते जयमंगलम् ।।
आदिष्टवान् यथा स्वप्ने रामरक्षामिमां हरः ।

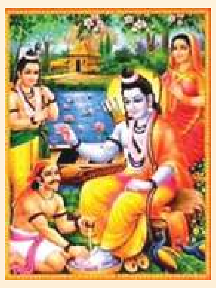

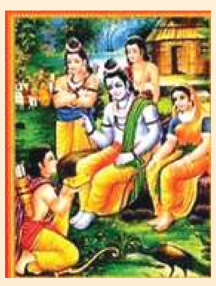

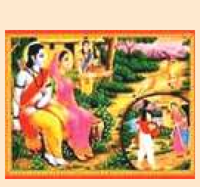

तथा लिखितवान् प्रातः प्रबुद्धो बुधकौशिकः ।।
आरामः कल्पवृक्षाणां विरामः सकलापदाम् ।
अभिरामस्त्रिलोकानां रामः श्रीमान स नः प्रभुः ।।
तरुणौ रूपसम्पन्नौ सुकुमारौ महाबलौ ।
पुण्डरीकविशालाक्षौ चीरकृष्णाजिनाम्बरौ ।।
फलमूलाशिनौ दान्तौ तापसौ ब्रह्मचारिणौ ।
पुत्रौ दशरथस्यैतौ भ्रातरौ रामलक्ष्मणौ ।।
शरण्यौ सर्वसत्वानां श्रेष्ठौ सर्वधनुष्मताम् ।
रक्षःकुलनिहन्तारौ त्रायेतां नो रघूत्तमौ ।।
आत्तसज्जधनुषाविषुस्पृशा वक्ष याशुगनिषङ्गसङ्गिनौ ।
रक्षणाय मम रामलक्ष्मणावग्रतः पथि सदैव गच्छताम ।।
सन्नद्धः कवची खड्गी चापबाणधरो युवा ।
गच्छन् मनोरथान नश्च रामः पातु सलक्ष्मणः ।।
रामो दाशरथी शूरो लक्ष्मणानुचरो बली ।
काकुत्स्थः पुरुषः पूर्णः कौसल्येयो रघूत्तमः ।।
वेदान्तवेद्यो यज्ञेशः पुराणपुरुषोत्तमः ।
जानकीवल्लभः श्रीमानप्रमेयपराक्रमः ।।
इत्येतानि जपन नित्यं मद्भक्तः श्रद्धयान्वितः ।
अश्वमेधाधिकं पुण्यं सम्प्राप्नोति न संशयः ।।
रामं दुर्वादलश्यामं पद्माक्षं पीतवाससम ।
स्तुवन्ति नामभिर्दिव्यैर्न ते संसारिणो नरः ।।
रामं लक्ष्मणपूर्वजं रघुवरं सीतापतिं सुन्दरं,
काकुत्स्थं करुणार्णवं गुणनिधिं विप्रप्रियं धार्मिकम ।

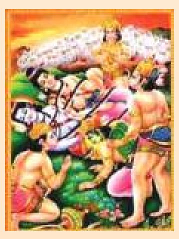

राजेन्द्रं सत्यसंधं दशरथतनयं श्यामलं शांतमूर्तिं,
वन्दे लोकाभिरामं रघुकुलतिलकं राघवं रावणारिम ।।
रामाय रामभद्राय रामचंद्राय वेधसे ।
रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः ।।
श्रीराम राम रघुनन्दनराम राम,
श्रीराम राम भरताग्रज राम राम ।
श्रीराम राम रणकर्कश राम राम,
श्रीराम राम शरणं भव राम राम ।।
श्रीराम चन्द्रचरणौ मनसा स्मरामि,
श्रीराम चंद्रचरणौ वचसा गृणामि ।
श्रीराम चन्द्रचरणौ शिरसा नमामि,
श्रीराम चन्द्रचरणौ शरणं प्रपद्ये ।।
माता रामो मत्पिता रामचंन्द्रः ।
स्वामी रामो मत्सखा रामचंद्रः ।
सर्वस्वं मे रामचन्द्रो दयालु ।
नान्यं जाने नैव जाने न जाने ।।
दक्षिणे लक्ष्मणो यस्य वामे च जनकात्मज ।
पुरतो मारुतिर्यस्य तं वन्दे रघुनन्दनम् ।।
लोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथं ।
कारुण्यरूपं करुणाकरं तं श्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये ।।
मनोजवं मारुततुल्यवेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम ।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये ।।
कूजन्तं रामरामेति मधुरं मधुराक्षरम ।
आरुह्य कविताशाखां वन्दे वाल्मीकिकोकिलम ।।
आपदामपहर्तारं दातारं सर्वसम्पदाम् ।
लोकाभिरामं श्रीरामं भूयो भूयो नमाम्यहम् ।।
भर्जनं भवबीजानामर्जनं सुखसम्पदाम् ।
तर्जनं यमदूतानां रामरामेति गर्जनम् ।।
रामो राजमणिः सदा विजयते,
रामं रमेशं भजे रामेणाभिहता,
निशाचरचमू रामाय तस्मै नमः ।
रामान्नास्ति परायणं परतरं,
रामस्य दासोस्म्यहं रामे चित्तलयः,
सदा भवतु मे भो राम मामुद्धराः ।।
राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे ।
सहस्त्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने ।।

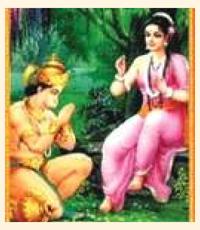

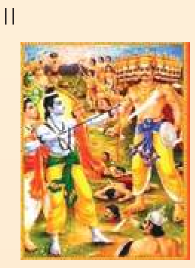

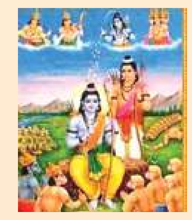

योग– ज्योतिषियों की मानें तो विवाह पंचमी पर शिववास योग का संयोग बन रहा है। शिववास योग दिन भर है। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव कैलाश पर विराजमान रहेंगे। इसके बाद नंदी पर सवार होंगे। इसके साथ ही ध्रुव योग का भी निर्माण हो रहा है। इन योग में भगवान श्रीराम और माता जानकी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

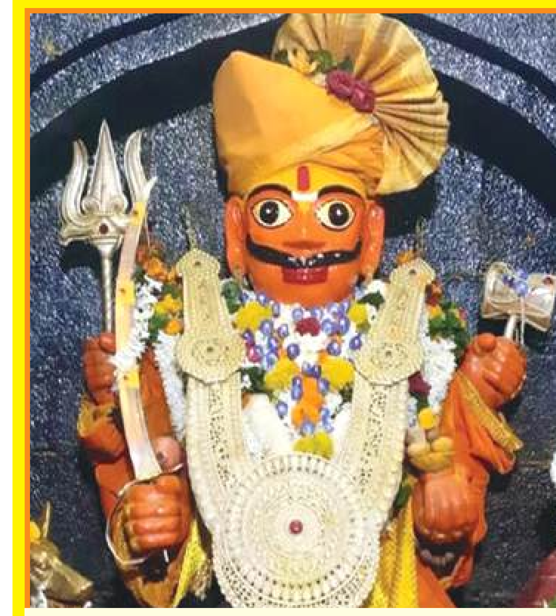

छह दिवसीय चंपा षष्ठी पर्व आज से

राजधानी में चंपा षष्ठी पर्व सात दिसंबर शनिवार को धूमधाम से मनेगी। खंडोबा उत्सव महाराष्ट्र का प्रमुख त्योहार है। भोपाल में मराठी समाज इसे बड़ी धूमधाम से मनाता है। महाराष्ट्र में भगवान शिव के अवतार खंडोबा को किसानों के देवता के रूप में पूजा जाता है। इस दौरान शहर के शास्त्री नगर साई मंदिर परिसर में बने खंडोबा मंदिर में भी चंपा षष्ठी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। यहां विराजमान खंडोबा की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। चंपा षष्ठी पर हल्दी, खोपरा उड़ाया जाएगा। इस मौके पर मंदिर में कई धार्मिक अनुष्ठान होंगे। खडोबा उत्सव पूजा का शुभारंभ मार्गशीर्ष की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होगा। छह दिवसीय उत्सव मंदिर में श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया जाएगा।

व्रत रखकर पूजा अर्चना

* 84 भैरव में से मल्हारी मार्तंड खंडोबा भी एक हैं। महाराष्ट्र में निवासरत अनेक परिवारों के यह कुल देवता हैं।
* धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान शंकर ने मलहारी मार्तंड का रूप धारण कर मणिमल्ल नामक राक्षस का वध किया था। यह दिन चंपा षष्ठी का था।
* छह दिवसीय इस महोत्सव को हर साल काफी धूमधाम से मनाया जाता है।
* जिस तरह नवरात्र का व्रत रखकर पूजा अर्चना की जाती है। इसी तरह इसे भी छह दिवसीय नवरात्र पर्व के रूप में मनाया जाता है।

क्यों इतना विशेष था सीता स्वयंवर का धनुष? जिसे उठा पाना नहीं था आसान

हिंदू धर्म में सभी तिथि और त्योहार का अपना-अपना महत्व है। उन्हीं में से एक विवाह पंचमी भी है, जो भगवान राम और देवी सीता के विवाह का प्रतीक है। इसे हर साल उनकी शादी की सालगिरह के तौर पर मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, विवाह पंचमी 06 दिसंबर को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा-पाठ करने से और व्रत रखने से भगवान राम के साथ सीता मैया की कृपा प्राप्त होती है। वहीं, जब इस शुभ अवसर को कुछ ही घंटे बाकी रह गए हैं, तो आइए सीता स्वयंवर के उस धनुष के बारे में जानते हैं, जिसे हिला पाना भी मुश्किल था।

ऐसे हुआ था मां जानकी संग राम जी का विवाह

पौराणिक कथाओं और ग्रंथों के अनुसार, ऋषि विश्वामित्र के साथ भगवान राम और लक्ष्मण जी मिथिला नगरी जनकपुर पहुंचे थे। यह वही शुभ समय था जब राजा जनक ने अपनी पुत्री देवी सीता के लिए स्वयंवर का आयोजन किया था। इस दिव्य उत्सव में कई बड़े-बड़े और शक्तिशाली राजा शामिल हुए थे। वहीं, राजा जनक ने इस स्वयंवर में शिव धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखी थी, जिसे पूरा करने में हर कोई नाकाम रहा था, लेकिन अपने गुरु विश्वामित्र की आज्ञा का पालन करते हुए प्रभु श्रीराम ने शिव धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ा दी थी और जनक नंदिनी संग विवाह रचाया था। माना जाता है कि प्रत्यंचा चढ़ाने के दौरान भगवान शंकर का धनुष टूट गया था, जिसका एक हिस्सा आकाश, दूसरा पाताल और तीसरा टुकड़ा धरती पर गिरा था। जो टुकड़ा धरती पर गिरा था उस स्थान को लोग आज धनुषा धाम (नेपाल) के नाम से जानते हैं।

क्यों खास था सीता स्वयंवर का धनुष?

इस शक्तिशाली धनुष को भगवान शिव ने स्वयं अपने हाथों से बनाया था, उसका नाम पिनाक था। यह इतना दिव्य और चमत्कारी था कि जब कभी भोलेनाथ इस धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाते थे, तब उसकी एक ही टंकार से बादल फटने लगते थे। पूरी धरती हिल जाती थी। यह भी कहते हैं कि इस धनुष के एक ही तीर से भगवान शिव ने त्रिपुरासुर की तीनों नगरियों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया था।प्रचलित हिंदू कथाओं के अनुसार, इस धनुष को इंद्रदेव को सौंप दिया गया था और बाद में इंद्र ने इसे राजा जनक के पूर्वज देवराज को प्रदान कर दिया था।

विवाह पंचमी पर राशि अनुसार राम-सीता को अर्पित करें ये चीजें, वैवाहिक जीवन होगा सुखी

विवाह पंचमी को सबसे पवित्र पर्वों में से एक माना जाता है, जब भगवान श्री राम और देवी सीता का विवाह हुआ था। यह दिन भगवान राम और देवी सीता की शादी की सालगिरह का प्रतीक है। इस दिन का हिंदू धर्म में बड़ा धार्मिक महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को विवाह पंचमी मनाई जाती है। कहते हैं कि अगर राशि अनुसार इस शुभ अवसर पर राम-सीता को कुछ खास चीजें अर्पित की जाएं, तो अक्षय फलों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही विवाह से जुड़ी सभी बाधाएं दूर होती हैं।

राशि अनुसार अर्पित करें ये चीजें

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को विवाह पंचमी पर भगवान राम और सीता मैया को लाल रंग के वस्त्र अर्पित करने चाहिए।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातक को इस शुभ दिन पर राम-सीता को सफेद फूल चढ़ाने चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के जातक को इस पावन दिन पर राम जी और देवी सीता को किसी भी धातु का कंगन अर्पित करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातक को राम-सीता को केसर मिश्रित खीर चढ़ानी चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि के जातक को मां जानकी और प्रभु राम को लाल चुनरी अर्पित करनी चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस पर्व पर भगवान राम और देवी सीता को हरी चूड़ियां अर्पित करनी चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को इस दिन राम-सीता को पायल चढ़ानी चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातक को इस दिन राम जी और देवी सीता को सिंदूर अर्पित करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को प्रभु श्रीराम और माता जानकी को बेसन के लड्डू चढ़ाने चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को इस दिन राम-सीता को शमी पत्र अर्पित करना चाहिए।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों को इस पवित्र दिन पर राम जी और सीता मैया को तिल के लड्डू चढ़ाने चाहिए।

मीन राशि : मीन राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर राम-सीता को पीले रंग का वस्त्र चढ़ाना चाहिए।

श्री यंत्र की स्थापना के दौरान इन बातों के रखें खास ध्यान, लक्ष्मी जी करेंगी धनवर्षा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां लक्ष्मी की पूजा करने से धन की कमी दूर होती है। उनको धन की देवी माना जाता है। कई लोग लक्ष्मी की पूजा करने के साथ ही श्री यंत्र की भी स्थापना घर में करते हैं, जिससे उनकी कृपा बनी रहे। श्री यंत्र स्थापना के कुछ नियम होते हैं, जिनका ध्यान रखने आपको फल जरूर मिलता है।

समझें श्री यंत्र स्थापना की विधि...

श्री यंत्र की स्थापना के समय यह ध्यान दें कि यह साफ-सुथरे लाल कपड़े में ही रखा जाए। पंचामृत से स्नान कराएं। इसके बाद यंत्र को घर के मंदिर में स्थापित करें। विधिवत पूजन करते हुए रोली, अक्षत और फूल अर्पित करें। पूजा के दौरान विशेष रूप से मां लक्ष्मी के ध्यान में ओम् महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णु पत्न्यै च धीमहि तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात मंत्र का जाप करें।

ये है मंत्र का अर्थ

ओम् महालक्ष्म्यै च विद्महे का अर्थ है कि हम महालक्ष्मी देवी को जानने और समझने का प्रयास करते हैं। विष्णु पत्न्यै च धीमहि का अर्थ है, हम देवी लक्ष्मी, जो भगवान विष्णु की पत्नी हैं, का ध्यान करते हैं। तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात का अर्थ है, हम मां लक्ष्मी से प्रार्थना करते हैं कि वह हमें सद्बुद्धि प्रदान करें।

रात्रि के समय श्री सूक्त का पाठ करने से घर में समृद्धि और सुख-शांति आती है।

इन बातों को रखें विशेष ध्यान

श्री यंत्र को घर में स्थापित करने से पहले शुभ मुहूर्त का विशेष ध्यान रखें। श्री यंत्र को स्थापित करने के लिए घर या ऑफिस की उत्तर-पूर्व दिशा शुभ होती है। श्री यंत्र को गंदे या फटे कपड़े पर भूलकर भी स्थापित नहीं करना चाहिए। श्री यंत्र को शुक्रवार के दिन घर पर लाना अच्छा माना जाता है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी 'हिंद की चादर'

मानवता की रक्षा एवं भलाई के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले महापुरुषों के समक्ष संसार सदा से ही नतमस्तक हुआ है ।संसार के इतिहास में धर्म तथा मानवता के आदर्श मूल्यों की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहादत,बलिदान को आज सारा विश्व श्रद्धा एवं सम्मान के साथ याद कर रहा है। इतिहास साक्षी रहा है कि जब जब धर्म की हानि हुई है तब तब महापुरुषों द्वारा धर्म की रक्षा की गई ।इनमें गुरु तेग बहादुर जी का नाम सबसे शीर्ष है रहेगा।

सिख धर्म के नववे गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी का जन्म 1 अप्रैल सन 1621 में श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी तथा माता नानकी जी के घर गुरु के महल अमृतसर में हुआ। बचपन में आपका नाम त्यागमल था। मुगलों से किए गए युद्ध में आपने अपने शौर्य और पराक्रम से शत्रु पर विजय प्राप्त की ।अपने पुत्र की बहादुरी देख पिता श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने आपका नाम तेग बहादुर रखा। अपने माता-पिता एवं पूर्ववर्ती गुरुओं द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी को दया,सेवा, परोपकार, धैर्य, ईश्वर पर अगाध श्रद्धा ,भक्ति भाव आदि चारित्रिक गुण विरासत में मिले थे। श्री गुरु तेग बहादुर जी शस्त्र तथा शास्त्र विद्या में पारंगत थे, परंतु वैराग्य मूर्ति गुरुजी का मन सांसारिक पदार्थों से विरक्त रहता था। सिखों के आठवें गुरु श्री गुरु हरकिशन साहिब जी ने अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करने से पहले बाबा बकाला कहकर बकाला गांव में रहने वाले गुरु तेग बहादुर जी को गुरु गद्दी प्रदान करने का संकेत किया । वहीं मखन शाह लुबाना नाम के एक व्यापारी ने श्री गुरु तेग बहादुर जी की पहचान की और कहा गुरु लाधो रे अर्थात सच्चा गुरु मिल गया। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने गुरु रूप अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन किया ।अपने पूर्ववर्ती गुरुओं की शिक्षा का प्रत्यक्ष रूप में अंगीकार किया।विश्व के इतिहास में धर्म तथा मानवता के आदर्श मूल्यों के लिए तथा उसके रक्षणार्थ स्वयं के प्राणों का बलिदान देने वाले महापुरुषों में श्री गुरु तेग बहादुर जी का योगदान कभी भूलाया नहीं जा सकता। गुरुजी ने केवल मात्र धर्म पालन के लिए ही नहीं, अपितु संपूर्ण मानवता एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण , मानवीय उच्च मूल्यों की रक्षा के लिए अपना प्राण-ोत्सर्ग किया।

स्वयं के धर्म के लिए बलिदान करने वाले बहुत मिलेंगे, परंतु और धर्म की आस्था की रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले गुरु जी का जीवन ना भूतों ना भविष्यति है।

गुरु जी के विचार अत्यंत स्पष्ट थे। उनकी कथनी और करनी में एकसाम्यता थी ।उन्होंने अपने जीवन को दूसरों के सुख-दुख के लिए अर्पित कर दिया था। उनके लिए मानवता ही एकमात्र धर्म था। सबके लिए उनकी एक ही उपदेश ,एक ही सीख थी।मनुष्य जन्म दुर्लभ है, जन्म लेने पर मानवता की संभाल करना प्रत्येक मनुष्य का परमदायित्व है तथा व्यवहार में सत्यता आवश्यक है ऐसा उनका कहना था। कोई किसी को डराए नहीं, ना किसी से डरे, ऐसा उनका स्पष्ट कथन था। अपने एक सलोक में वह कहते हैं भए काहू को देत नहीं , नहि भए मानत आन।।कहो नानक सुन रे मना ज्ञानी ताहे बखान।। अर्थात जो किसी से न डरे न ही किसी को डराए,वही वास्तव में ज्ञानी, समझदार कहलाता है। गुरुजी का सारा जीवन इस बात का साक्षात प्रमाण रहा है कि उन्होंने सदा डरना तथा डराना इन दोनों प्रवृत्तियों को अनैतिक माना।गुरुजी के समय औरंगजेब ने सारे हिंदुस्तान पर अपना वर्चस्व प्रस्थापित करने के लिए हिंदुओं को जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करने के लिए बाध्य किया,तब यह कार्य उसने कश्मीर के पंडितों से शुरू किया था।औरंगजेब को लगा कि अगर कश्मीरी पंडित धर्म परिवर्तन के लिए तैयार हो जाएंगे तो सामान्य हिंदू वर्ग उसका विरोध नहीं कर पाएगा।

ऐसे समय सूबेदार शेर अफगान खान के अत्याचारों से पीड़ित 500 कश्मीरी ब्राह्मणों का एक समूह पंडित किरपा राम की अगुवाई में श्री गुरु तेग बहादुर जी की मदद मांगने आनंदपुर साहिब, पंजाब आया। उनसे हिंदू समाज पर औरंगजेब द्वारा किए गए अत्याचार तथा अन्याय की बात सुनकर गुरुजी चिंतित हो गए। उन्हें लगा ऐसे समय किसी बड़े धर्मात्मा के बलिदान की आवश्यकता समय की मांग है। तब उनके पास खड़े उनके नव वर्ष के पुत्र श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने पिता से कहा कि आपसे बढ़कर दूसरा धर्मात्मा पुरुष और कौन हो सकता है ?स्थिति की गंभीरता को देख गुरुजी ने कश्मीरी पंडितों से कहा कि अगर औरंगजेब गुरुजी को धर्म परिवर्तन के लिए राजी कर लेगा, तब उन लोगों को भी धर्म परिवर्तन के लिए कोई आपत्ति नहीं होगी ।इसके पश्चात गुरुजी श्री गुरु तेग बहादुर जी को दिल्ली लाया गया। गुरुजी के विचार स्पष्ट थे कि प्रत्येक मनुष्य को बिना किसी के दबाव के अपना जीवन जीने का पूर्ण अधिकार है। गुरुजी को इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए विवश किया गया। उन्हें कई प्रकार के प्रलोभन एवं भय द्वारा धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया गया। परंतु गुरुजी इस प्रकार के जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के विरुद्ध थे। उनका मानना था कि धर्म प्रेम का रास्ता है ,जबरदस्ती का नहीं ।श्री गुरु तेग बहादुर जी के मन में भय पैदा करने के लिए उनके सामने उनके शिष्य भाई मति दास जी को आरे से चीर कर, भाई सती दास जी को रुई में लपेटकर तथा भाई दयाला जी को देग में उबालकर शहीद कर दिया गया। इस प्रकार मानवता को मर्दित करने वाला यह कुकृत्य संसार कभी भुला नहीं सकेगा। यह सब कर औरंगज़ेब को लगा कि वह गुरुजी को डरा धमका कर उन्हे धर्म परिवर्तन करने के लिए विवश कर देगा।परंतु गुरुजी अपने निर्णय पर अडिग रहे ।शांति के पुंज श्री गुरु तेग बहादुर जी शांत चित्त रहकर प्रभु का नाम स्मरण करते रहे। अंततः 11 नवंबर सन 1675 में श्री गुरु तेग बहादुर जी को दिल्ली की चांदनी चौक में शहीद किया गया ।दिल्ली के चांदनी चौक में जहां गुरुजी को शहीद करवाया गया वहां पर आज गुरुद्वारा शीशगंज साहिब सुशोभित है ।यहां सभी जाति धर्म के लोग आकर श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।श्री गुरु तेग बहादुर जी के इस प्रकार के असाधारण बलिदान के कारण सारा विश्व उन्हें हिंद की चादर कहकर आदर तथा सम्मान से नतमस्तक होता है ।शांति के पुंज, महान शहीद,अधर्म, अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध अविराम संघर्ष के प्रतीक,मानवता तथा धर्म के रक्षक श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन पूरी मानव सभ्यता के लिए सदा प्रेरणादाई रहेगा।गुरुजी के 350 वे शहादत,बलिदान दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

-डॉ .राजेंद्र कौर महाजन
हैदराबाद

नागा चैतन्य के मंगलसूत्र पहनाते ही भावुक हो रो पड़ी थीं दुल्हनिया शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला अपने परिवार और प्रियजनों की मौजूदगी में हैदराबाद स्थित अन्नपूर्णा स्टूडियो में शादी के बंधन में बंध चुके हैं। नवविवाहित जोड़े का सोशल मीडिया पर एक इमोशनल वीडियो सामने आया। वीडियो में नागा चैतन्य दुल्हन शोभिता को गले में मंगलसूत्र पहनाते नजर आ रहे हैं और उस वक्त शोभिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक जाते हैं। परिवार और दोस्तों से घिरी शोभिता अपने आंसू पोंछती देखी जा सकती हैं।

क्लिप में, अभिनेत्री सफेद रंग की कांजीवरम सिल्क साड़ी पहने नजर आईं, जिसमें सोने की जरी के साथ लाल बॉर्डर है। वहीं, दूल्हा नागा चैतन्य सफेद रंग की कुर्ता-धोती में दिखे।

नागा चैतन्य के पिता और साउथ सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी ने नवविवाहित जोड़े की तस्वीरें ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर कर खूबसूरत कैप्शन दिया। जिंदगी की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए 'मास' अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, शोभिता और नागा को एक साथ खूबसूरत शुरुआत करते देखना मेरे लिए एक खास और बेहद भावुक समय है। मेरे प्यारे चै (नागा) को बधाई और परिवार में प्रिय शोभिता का स्वागत है। आप पहले ही हमारे जीवन में बहुत खुशियां ला चुकी हैं।

नागार्जुन ने कहा, यह खास समय मेरे लिए काफी मायने रखता है। क्योंकि यह एएनआर गारू (अक्कानेनी नागेश्वर राव) की प्रतिमा के आशीर्वाद के तहत हुआ है जो उनके शताब्दी वर्ष के लिए स्थापित किया गया है। ऐसा लग रहा है जैसे इस सफर के हर कदम पर उनका प्यार और मार्गदर्शन हमारे साथ मौजूद है। मैं ढेरों आशीर्वाद, शुभकामनाओं के लिए सबको दिल से धन्यवाद देता हूं। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की शादी में चिरंजीवी, राम चरण, महेश बाबू, अल्लू अर्जुन और उनका परिवार, पीवी सिंधु, नयनतारा, राणा दग्गुबाती और एनटीआर सहित कई सितारे दिखे थे।

बॉक्स ऑफिस पर होगा डबल धमाका

12,500 स्क्रीन पर रिलीज होगा सनी देओल की फिल्म जाट का टीजर

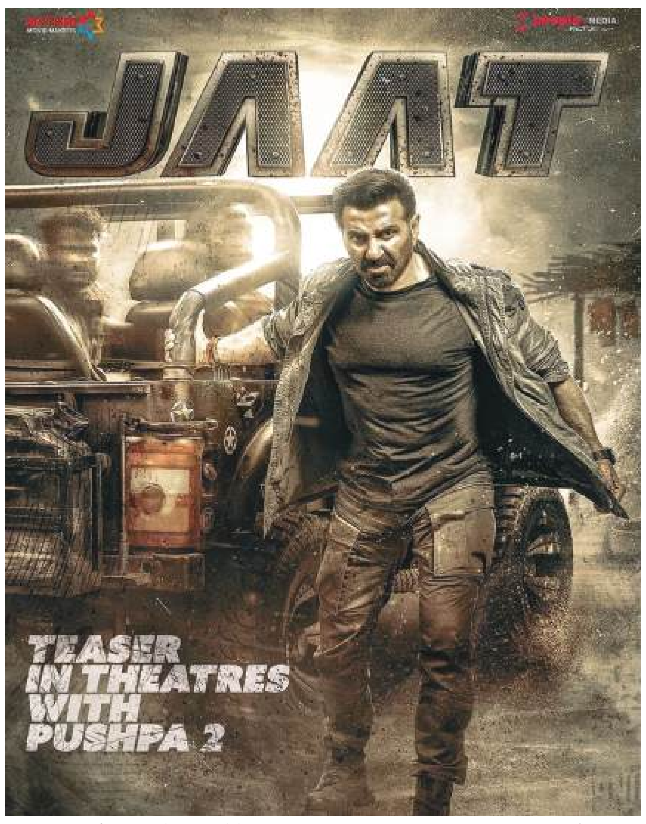

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल की रिलीज की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पुष्पा 2 द रूल ने एडवांस बुकिंग में झंडे गाड़ 100 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। पुष्पा 2 द रूल कल 5 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है। वहीं, पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने अल्लू अर्जुन के फैंस को डबल ट्रीट देने का प्लान बनाया है। पुष्पा 2 के मेकर्स ने सनी देओल संग फिल्म जाट बना रहे हैं, जिसका टीजर फिल्म पुष्पा 2 के इंटरवल में रिलीज होने जा रहा है। सनी देओल और पुष्पा 2 के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया पेज पर इसकी जानकारी दी है। साथ ही फिल्म जाट से सनी देओल का धांसू पोस्टर सामने आया है।बता दें, सनी देओल ने अपने फैंस संग इस गुडन्यूज को शेयर कर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा है, जाट का ग्रैंडेस्ट लॉन्च, वर्ल्डवाइड 12,500 से ज्यादा स्क्रीन पर जाट का टीजर रिलीज होने जा रहा है, तो बिग स्क्रीन पर इस मास एक्शन फिल्म की झलक को एन्जॉय करना। वहीं, पोस्टर में सनी देओल को जीप खींचते हुए देखा जा रहा है। इससे पहले जाट के पोस्टर में सनी देओल के हाथ में एक विशाल पंखा था। अब सिनेमाघरों में पुष्पा 2 और जाट एक साथ धमाका करने जा रही है।फिल्म जाट का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी कर रहे हैं। यह एक मास एक्शन फिल्म है, जिसे अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवीज बना रहे हैं। फिल्म में सनी देओल का मास एक्शन अवतार देखने को मिलेगा, जो तक बॉलीवुड में भी देखने को नहीं मिला है। बता दें, जाट सनी देओल की टॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। सनी को यह मौका उनकी पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर 2 की सक्सेस के बाद मिला है।

विक्रांत मैसी ने शुरू की 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग

फिल्म जगत से 'ब्रेक' का ऐलान करने वाले अभिनेता विक्रांत मैसी नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गए हैं। फिल्म में मैसी के साथ अभिनेत्री शनाया कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

हाल ही में 'रिटायरमेंट' के बारे में दिए अपने बयान को वापस लेने के बाद विक्रांत अपनी अगली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग के लिए तैयार हैं। फिल्म के लिए आयोजित ओपनिंग इवेंट में फिल्म एक्टर्स और क्रू के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हुए।

सीएम धामी ने कहा, मैं मानसी और वरुण बागला जैसे युवा फिल्म निर्माताओं की राज्य की सुंदरता को फिल्म के माध्यम से दिखाने के लिए सराहना करता हूं। प्रोड्यूसर मानसी बागला ने कहा, रोमांटिक फिल्म के लिए स्टार्स के चयन को लेकर हम बहुत सजग थे।

विक्रांत मैसी प्रतिभा का खजाना हैं

और शनाया कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री मनमोहक है। उत्तराखंड के निवासी आरुषि निशंक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं, जो फिल्म में अपने राज्य की खूबसूरती को एक्टिंग में उतारने के लिए तैयार हैं। वे रोमांटिक फिल्म के लिए परफेक्ट हैं।

मिनी फिल्म्स द्वारा निर्मित और संतोष सिंह द्वारा निर्देशित अपकमिंग म्यूजिकल लव स्टोरी में विक्रांत के साथ शनाया कपूर और आरुषि निशंक अहम रोल में हैं। फिल्म की कहानी को निरंजन अयंगर और मानसी बागला ने तैयार किया है। 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग मुंबई, मसूरी, देहरादून के साथ ही यूरोप में चल रही है। '12वीं फेल' अभिनेता ने हाल ही में स्पष्ट किया कि वह फिल्मों से रिटायरमेंट नहीं ले रहे हैं, वह सिर्फ अपने परिवार, हेल्थ पर ध्यान देने के लिए एक ब्रेक लेने जा रहे हैं।

मैसी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर स्पष्ट किया और बताया, एक्टिंग ही है, जो मैं कर सकता हूं। मेरे पोस्ट का गलत अर्थ लगाया गया कि मैं एक्टिंग छोड़ रहा हूं। मैं फैमिली और हेल्थ पर ध्यान देने के लिए बस कुछ समय चाहता हूं, जब सही समय आएगा तो मैं वापस आ जाऊंगा।

भूल भुलैया 4 में होगी अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी की एंट्री?

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म में अक्षय कुमार नजर आए थे और दूसरे भाग में कार्तिक ने उनकी जगह ली।हाल ही में निर्देशन अनीस बज्मी ने बताया था कि इस फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त बन रही है।अब खबर है कि भूल भुलैया 4 में अक्षय की एंट्री हो सकती है।रिपोर्ट्स के अनुसार, भूल भुलैया 4 में अक्षय भी नजर आ सकते हैं। साथ ही दूसरी किस्त में नजर आईं कियारा आडवाणी भी चौथी किस्त की स्टार कास्ट में शामिल होंगी।निर्माता भूषण कुमार ने भी इसके कुछ संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, सबकुछ कहानी पर निर्भर करता है। सभी को एक साथ लाना तभी सार्थक होगा, जब कोई ठोस कहानी हो।भूषण ने अक्षय की मौजूदगी की संभावनाओं से इनकार भी नहीं किया।भूल भुलैया 3 में कार्तिक की जोड़ी तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।बता दें कि भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया का तीसरा भाग है। इस फिल्म का सीक्वल 2022 में आया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ।

जावेद जाफरी की मोहरे का ट्रेलर जारी

आज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होगी स्ट्रीम वेब सीरीज

भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता और कॉमेडियन जावेद जाफरी अपने 62वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिला है।दरअसल, जावेद ने अपनी आने वाली वेब सीरीज मोहरे का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।वेब सीरीज की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। आइए बताते हैं आप मोहरे को कहां और कब देख सकते हैं।मोहरे का प्रीमियर 6 दिसंबर, 2024 से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, क्या आप तैयार हैं क्योंकि अब दरियावाड़ा जलेगा बदले की आग में।नीरज काबी, गायत्री भारद्वाज, आशिम गुलाटी, सुचित्रा पिल्लई, पुलकित मकोल, प्रदन्या मोटघरे, शैलेश दातार और अमित सिंह जैसे सितारे भी इस वेब सीरीज का हिस्सा हैं। ट्रेलर में तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

तुर्की के अंडों का आनंद लेती नजर आईं हाय नन्ना स्टार मृणाल ठाकुर

सीता रामम, हाय नन्ना, जर्सी, पिप्पा और द फैमिली स्टार में अपने अभिनय से लोगों का दिल जीतने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक तस्वीर शेयर की है, इसमें उन्हें खाने का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है।अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सीता राममळ स्टार ने ब्रेड के साथ तुर्की अंडे की प्लेटेड डिश की तस्वीर शेयर की। तुर्की से आने वाली इस डिश में उबले हुए अंडे को क्रीमी दही के ऊपर परोसा जाता है और ऊपर से पिघला हुआ मक्खन डाला जाता है, जिसे अक्सर डिल या अजमोद के साथ सर्व किया जाता है।जर्सी की अभिनेत्री ने पहले भावनाओं के बारे में नहीं, बल्कि उड़ान पकडऩे के बारे में एक पोस्ट शेयर की थी। रविवार को अभिनेत्री ने अपनी कई तस्वीरों के साथ एक पोस्ट शेयर की। इन तस्वीरों में उन्हें मजेदार पोज के साथ देखा जा सकता है।मृणाल ने पोस्ट को कैप्शन दिया, उड़ान पकडऩा, भावनाएं नहीं। तस्वीरों में अभिनेत्री को हेडफोन के साथ देखा जा सकता है।मृणाल ठाकुर के करियर पर एक नजर डालें तो उन्होंने 2012 में टीवी शो मुझसे कुछ कहती है.. ये खामोशियां से अपने अभिनय की शुरुआत की। वह अर्जुन और कुमकुम भाग्य जैसे शो में यादगार भूमिकाओं के साथ उन्होंने जल्द ही लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई।फिल्मों की ओर रुख करते हुए मृणाल ने ऋतिक रोशन की सुपर 30, बाटला हाउस, धमाका और सीता रामम जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया।

69 की उम्र में भी एकदम तंदुरुस्त हैं अनुपम खेर

बोले- 'कुछ भी हो सकता है'

अपनी हालिया रिलीज 'विजय 69' की सफलता से उत्साहित हिंदी सिने जगत के बड़े अदाकार अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने फिल्म के लिए किए गए अथक प्रयास की चर्चा की।

इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मोंटाज शेयर कर खेर ने कैप्शन में लिखा, अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के बाद ही आप बदलाव ला सकते हैं। मैं जिस विशेष भूमिका को निभाने की तैयारी में था, उसके लिए मुझे 7 किलो वजन कम करने की जरूरत थी और वजन कम करने में मुझे 3 महीने लग गए।

खाने का शौकीन होने के कारण मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। मैंने यह भी नहीं सोचा था कि 'कुछ भी हो सकता है' ऐसा कह पाऊंगा। जय हो! शेयर किए गए वीडियो मोंटाज में अनुपम खेर फिल्म के लिए अपने बढ़े वजन की तस्वीर दिखाते नजर आ रहे हैं। साथ में उनके ट्रेनर भी नजर आ रहे हैं।

'विजय' सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और अक्सर अपनी एक से बढ़कर एक पोस्ट फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। फिर, प्रशंसकों को शुभ प्रभात बोलना हो या फिर नए प्रोजेक्ट के बारे में कोई अपडेट देना हो वो झट से सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं। इससे पहले बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता ने प्रशंसकों को शुभ प्रभात बोलते हुए बेहद सकारात्मक पंक्तियों के साथ अपनी खूबसूरत तस्वीरें साझा की थीं।

इंस्टाग्राम अकाउंट पर उगते सूरज के साथ तस्वीरें शेयर कर अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा था, आसमान की ओर देखो, अपने पंख फैलाओ और उड़ जाओ।

अनुपम खेर की 'विजय 69' हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई, जिसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 'विजय 69' में शानदार एक्टिंग के बाद खेर अब निर्देशन की दुनिया में वापसी करने जा रहे हैं। हाल ही में खेर ने सोनू निगम, कीरावन के साथ एक तस्वीर शेयर कर प्रशंसकों को इसकी जानकारी दी थी।

अनुपम खेर अपकमिंग प्रोजेक्ट 'तन्वी द ग्रेट' के साथ निर्देशन में वापसी करने को तैयार हैं। इससे पहले खेर ने साल 2002 में आई मल्टी स्टारर 'ओम जय जगदीश' का निर्देशन किया था। कोरियोग्राफर कृति महेश और 'जवान' के एक्शन निर्देशक सुनील रोड्रिग्स भी अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' क्रू का हिस्सा हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दगा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि अख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपके अंदर नेतृत्व का गुण और लोगों की ज़रूरतों को समझने की संवेदनशीलता है। अगर आप ख़ुद को अभिव्यक्त करने पर ज़ोर देंगे, तो सफलता आपके क़दम चूमेगी। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। किसी वृद्ध के स्वास्थ्य को लेकर हुई परेशानी आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरूरत है। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। किसी से आँखें चार होने की काफ़ी संभावना है। रचनात्मक काम से जुड़े लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शोहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। खाली समय का पूरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डालें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। बच्चों के साथ समय बिताना सुख देगा। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको कामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। खाली समय का पूरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढ़ाएंगे। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन आप अपने हमदम के साथ अच्छा समय गुज़ारेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर चलने की जरूरत है। जरूरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सेहतमंदी से फायदा हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएं। कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपना धन खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज कोई ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपको या आपके जीवनसाथी को बिस्तर में चोट लग सकती है। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। बच्चे कोई दिल ख़ुश करने वाली ख़बर ला सकते हैं। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छुएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिलाकात हो सकती है जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी। देव मंदिर में श्रीफल अर्पित करें मानसिक शान्ति का अहसास होगा कार्य सिद्धि भी होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। विद्यालय का काम पूरा करने के लिए बच्चे आपसे मदद ले सकते हैं। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 06 दिसंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 12:10 तक
नक्षत्र : श्रवण सायं 05:19 तक
योग : ध्रुव प्रात: 10:42 तक
करण : बालव दोपहर 12:42 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : श्री सीताराम विवाह उत्सव , नागपंचमी , स्कन्द षष्ठी

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणवी संस्कृति का आईना है हरियाणा पवेलियन : बंडारू

चंडीगढ़,05 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार को केयू तथा केडीबी के संयुक्त तत्वावधान में ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर पुरुषोत्तमपुरा बाग में स्थापित हरियाणा पवेलियन का उद्घाटन करते हुए कहा कि हरियाणा पैवेलियन हरियाणवी संस्कृति का आईना है जो सभी को हरियाणा की समृद्ध लोक कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पवेलियन के माध्यम से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणवी संस्कृति के उत्थान व संरक्षण में सराहनीय योगदान दे रहा हैं। इस सराहनीय योगदान के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा बधाई के पात्र हैं। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के साथ मिलकर हरियाणा की लोक संस्कृति को सम्पूर्ण विश्व में आम जन तक पहुंचाने का कार्य किया है।

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, तंजानिया की युवा संस्कृति एवं कला मंत्री ताबिया, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा व जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने हरियाणा पैवेलियन में लगे सभी स्टाल का अवलोकन किया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती समारोह में हरियाणा पैवेलियन युवा पीढ़ी को अपने राज्य की प्राचीन समृद्ध संस्कृति एवं विरासत को जानने, समझने तथा उससे जुड़ने का सुगम अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हरियाण की लोक कला एवं संस्कृति की पहचान भारत में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में है। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति एवं संस्कार पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा गीता जयंती समारोह में हरियाणा पवेलियन ग्रामीण संस्कृति की चमक को बिखेर रहा है तथा यह लोक कला एवं संस्कृति का भी समृद्ध संगम है। तंजानिया की युवा संस्कृति एवं कला मंत्री ताबिया मौलिद ने कहा कि हरियाणा पवेलियन ग्राम्य संस्कृति का उत्कृष्ट उद्गम है जहां प्राचीन हरियाणावी लोक संस्कृति के बहुआयामी रंगों को प्रदर्शित किया गया है।

राइजिंग राजस्थान में प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को मिलेगी पहचान : भजनलाल

जयपुर,05 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने गुरूवार को आठवां संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में प्रदेश के हर जिले के विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए उपहार स्वरूप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट हर मायने में बहुआयामी है। इस आयोजन का हिस्सा बनने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों को एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत हस्त निर्मित उत्पादों को उपहार के रूप में देंगे।

गीता जयंती को मिला अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का दर्जा : सैनी

चंडीगढ़,05 दिसंबर (एजेंसियां)। कुरूक्षेत्र में चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के दौरान मंत्र उच्चारण और शंखनाद की गुंजायमान ध्वनि के बीच पवित्र ग्रंथ गीता के महापूजन से आज मुख्य कार्यक्रम का आगाज हुआ। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, जांजीबार की सांस्कृतिक एवं खेल मंत्री टीएम माविता, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गीता यज्ञ में पूर्ण आहुति डाली और ब्रह्मसरोवर पर पूजन भी किया।

इससे पहले सभी गणमान्य ने इस बार के अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के पार्टनर देश तंजानिया के पवेलियन का उद्घाटन करने के उपरांत वहां के खान-पान, रहन-सहन, परिधानों को दर्शाने वाले स्टॉल का अवलोकन किया। इसके पश्चात उन्होंने सूचना, जनसम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हरियाणा सरकार की 10 साल की उपलब्धियों को विभिन्न विभागों के स्टॉलों के माध्यम से दर्शाया गया है। इसके अलावा, उन्होंने सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री के साथ सभी गणमान्य, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्यों और अधिकारियों के साथ एक ग्रुप स्मृति चित्र भी करवाया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गीता महोत्सव की प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से गीता जयंती को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का दर्जा

मिला। उन्होंने कहा कि 28 नवंबर से अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आरम्भ हो चुका है जो 15 दिसंबर तक जारी रहेगा। इस दौरान मानवमात्र को श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस बार अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में यूनाइटेड रिपब्लिक ऑफ तंजानिया सहयोगी देश तथा ओडीशा सहयोगी राज्य है। उन्होंने कहा कि सहयोगी राज्य ओडिशा के श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी, उत्तर प्रदेश के वृन्दावन में बांके बिहारी मंदिर, मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर, गुजरात में द्वारिकधीश, उज्जैन में महाकालेश्वर और जयपुर में ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देव जी में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का लाइव प्रसारण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 से लगातार विगत 8 वर्षों से इस महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। महोत्सव में लाखों की संख्या में देश विदेश से लोग भाग लेने के लिए पहुंचते हैं, जो हमारे लिए गर्व की बात है। पिछले वर्ष लगभग 45 से 50 लाख लोगों ने हिस्सेदारी की थी। इस बार भी लाखों लोगों के यहां पहुंचने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में 18 हजार विद्यार्थियों के साथ वैश्विक गीता पाठ, हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा विभिन्न राज्यों के कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार, ब्रहमसरोवर की महाआरती, दीपोत्सव, 48 कोस के 182 तीर्थों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।

दिया कुमारी ने दी फड़णवीस को बधाई

जयपुर,05 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी गुरुवार को मुंबई दौरे पर पहुंची। वहां उन्होंने आज़ाद मैदान में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शपथ ग्रहण के पश्चात महाराष्ट्र के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस से मुलाकात कर उनको बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने महाराष्ट्र के नव निर्वाचित उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार से भी भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। दिया कुमारी ने इससे पूर्व राजस्थान के प्रवासी समाज अध्यक्ष मोहन माली, चौनाराम सहित अन्य लोगों से मुलाक़ात की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत एयरपोर्ट पर राजस्थान पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सीमा यादव, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की सहायक निदेशक ऋतु सोढ़ी , राजस्थान हाउस वाशी से शशिकांता शर्मा ने किया।

विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने दी फड़णवीस को बधाई

चंडीगढ़,05 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वीरवार को मुंबई के आजाद मैदान पहुंच महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार को बधाई दी। इस अवसर पर कल्याण ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ करते हुए प्रदेश में महायुति प्रचंड जीत दिलाई। इसके लिए महाराष्ट्र की जनता भी बधाई की पात्र है।

विवाह में एक रुपया लेकर युवक ने दहेज विरोधी मिसाल पेश की

रेवाड़ी,05 दिसंबर (एजेंसियां)। विवाहों में दहेज की कुप्रथा आज भी समाज में गहरी जड़ी हुई है, जिसके चलते कई बार महिलाएं शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का शिकार होती हैं, और कभी-कभी तो उनकी जान भी चली जाती है। लेकिन इसके विपरीत, ऐसे लोग भी हैं जो इस कुप्रथा को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। एक ऐसा ही उदाहरण प्रस्तुत किया है रेवाड़ी के कस्बा बावल स्थित धारण की ढाणी निवासी सौरभ डागर ने, जिन्होंने अपने विवाह समारोह में वधूपक्ष द्वारा दिए गए ग्यारह लाख ग्यारह हजार ग्यारह रुपये में से केवल एक रुपया स्वीकार कर एक मिसाल पेश की।

सौरभ डागर ने बताया कि वह गरीब और असहाय लोगों की मदद के लिए एक सामाजिक एन.जी.ओ. चलाते हैं, और उन्होंने अपने एन.जी.ओ. के फाउंडर और सदस्यों से सीखा कि दहेज एक सामाजिक अपराध और अभिशाप है, जिसे जड़ से खत्म करना हम सभी का कर्तव्य है। इसी विचारधारा के तहत उन्होंने अपने विवाह में एक रुपया लेकर समाज को यह संदेश देने की कोशिश की है कि दहेज की कोई आवश्यकता नहीं है और हमें बेटियों को बोझ नहीं समझना चाहिए।

सौरभ ने उम्मीद जताई कि उनका यह कदम समाज को दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए प्रेरित करेगा और लोग अपनी बेटियों को सम्मान और सम्मान के साथ देखेंगे, न कि एक बोझ के रूप में।

कर्मभूमि से मातृभूमि कार्यक्रम राजस्थान के लिए वरदान साबित होगा : भजनलाल शर्मा

जयपुर,05 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल से मुलाकात कर 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल संचय के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'कर्मभूमि से मातृभूमि' कार्यक्रम की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत प्रवासी बंधुओं की जनभागीदारी के

माध्यम से मातृभूमि के विकास में योगदान के रूप में राजस्थान राज्य में भूजल स्तर में बढ़ोतरी के लिए 45 हजार ट्यूबवेल रिचार्ज स्ट्रक्चर का निर्माण होगा। यह अभियान प्रदेश में वाटर रिचार्ज के क्षेत्र में वरदान साबित होगा। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के अंतर्गत राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं बिहार के प्रवासी बंधुओं द्वारा भूजल पुनर्भरण हेतु आधुनिक रिचार्ज शाफ्ट्स का निर्माण करवाया जाएगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होगी एवं जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में युवाओं के रोजगार व कौशल विकास के लिए किए जा रहे कार्यों एवं अन्य जनकल्याणकारी विषयों पर सार्थक चर्चा की।

विदेश में जाकर भारत की आलोचना करना कांग्रेस की नीति : जितेंद्र गोठवाल

जयपुर,05 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को राज्यसभा में ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) के बारे में आई एक रिपोर्ट का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जब भी संसद का सत्र चल रहा होता है, उसी समय विदेशों में कोई न कोई रिपोर्ट सामने आ जाती है, जिसका मकसद देश की छवि खराब करना है। सुधांशु त्रिवेदी द्वारा इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजियां तेज हो गई हैं।

राजस्थान भाजपा के प्रदेश महामंत्री और विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कहा, आप देखेंगे कि पिछले 10 साल से भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जो विपक्ष में इन लोगों ने दल बनाया जिसका नेतृत्व तो राहुल गांधी करते हैं, उनकी नीति यही रही है कि विदेश में जाकर बस भारत की आलोचना करनी है।

राजस्थानी भाषा को मान्यता देने और प्रचार-प्रसार के लिए शिक्षाविदों की बैठक

जयपुर,05 दिसंबर (एजेंसियां)। शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में राजस्थानी भाषा को राज्यभाषा का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में गुरुवार को शिक्षा संकुल स्थित शासन सचिव के कक्ष में एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थानी भाषा के वरिष्ठ विद्वानों सहित शिक्षा एवं भाषा विभाग तथा राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अधिकारियों ने भाग लिया। राजस्थानी विद्वानों में ओंकार सिंह लखावत, गोविन्द शंकर शर्मा, कल्याण सिंह शेखावत, प्रमोद शर्मा, डॉ. दीपिका विजयवर्गीय सहित अन्य शामिल रहे।

कृष्ण कुणाल ने सभी विद्वानों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की भावना के

अनुरूप राजस्थानी भाषा के उन्नयन के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रत्यन्नशील एवं कटिबद्ध है। ऐसे में राजस्थानी भाषा के विकास एवं प्रचार-प्रसार के लिए सभी आवश्यक प्रयत्न किये जाएंगे। बैठक में सभी विद्वानों ने सर्वसम्मति से कुछ महत्वपूर्ण निर्णय एवं विचार व्यक्त किए। सभी का कहना था कि राजस्थान की परिसीमा में बोली जाने वाली प्रत्येक बोली को सम्मिलित करते हुए 'राजस्थानी' भाषा में परिभाषित किया जाना चाहिए। राजस्थानी का किसी भी भाषा एवं बोली से कोई द्वेष अथवा मतभेद नहीं है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप राजस्थान में भी प्रत्येक बालक को प्रारम्भिक शिक्षा उसकी मातृभाषा में ही दी जानी चाहिए, इसके लिए राजस्थान सरकार हरसम्भव प्रयत्न कर शीघ्रातिशीघ्र इस नीति को लागू करने के लिए प्रयत्नशील है। साथ ही राजस्थानी भाषा के विकास एवं उन्नयन के लिए भी सभी प्रयत्न किए जाएंगे।

बैठक में ओंकार सिंह लखावत ने कहा कि राजस्थानी एवं ब्रज भाषा पर एक पैनोरमा बनाया जाना चाहिए। साथ ही राजस्थानी भाषा के उन्नयन के लिए जो भी मानक सुझाव दिये जाएं, उन्हें मानते हुए हमें भाषा की समृद्धि के लिए कार्य करने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में दरभंगा समस्तीपुर व सहरसा में प्रदर्शन, निकाली पदयात्रा

दरभंगा (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में दरभंगा जिले में सनातन धर्म संघर्ष समिति के द्वारा विशाल आक्रोश मार्च पदयात्रा निकाला गया। जो मनोकामना मंदिर से निकलकर कर्पूरी चौक तक गई। इस यात्रा में भाजपा के नगर विधायक संजय सरावगी केवटी विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा सहित सैकड़ों लोग इस आक्रोश पूर्ण पदयात्रा में शामिल हुए। यात्रा में शामिल लोगों के हाथों सरकार विरोधी पोस्टर बैनर कट आउट लेकर बांग्लादेश की सरकार का विरोध जता रहे थे।

इस पदयात्रा में शामिल नगर विधायक संजय सरावगी ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू सिक्ख इसाईयों के साथ बांग्लादेशी की सरकार जिस प्रकार से क्रूरता कर रही है। वह भारत के लोगों को बर्दाश्त नहीं। अविलंब बांग्लादेश की सरकार अल्पसंख्यक समाज के लोगों को बांग्लादेश में सुरक्षा मुहैया कराए। इस आक्रोश पूर्ण पदयात्रा के संयोजक राजीव कुमार मधुकर ने कहा कि बांग्लादेश की सरकार अगर हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को शीघ्र सुरक्षा मुहैया नहीं कराती है तो दरभंगा में ही नहीं पूरे देश में सनातनियों के द्वारा आक्रोश यात्रा निकाली जाएगी।

उन्होंने कहा कि अगर मामला शांत नहीं हुआ तो सनातन धर्म को मानने वाले युवा भारत से बांग्लादेश की ओर चल पड़े तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। हम आज के आक्रोशपूर्ण पदयात्रा के माध्यम से बांग्लादेश की सरकार को आगाह करना चाहते हैं कि सरकार होश में आए और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू सिक्ख इसाईयों को अविलंब सुरक्षा प्रदान करने का काम करे। इस पदयात्रा जिला के कई अन्य संगठन के लोगों ने भी भाग लिया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में गुरुवार को सनातन समाज के बैनर तले लोगों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर मौन जुलूस निकाला एवं कलेक्ट्रेट के सामने सभा की। सरकारी बस पड़ाव से शुरू हुए जुलूस में लोग हाथों में काली पट्टी बांधकर शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए पुनः सरकारी बस पड़ाव पहुंचे।

अध्यक्षीय संबोधन में हीरा झा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले हत्या, लूट और आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक है। संपूर्ण सनातन समाज इसकी भर्त्सना करता है। वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसियां इसे रोकने की जगह केवल मूकदर्शक बनी हुई हैं। विवशतावश बांग्लादेश के हिंदुओं द्वारा संरक्षण के लिए लोकतांत्रिक पद्धति से उठाई गई आवाज को दबाने के लिए उन्हीं पर अन्याय और अत्याचार का नया दौर उभरता दिख रहा है।

सभा के दौरान विनय कुमार सिंह ने कहा कि संपूर्ण सनातन समाज भारत सरकार से भी यह आवाह्न करता है कि वह बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के प्रयासों को हर संभव जारी रखें। इसके समर्थन में वैश्विक अभिमत बनाने के लिए यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठाएं। नीतीश राज ने कहा कि इस महत्वपूर्ण समय में भारत तथा वैश्विक समुदाय एवं संस्थाएं बांग्लादेश के पीड़ितों के साथ खड़े होकर अपना समर्थन प्रकट करना चाहिए। अपनी-अपनी सरकारों से इसके लिए हर संभव प्रयासों की मांग करना विश्व शांति एवं भाईचारे के लिए आवश्यक है। सभा की समाप्ति के बाद एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर माननीय राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

मौके पर विशाल गौतम, युवराज कुमार, उपेंद्र पाठक, राकेश रोशन, रामविनोद प्रसाद, नंदनम कुमार, अमरेश कुमार, केशव कुमार, विक्की चौधरी, बादल सिंह, रोशन झा, कन्हाई प्रेमी, मुकेश कुमार, देवेंद्र चौरसिया, दीपक यादव, अमन कुमार, अजय प्रताप, प्रशांत झा, अरविंद कुशवाहा आदि सैकड़ों सनातनी मौजूद रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध हो रहे अत्याचार के विरोध में शहर के शंकर चौक पर भाजपा नेत्री लाजवंती झा के नेतृत्व में पुतला दहन किया गया। विरोध प्रदर्शन करते लोगों ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके के चुनी हुई शेख हसीना के सरकार को अपदस्थ कर जमाते इस्लामी के बैनर तले अलोकतांत्रिक मो. युनुस की सरकार के संरक्षण में बांग्लादेश में हिंदुओं पर भीषण अत्याचार, हिंसा, आगजनी, मानवता को शर्मसार करने वाली सभी निंदनीय कार्यों में लगातार वहां की सेना और पुलिस के साथ-साथ स्थानीय कट्टरपंथी पराकाष्ठा पार कर चुके हैं। इस्कॉन के पृष्ठ को बंदी बनाया गया, सभी मंदिर एवं हिंदू धर्म स्थल को तोड़ा जा रहा है।

लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि इजरायल में जो सात अक्तूबर 2023 को हमास द्वारा क्रूर, घृणित हिंसा का जघन्य अपराध किया गया था। उससे कहीं अधिक घृणित और जघन्य हिंसा पिछले तीन महीने से हिंदुओं के विरुद्ध वहां जारी है। पिता के सामने बेटी से बलात्कार, पति के सामने पत्नी से बलात्कार, भाई के सामने बहन से बलात्कार, बेटे के सामने मां से बलात्कार, समस्त हिंदू समाज के घरों को जलाना, साधु संतों को गिरफ्तार कर अमानवीय यातनाएं दी जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि कोई आवाज हिंदुओं के समर्थन में नहीं उठा रहा है। राजद, सपा, कांग्रेस फिलिस्तीन के समर्थन में, लेकिन बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहे क्रूर हिंसा के विरोध में विश्व की चौथी सबसे बड़ी सेना हाथ पर हाथ रख तमाशा देख रही है। आखिर कब तक हिंदू विभाजन, मोपला, कश्मीर, पाकिस्तान और बांग्लादेश में यातना, अमानवीय हिंसा और बेइज्जती सहेगा। बांग्लादेशी सरकार द्वारा प्रायोजित हिंदू जिनेसाइड का जमकर विरोध किया गया एवं बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार के विरुद्ध में आक्रोश व्यक्त किया गया।

अपनी कई मांगों को लेकर कलम बंद हड़ताल पर रहे कृषि विज्ञान केंद्र के कर्मी

सहरसा (एजेंसियां)। सत्तर कटैया प्रखंड क्षेत्र में अगवानपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के सभी वैज्ञानिक और कर्मचारीगण एक दिवसीय कलम बंद हड़ताल पर रहे। कर्मियों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पक्षपात पूर्ण व्यवहार से प्रभावित होकर भारतवर्ष के गैर आईसीएआर के अंतर्गत कार्य करने वाले कृषि विज्ञान केंद्रों के राष्ट्रीय फॉर्म के आह्वान पर एवं बिहार कृषि विज्ञान केंद्र कर्मचारी संघ के पूर्व सूचना पर गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्र अगवानपुर के सभी वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण एक दिवसीय कलम बंद हड़ताल पर हैं।

डॉ. मनमोहन सिंह मेहता की अध्यक्षता में गठित समिति के प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर साल 1974 से देश के विभिन्न जिलों में कृषि विज्ञान केंद्रों की स्थापना की जाती रही और वर्तमान में पूरे देश में कुल 731 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। साल 2011 से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के सदस्यों को वेतनमानों में अनापेक्षित तरीके से कटौती की जाने लगी। कृषि विज्ञान केंद्रों में भी दो प्रकार की श्रेणियां गुपचुप तरीके से बनाई जाने लगी।

वर्तमान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा गैर आईसीआर कृषि विज्ञान केंद्रों के कर्मियों की सुविधाओं में कटौतियों के साथ-साथ उनके पेंशन, ग्रेच्युटी एवं चिकित्सा भत्ते में भी कटौतियां हेतु बिना आदेश के मनमाने ढंग से बजट दिया जाने लगा।

हद तो तब हो गई जब कृषि विज्ञान केंद्रों के कुछ सदस्यों को उनके मेजबान विश्वविद्यालयों द्वारा जबरदस्ती लिए गए निर्णयों के खिलाफ न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय में हार के बावजूद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद न्यायालय की शरण में कर्मचारियों के विरुद्ध पहुंच गई। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की न्यायालय से हार के बावजूद परिषद द्वारा गैर आईसीएआर कृषि विज्ञान केंद्रों के कर्मियों के प्रति लाल फ़ीताशाही जारी है।

परिषद की गोपनीय तौर पर योजना चल रही थी कि गैर आईसीएआर केविके के कर्मियों को चिकित्सा भत्ता एवं अन्य भविष्य निधि के तहत प्राप्त राशियों की सुविधाओं से भी वंचित कर दिया जाए।

बिहार पुलिस के वर्दीधारी महीनों से कर रहे थे वसूली, पकड़े गए तो निकले फर्जी सिपाही

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया पुलिस ने दो ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है, जो पुलिस की वर्दी पहनकर वाहन चालक से अवैध वसूली करते थे। इतना ही नहीं जब वाहन चालक रुपये देने से मना करते थे तो दोनों गाड़ी जब्त कर जेल भेज देने की धमकी देते थे। धौंस दिखाकर धमकी देने वाले दो फर्जी सिपाही को मुफस्सिल थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों कई महीनों से इस तरह की घटना को अंजाम दे रहे थे। पुलिस की वर्दी पहनकर शराब के नशे में वाहन चालक से अवैध वसूली कर रहे थे। गुरुवार को ग्रामीणों ने दोनों ने रंगेहाथ दबोच लिया। वहीं गिरफ्तार फर्जी सिपाही सदर थाना के कालीघाट निवासी निवास रजक के पुत्र अमित कुमार और बलिया जिले के ओझोलिय निवासी रविन्द्र कुमार हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों अभियुक्त मनसाराम पुल स्थित मो. हबीब गोदाम के समीप फौजी की वर्दी पहन कर बाइक लगाकर आने जाने वाले वाहनों को रोक कर रुपये की वसूली कर रहा था। ग्रामीणों को दोनों पर शक होने पर इसकी जानकारी मुफस्सिल पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पुलिस ने दोनों फर्जी सिपाही को गिरफ्तार कर थाना लेकर चले गए। राजस्थानी लोगों ने बताया कि दोनों युवक से वाहन चालक काफी परेशान थे। वाहन चालक जब रुपया देने से इंकार करते थे तो उनको सिर्फ जेल भेजने की धमकी ही नहीं देता था बल्कि उनके साथ मारपीट की घटना को अंजाम देते थे।

मुफस्सिल थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि मनसाराम पुल स्थित के पास पुलिस की वर्दी पहन कर आने जाने वाले वाहनों को रोककर रुपये की वसूली कर रहे थे। ग्रामीणों की सूचना में पुलिस घटनास्थल पहुंचकर दोनों युवक को गिरफ्तार कर थाना लाया गया साथ ही युवक के बाइक भी जप्त कर लिया। गिरफ्तार दोनों युवक को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में दोनों युवक को भेज दिया गया है।

पत्नी को तलवार से काट जिंदा जला दिया, कातिल पति को कोर्ट ने दी सश्रम उम्रकैद की सजा

औरंगाबाद (एजेंसियां)। तलवार से पत्नी को काटकर लहुलूहान करने के बाद जिंदा जला देने के 10 साल पुराने मामले में सरकारी अधिवक्ता ने जघन्य अपराध के लिए अभियुक्त को कोर्ट से फांसी की सजा दिए जाने की मांग की। वही बचाव पक्ष के वकील ने कम से कम सजा की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी को सश्रम आजीवन कारावास और जुर्माना की सजा सुनाई। दरअसल यह सजा गुरूवार को औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश(एडीजे)-2 धनंजय कुमार मिश्रा की अदालत ने सुनाई। आरोपी लालबहादुर चौधरी गोह थाना के गम्हरी गांव का निवासी है।

अपर लोक अभियोजक (एपीपी) देवेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि कोर्ट ने गोह थाना कांड संख्या-10/19, एसटीआर-188/19 में सज़ा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए मामले के एकमात्र काराधीन आरोपी को भादंवि की धारा-302 के तहत आजीवन कारावास और 25 हजार के जुर्माना की सजा सुनाई। जुर्माना नही देने देने पर कोर्ट ने एक साल के अतिरिक्त साधारण कारावास का प्रावधान किया। साथ ही कोर्ट ने अभियुक्त को भादंवि की धारा-201 के तहत पांच साल सश्रम कैद और 10 हजार का जुर्माना लगाया है। जुर्माना नही देने पर अभियुक्त के लिए एक साल का अतिरिक्त कारावास निर्धारित किया गया है। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेगी।

अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मामले की प्राथमिकी बतौर सूचक गया जिले के बाराचट्टी थाना के भेलवा निवासी पवन चौधरी ने 11 जनवरी 2019 को गोह थाना में दर्ज कराई थी। कहा था कि उनकी बहन रिंकू देवी की शादी 2013 में लालबहादुर चौधरी से हुई थी।

अभियुक्त ने गलत नियत से षड्यंत्र कर उसकी बहन को रात में तलवार से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। हाथ काटा और किरासन तेल से जलाकर मार दिया।

लाश को छिपा दिया। उसे मामले की जानकारी गम्हरी गांव के ग्रामीणो से मिली। इसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंचा। घटना सत्य जानकर उसने न्याय के लिए थाना में आवेदन दिया।

मामले की प्राथमिकी के बाद पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, तब से वह जेल में ही बंद हैं। अधिवक्ता ने बताया कि मामले में अभियुक्त के पास बचाव के लिए कोई अधिवक्ता नहीं होने की स्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद की ओर से उसे पैरवी के लिए नि:शुल्क अधिवक्ता मुहैया कराया गया था।

मामले में उप परामर्शदाता एलएडीसीएस अधिवक्ता मुकेश कुमार ने कोर्ट में अभियुक्त के बचाव में पक्ष रखते हुए कम से कम सज़ा की मांग की। वही अभियोजन पक्ष की ओर से एपीपी देवेंद्र कुमार शर्मा ने अभियुक्त को जधन्य अपराध के लिए फांसी की सजा दिए जाने की मांग की। मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायधीश ने यह सज़ा सुनाई। कहा कि मृतका के दो नाबालिग बच्चों के देखभाल के लिए उचित प्रतिकर के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद को पत्र लिखा जाए।

एजुकेशन लोन लेकर पूरी कर ली पढ़ाई, अब तक वापस नहीं किया पैसा, 45 छात्रों के विरुद्ध सर्टिफिकेट केस

मुंगेर (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने छात्र-छात्राओं को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ किया। इसके तहत चार लाख का ऋण आसान शर्तों पर दिया जाता है। ताकि उनकी पढ़ाई जारी रखने में कोई परेशानी न हो। बावजूद इसके लिए कई छात्र इसका लाभ लेने के बाद भी निर्धारित समय बीत जाने के बाद ऋण की वापसी नहीं की है। इस योजना के प्रावधान के मुताबिक ऋण दिलाने में सरकार ही जिम्मेदारी लेती है। इधर, ऋण वापसी नहीं करने पर बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम की ओर से शेखपुरा जिले के 45 छात्रों के विरुद्ध सर्टिफिकेट केस किया है। जबकि इस दिशा में सख्ती बरतते हुए अभी तक तकरीबन 93 लाख रुपये की वसूली की गई है।

नौकरी के लिए एक वर्ष का मिलता है। समय कोर्स समाप्त होने के बाद सरकार एक वर्ष का समय नौकरी ढूंढने के लिए देती है। अगर एक वर्ष में उन्हें नौकरी नहीं मिलती तो छह महीने का समय और अतिरिक्त दिया जाता है। इसके बावजूद भी अगर किसी छात्र या छात्रा को नौकरी नहीं लगती है तो हर छह महीने में नौकरी नहीं लगने से संबंधित एक एफिडेविट कार्यालय में जमा करना होता है। इस तरीके से उन्हें तीन साल का और ग्रेस मिल जाता है। जिले में 350 छात्र-छात्राएं ऐसे हैं, जो कोर्स पूरा होने के बाद लोन जमा करने के लिए एप्लीकेशन के माध्यम से समय की मांग की है। इसके साथ ही 150 लोग ऐसे हैं, जिन्हें नौकरी मिल गई है और वे लोन की किस्त पूरी कर रहे हैं। सरकार की इस योजना में छात्राओं को एक प्रतिशत ब्याज दर से लोन चुकाना होता है। जबकि छात्रों को चार प्रतिशत के हिसाब से लोन चुकाना होता है। लोन की प्रक्रिया कोर्स पूरा होने के एक साल बाद से शुरू हो जाती है।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विभाग की यह अच्छी योजना है। इसमें पढ़ाई पूरी करने के बाद आसान किस्तों पर ऋण की अदायगी करनी होती है। इस पर ब्याज भी पढ़ाई के बाद भी लिया जाता है। इसमें छात्र के लिए एक प्रतिशत एवं छात्रा से चार प्रतिशत ब्याज की वसूली की जाती है।

सर्टिफिकेट केस करने से पहले चार बार नोटिस भेजकर संबंधित को निर्धारित किश्त के मुताबिक ऋण जमा करने को कहा जाता है। बावजूद इसके यदि ऋण का किश्त जमा नहीं किया जाता है, तो निगम की ओर से सर्टिफिकेट केस किया जाता है। सर्टिफिकेट केस आवेदक एवं सह आवेदक दोनों पर किया जाता है।

जिले में 2024-25 में कुल 650 छात्र-छात्राओं ने इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन दिया था। इसमें अब तक 525 छात्र छात्राओं का लोन स्वीकृत कर लिया गया है। इस मामले में जिले का आंकड़ा 91 प्रतिशत है।

बिहार बोर्ड ने मैट्रिक-इंटर में सफल छात्रों को दिया अवार्ड

पटना (एजेंसियां)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में टॉप करने वालों को अवार्ड दिया गया है। बिहार बोर्ड ने टॉप 10 छात्रों को 10 हजार रुपये लेकर एक लाख रुपये तक कैश दिए। साथ ही एक लैपटॉप, प्रशस्ति पत्र और मेडल भी प्रदान किया। मेधा दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग के मंत्री सुनील कुमार और बिहार बोर्ड के अध्यक्ष आनंद किशोर ने इन बच्चों को पुरस्कार दिया।

साथ ही इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा 2024 के उत्कृष्ट संचालन में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाले भोजपुर, पूर्वी चम्पारण, दरभंगा, गया, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पटना, पूर्णिया और वैशाली के जिला पदाधिकारियों एवं जिला शिक्षा पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। बिहार बोर्ड की ओर से कहा गया कि मैट्रिक में प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले 51 विद्यार्थी थे। इटर के तीनों सकाय (वाणिज्य, कला एवं विज्ञान) में प्रथम पांच स्थान प्राप्त किए हुए 24 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

समिति द्वारा मैट्रिक एवं इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा, 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किए हुए विद्यार्थी को एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त किए हुए विद्यार्थी को 75 हजार रूपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त किए हुए विद्यार्थी को 50 हजार रुपये प्रदान किया गया। मैट्रिक वार्षिक परीक्षा, 2024 में चतुर्थ स्थान से दशम तक स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 10 हजार रुपये तथा इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2024 में चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त किये हुए विद्यार्थी को 15 हजार रुपये दिया गया। साथ ही मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट के सभी पुरस्कृत विद्यार्थियों को एक-एक लैपटॉप, प्रशस्ति पत्र तथा मेडल प्रदान किया गया। मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि पुरस्कृत सभी विद्यार्थियों, उनके शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए आज गर्व का दिन है। सभी टॉपर विद्यार्थी अपनी प्रतिमा को आगे भी कायम रखेंगे। मंत्री ने इस अवसर पर बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किये गये कार्यों की विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही उन्होंने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति में किये गये गुणात्मक सुधारों के लिए समिति को बधाई दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com